THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 162 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13 2080 मंगलवार, 29 अगस्त 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने 51 हजार युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपे

* 10 महीने में 5 लाख लोगों को नौकरी मिली * भारत जल्द टॉप-3 अर्थव्यवस्था में शामिल होगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 28 अगस्त को 8वें राष्ट्रीय रोजगार मेले के तहत 51 हजार 106 युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपे। देशभर में 45 जगहों पर रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस मौके पर पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित किया।

उन्होंने जॉइनिंग लेटर मिलने पर सबको बधाई दी और कहा कि भारत बहुत जल्द टॉप-3 अर्थव्यवस्था में शामिल होगा। पीएम मोदी ने कहा, देश के हर युवा का सपना है कि वो देश का प्रहरी बने। आप देश की सेवा के साथ-साथ यहां के नागरिकों की रक्षा भी करेंगे। इसलिए आप सभी आजादी के अमृत काल के अमृत रक्षक हैं। पीएम ने कहा, आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता देश है। सरकार के प्रयासों ने मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग को कई गुना बढ़ा दिया है। भारत में बने फोन पूरी दुनिया में बिक रहे हैं। मोबाइल के बाद भारत अब दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर फोकस करेगा।

भारत सरकार मेड इन इंडिया लैपटॉप-टैबलेट खरीदेगी :

प्रधानमंत्री ने कहा, वो दिन दूर नहीं है, जब मोबाइल की तरह भारत में बने एक से बढ़कर एक लैपटॉप, टैबलेट, कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स दुनिया में हमारी शान बढ़ाएंगे। वोकल फॉर लोकल के मंत्र पर चलते हुए भारत सरकार भी मेड इन इंडिया लैपटॉप, टैबलेट खरीदने पर जोर दे रही है।

टूरिज्म सेक्टर में 13 से 14 करोड़ लोगों को मिलेगा रोजगार :

पीएम मोदी ने कहा कि देश में फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। 2030 तक टूरिज्म सेक्टर से भारत की अर्थव्यवस्था को 20 लाख करोड़ से अधिक मिलने की संभावना है। इससे युवाओं के लिए 13-14 करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

गृह मंत्रालय के अलग-अलग विभागों में होती है भर्ती :

रोजगार मेले में जॉइनिंग लेटर मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), असम राइफल्स, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के साथ दिल्ली पुलिस में भर्ती होती है।

> 10 महीने में 5 लाख लोगों को जॉइनिंग लेटर मिले

22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना है। पीएम ने पिछले 10 महीनों में 8 रोजगार मेलों में करीब 5 लाख युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए हैं।

> 22 जुलाई को 20 से अधिक राज्यों में 7वां रोजगार मेला हुआ था

इससे पहले 22 जुलाई को सातवें रोजगार मेले का आयोजन किया था। तब पीएम मोदी ने 70 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपे थे। देश में 20 से भी ज्यादा राज्यों में 44 जगहों पर इसका आयोजन किया गया था। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े थे।

उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना उनकी सरकार के दौरान हुए फोन बैंकिंग घोटाले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने नौकरी पाने वाले युवाओं से कहा कि 1947 में आज (22 जुलाई) ही के दिन संविधान सभा ने तिरंगे का डिजाइन फाइनल किया था। आज के दिन आपको नौकरी मिलना प्रेरणादायक बात है। सरकारी नौकरी में रहते हुए आपको हमेशा ये कोशिश करनी है कि तिरंगे की आन-बान-शान में कोई आंच न आए।

जी-20 से पहले 'नूंह' में दंगे की साजिश!

एक्शन में है गृह मंत्रालय और खुफिया एजेंसी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अगले माह नौ और 10 तारीख को दिल्ली में होने जा रही 'जी-20' देशों के राष्ट्राध्यक्षों/सरकार के प्रमुखों की बैठक को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि 2020 के दौरान जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत आए थे तो दिल्ली में दंगों की साजिश रची गई थी। इस बार कुछ वैसी ही साजिश हरियाणा के 'नूंह' में रची जा रही है। इसका मकसद, विदेशी मेहमानों के सामने देश की छवि खराब करना है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के समक्ष पेश की गई रिपोर्ट

बता दें कि पिछले दिनों नूंह में जलाभिषेक यात्रा के दौरान दंगा हो गया था। दोनों समुदायों ने इसके लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया था। कई दिन बाद जब नूंह में हालात सामान्य हुए तो भाजपा से जुड़े संगठनों ने दोबारा से यात्रा निकालने की बात कही।

इस मामले में हरियाणा सरकार को विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा। सरकार पर यह दबाव भी रहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में वहां पर यात्रा निकालने की इजाजत न दी जाए।

चंद्रबाबू नायुडू की चुनाव आयोग को चिट्ठी

वाईएसआरसीपी पर लगाए आरोप-2024 के चुनाव को लेकर की मांग

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू चुनाव ने भारतीय चुनाव आयोग को लिखा कि सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी नेताओं के राजनीतिक दबाव के कारण चुनावी मशीनरी को स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति नहीं दी गई। ऐसे में जरूरी है कि स्वतंत्र मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं।

उन्होंने 2024 में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पर्याप्त कदम उठाने का अनुरोध किया। इच बीच टीडीपी प्रमुख दिल्ली में निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा विजयसाई रेड्डी के नेतृत्व में वाईएसआरसीपी प्रतिनिधिमंडल भी आयोग कार्यालय पहुंचा है।

ममता बोलीं-लोकसभा चुनाव दिसंबर में हो सकते हैं

गवर्नर बोस को चैलेंज दिया, कहा-चुनी हुई सरकार से पंगा न लें

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा, लोकसभा चुनाव दिसंबर में हो सकते हैं। भाजपा ऐसा करा दे तो हैरानी नहीं होगी। हमने बंगाल में माकपा के शासन को खत्म किया है, अब लोकसभा में भाजपा को हराएंगे।

उन्होंने राज्य के गवर्नर सीवी बोस को चैलेंज भी दिया है। बोलीं- राज्यपाल को चुनी हुई सरकार से पंगा नहीं लेना चाहिए। वो संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। मैं इस पद का सम्मान करती हूं लेकिन उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। ममता ने यह बातें तृणमूल (टीएमसी) छात्र परिषद के 26वें स्थापना दिवस पर कोलकाता स्थित मेयो रोड पर रैली को संबोधित करते हुए कहीं। गवर्नर बोस ने रविवार (27 अगस्त) को सिलीगुड़ी में एक नाबालिग के रेप और मर्डर की घटना पर राज्य सरकार की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि कन्या का जीवन बचे बिना कन्याश्री योजना का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा था कि मैं कन्याश्री योजना पर बोलना चाहता हूं। कन्या के जीवन के बिना कन्याश्री का क्या मतलब है। जब तक समाज एक लड़की की जान नहीं बचा सकता, तब तक बड़े-बड़े दावे करने का कोई फायदा नहीं है। बंगाल सरकार की ओर से शुरू की गई कन्याश्री योजना के तहत गरीब परिवारों की लड़कियों को आर्थिक मदद करने का प्रावधान है। जादवपुर यूनिवर्सिटी में जारी प्रदर्शनों को लेकर ममता ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश नहीं है। 'गोली मारो' जैसे नारे लगाने वालों को अरेस्ट किया जाएगा। वहीं, कोलकाता के पास अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के मामले पर उन्होंने कहा कि कुछ पुलिसकर्मियों के समर्थन से कुछ लोग गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थे।

बिहार के पूर्व सांसद की वर्चुअल पेशी को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

> सजा की अवधि पर सुनवाई एक को

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व लोकसभा सांसद प्रभुनाथ सिंह को एक सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के सामने पेश होने की अनुमति दे दी है। शीर्ष अदालत एक सितंबर को 1995 के दोहरे हत्याकांड मामले में प्रभुनाथ सिंह को दी जाने वाली सजा की अवधी पर सुनवाई करेगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 18 अगस्त को बिहार के सिवान जिले के महाराजगंज से कई बार के पूर्व सांसद सिंह को हत्या के मामले में बरी करने के निचली अदालत और पटना उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया था। सिंह ने जद (यू) और राजद सांसद दोनों के रूप में महाराजगंज का प्रतिनिधित्व किया है।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने पूर्व सांसद को दोषी ठहराते हुए उन्हें एक सितंबर को शारीरिक रूप से पेश होने का आदेश दिया था। उस दिन अदालत सजा को लेकर दलीलें सुनेंगी, जो आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक हो सकती है। इसके बाद सिंह ने एक आवेदन दायर कर सुनवाई के दौरान वर्चुअली उपस्थित होने की अनुमति मांगी थी। जस्टिस कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने शुक्रवार को आदेश दिया, इस पर ध्यान दिया जाए। आवेदक/प्रतिवादी नंबर दो (सिंह) को एक सितंबर, 2023 को सजा के सवाल पर सुनवाई के लिए फिजिकल उपस्थिति के बजाय, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली उपस्थित होने की अनुमति दी गई है, जैसा कि 18 अगस्त, 2023 के फैसले में निर्देशित किया गया था। तद्नुसार आवेदन की अनुमति है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था, वह एक ऐसे मामले से निपट रही है जो हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली का एक असाधारण दर्दनाक प्रकरण था और निचली अदालत और पटना उच्च न्यायालय के उन्हें बरी करने के आदेश को पलटते हुए सिंह को मामले में दोषी ठहराया। इसमें यह भी पाया गया कि इसमें रत्ती भर भी संदेह नहीं है कि सिंह ने अपने खिलाफ सबूतों को "मिटाने" के लिए हर संभव प्रयास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। फैसले में कहा गया है कि अभियोजन मशीनरी और ट्रायल कोर्ट के पीठासीन अधिकारी को भी उनकी "अहंकारिता" के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

अहमदाबाद की मेट्रो पॉलिटन कोर्ट ने तेजस्वी यादव को भेजा समन

अहमदाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अहमदाबाद की मेट्रो पॉलिटन कोर्ट ने सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को समन जारी किया है। मामला गुजरातियों को ठग कहने से जुड़ा है। समन में उन्हें 22 सितंबर को कोर्ट में पेश होने को कहा गया है।

अदालत में आज इस मामले पर सुनवाई हुई। उनके इस बयान पर अब तक कुल 15 गवाहों की गवाही दर्ज की जा चुकी है। शिकायतकर्ता ने तेजस्वी के वीडियो का असली सबूत एक निजी समाचार चैनल से लेकर भी कोर्ट में पेश किए हैं।

उनके खिलाफ यह मामला गुजरात के एक व्यापारी हरेश मेहता ने दर्ज कराया है। उन्होंने गुजरातियों को कथित तौर पर ठग गया था। इसके बाद मेहत ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई और केस दर्ज कराया था। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए पहले एक मई की तारीख तय की थी। हालांकि, अगली तारीख आठ मई और उसके बाद 19 मई तय की गई थी।

आर्टिकल 370 पर सुनवाई का 11वां दिन

सीजेआई ने केंद्र से कहा-पता लगाएं

कोर्ट में दलीलें देने वाले लेक्चरर को सस्पेंड क्यों किया गया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार (28 अगस्त) को आर्टिकल 370 पर 11वें सुनवाई जारी है। आज की सुनवाई शुरू होते ही सबसे पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जम्मू-कश्मीर के एजुकेशन विभाग से सस्पेंड किए गए लेक्चरर जहूर अहमद भट के बारे में बात की।

सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को निर्देश दिया कि वे जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा से बात करें और पता लगाएं कि आर्टिकल 370 हटाए जाने के खिलाफ कोर्ट में दलीलें देने के कुछ दिन बाद ही भट को पद से क्यों हटाया गया।

याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को इस बात की जानकारी दी थी कि जहूर भट 23 अगस्त को कुछ देर के लिए कोर्ट आए थे और 25 अगस्त को उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। इस पर जजों ने चिंता जाहिर की कि कहीं जहूर से बदला लेने की नीयत से तो ऐसा नहीं किया गया है।

बुधवार को कोर्ट में दलीलें दीं, शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर एजुकेशन विभाग ने सस्पेंड किया

पिछले हफ्ते बुधवार (23 अगस्त) को पॉलिटिकल साइंस के सीनियर लेक्चरर जहूर भट ने पांच जजों की संवैधानिक बेंच के सामने पेश होकर आर्टिकल 370 हटाए जाने के खिलाफ अपनी दलीलें दी थीं। उन्होंने पांच मिनट अपनी बात रखी थी। उन्होंने बताया कि अगस्त 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में स्टूडेंट्स को इंडियन पॉलिटिक्स पढ़ाना मुश्किल हो गया है। छात्र पूछते हैं कि क्या देश में अब भी लोकतंत्र है?

दो दिन बाद शुक्रवार (25 अगस्त) को जम्मू-कश्मीर एजुकेशन विभाग ने जम्मू-कश्मीर गवर्नमेंट एम्पलॉयीज कंडक्ट रूल्स, जम्मू-कश्मीर सिविल सर्विस रेगुलेशंस और जम्मू-कश्मीर लीव रूल्स का उल्लंघन करने के चलते भट को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करने का आदेश जारी किया। एजुकेशन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी की तरफ से जारी किए इस ऑर्डर में कहा गया कि सस्पेंशन की अवधि में आरोपी डायरेक्टोरेट ऑफ स्कूल एजुकेशन जम्मू के ऑफिस से अटैच रहेंगे।

कोर्ट रूम लाइव...

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता : सीजेआई की बात पर तुषार मेहता ने कहा कि जहूर को सस्पेंड किए जाने का जरूर कोई और कारण होगा। उनके साथ कुछ और मुद्दे भी हैं।

कपिल सिब्बल : अगर ऐसा है तो उन्हें इस कोर्ट में दलील देने से पहले सस्पेंड क्यों नहीं किया गया। ये ठीक नहीं है। हमारे लोकतंत्र को ऐसे तो काम नहीं करना चाहिए।

सीजेआई : अगर कोई और वजह है तो अलग बात है। लेकिन, उनकी इस कोर्ट में पेशी और उनके सस्पेंशन के बीच समय का ज्यादा फर्क नहीं है।

जस्टिस एसके कॉल : मेहता जी, दलीलों और ऑर्डर के बीच अंतराल कम है....

तुषार मेहता : टाइमिंग तो वाकई सही नहीं है, मैं अपनी बात वापस लेता हूं।

जस्टिस गवई : अगर ये पेशी के दौरान हुआ है, तो ये बदला लेने या सजा देने के लिए उठाया गया कदम हो सकता है। आजादी की भावना को क्या हुआ?

आईआईटीएम वैज्ञानिक गुरफान बेग के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया केस

एसएएफएआर प्रोजेक्ट में धांधली का आरोप

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सीबीआई ने आईआईटीएम (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटेयरोलॉजी) के वैज्ञानिक गुरफान बेग और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। एसएएफएआर प्रोजेक्ट के तहत अहमदाबाद में धांधली के आरोप में यह केस दर्ज किया गया है।

गुरफान बेग और अन्य पर आरोप है कि इन्होंने नियमों का उल्लंघन करते हुए चीन में बने एयर क्वालिटी और मौसम की जानकारी देने वाले एलईडी बोर्ड को कथित मंजूरी दी। गौरतलब है कि गुरफान बेग पर आरोप है कि पुणे में भी ऐसे ही एलईडी बोर्ड को गलत तरीके से मंजूरी दी गई। इस मामले में भी गुरफान बेग आरोपी है।

चंद्रमा की सतह पर रोवर के रास्ते में आया गड्ढा

इसरो ने बताया-नए पथ पर आगे बढ़ेगा 'प्रज्ञान'

बेंगलूरू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग के बाद रोवर 'प्रज्ञान' रोज नए-नए अपडेट पृथ्वी पर भेज रहा है। इस बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को बताया कि 27 अगस्त, 2023 को रोवर को अपने स्थान से तीन मीटर आगे चार मीटर व्यास का गड्ढा मिला। इसके बाद रोवर को वापस लौटने का निर्देश दिया गया। यह अब सुरक्षित रूप से एक नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

इससे पहले चंद्रयान-3 के 'विक्रम' लैंडर में लगे चास्टे उपकरण ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ी पहली जानकारी भेजी थी। इसके अनुसार चंद्रमा पर अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है। चंद्र सतह जहां करीब 50 डिग्री सेल्सियस जितनी गर्म है, वहीं सतह से महज 80 मिमी नीचे जाने पर तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। चंद्रमा की सतह एक ऊष्मारोधी दीवार जैसी है, जो सूर्य के भीषण ताप के असर को सतह के भीतर पहुंचने से रोकने की क्षमता रखती है।

कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि यह एक संकेत भी है कि चंद्र सतह के नीचे पानी के भंडार हो सकते हैं। इसरो ने रविवार को इस नई जानकारी के बारे में लिखा था कि 'विक्रम' लैंडर ने चंद्र सरफेस थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट यानी चास्टे उपकरण ने दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रमा की ऊपरी परत के तापमान की प्रोफाइल बनाई है। इसके जरिए चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने में मदद मिल सकती है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक ने जताया आश्चर्य :

ग्राफिक चित्रण के बारे में इसरो वैज्ञानिक बीएचएम दारूकेशा ने बताया कि हम सभी मानते थे कि सतह पर तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास हो सकता है, लेकिन यह 70 डिग्री सेंटीग्रेड है। यह आश्चर्यजनक रूप से हमारी अपेक्षा से अधिक है। वैज्ञानिक दारूकेशा ने कहा कि जब हम पृथ्वी के अंदर दो से तीन सेंटीमीटर जाते हैं, तो हमें मुश्किल से दो से तीन डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता दिखाई देती है, जबकि वहां (चंद्रमा) यह लगभग 50 डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता है। यह दिलचस्प बात है। वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि चंद्रमा की सतह से नीचे तापमान शून्य से माइनस 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है। उन्होंने कहा कि भिन्नता 70 डिग्री सेल्सियस से माइनस 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक है।

इसरो ने कहा कि पेलोड में तापमान को मापने का एक यंत्र लगा है, जो सतह के नीचे 10 सेंटीमीटर की गहराई तक पहुंचने में सक्षम है। ग्राफ विभिन्न गहराई पर चंद्र सतह या सतह के तापमान में भिन्नता को दर्शाता है, जैसा कि जांच के दौरान दर्ज किया गया था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में यह पहली ऐसी जानकारी सामने आई है।

विशेष अदालत ने सेंथिल बालाजी को सौंपी ईडी के आरोप-पत्र की प्रति

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सांसदों और विधायकों से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही एक विशेष अदालत ने धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार द्रमुक मंत्री वी सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप-पत्र की एक प्रति सोमवार को दी।

जेल अधिकारियों ने विशेष न्यायाधीश के. रवि के समक्ष बालाजी को पेश किया। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पहले दायर दस्तावेजों सहित लगभग 3,000 पन्नों के आरोप पत्र की एक प्रति दी। न्यायाधीश ने बालाजी की न्यायिक हिरासत भी 15 सितंबर, 2023 तक के लिए बढ़ा दी। केंद्रीय एजेंसी ने 12 अगस्त को करीब 3,000 पन्नों की अभियोजन शिकायत दायर की थी जिसमें 2,000 से अधिक पन्नों के संलग्नक और 168-170 पन्नों के परिचालन दस्तावेज शामिल थे।

कृष्ण जन्मभूमि के पास अवैध निर्माण हटाने से जुड़ी याचिका का निपटारा, कोर्ट ने दी 'सुप्रीम' सलाह

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में कृष्ण जन्मभूमि के पास कथित रूप से बने अवैध निर्माण को हटाने के लिए इसे ध्वस्त करने के अभियान से संबंधित एक याचिका का निपटारा कर दिया और याचिकाकर्ता को सिविल कोर्ट के समक्ष राहत मांगने की स्वतंत्रता दी। यह देखते हुए कि भूमि के कब्जेदारों या निवासियों द्वारा दायर मुकदमे क्षेत्राधिकार वाली सिविल अदालत में लंबित हैं, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से वहां राहत के लिए आवेदन करने को कहा।

न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, इस याचिका में राहत के लिए जो दावा किया गया है, हमारी राय है कि एक मुकदमे के तहत इसकी बेहतर जांच की जा सकती है। चूंकि कार्यवाही सिविल अदालत में लंबित है इसलिए हम इस रिट याचिका का निपटान करते हैं और याचिकाकर्ता को सिविल अदालत के समक्ष राहत के लिए आवेदन करने की स्वतंत्रता दी जाती है। पीठ ने यथास्थिति बढ़ाने से भी इनकार कर दिया, जो उसने 16 अगस्त को दी थी। पिछली बार शीर्ष अदालत ने कथित अवैध निर्माणों की भूमि को खाली करने के लिए रेलवे द्वारा किए जा रहे विध्वंस अभियान को 10 दिनों के लिए रोक दिया था। पीठ में न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी भी शामिल थे। पीठ मथुरा निवासी याकूब शाह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि जब सिविल कोर्ट में मुकदमे लंबित हैं तो संविधान के अनुच्छेद-32 के तहत दायर याचिका में क्या राहत दी जा सकती है। संविधान का अनुच्छेद-32 भारतीय नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए सीधे शीर्ष अदालत से संपर्क करने का अधिकार देता है।

याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि अधिकारियों ने विध्वंस की कार्रवाई उस दिन की जब उत्तर प्रदेश में अदालतें बंद थीं और 100 घर पहले ही ध्वस्त किए जा चुके हैं। पीठ ने कहा, सिविल अदालत के समक्ष आपके पास पूरा समाधान है। साथ ही यह भी कहा कि वह समानांतर कार्यवाही नहीं चला सकती। जब याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से यथास्थिति बढ़ाने का अनुरोध किया, तो पीठ ने कहा, हमने आपको 10 दिनों की सुरक्षा दी थी।

अजित पवार ने भाजपा के साथ जाने की वजह बताई

राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन या दोस्त नहीं होता; उद्धव बोले-एनडीए वाले धोखेबाज

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन या दोस्त नहीं होता। उन्होंने एनसीपी तोड़कर एनडीए में शामिल होने की वजह भी बताई। बीड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- महाराष्ट्र के विकास और यहां के लोगों की समस्या सुलझाने के लिए हमने भाजपा-शिंदे गुट ज्वॉइन किया। वहीं, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अजित पवार पर निशाना साधते हुए कहा- ये धोखेबाज लोग हैं। हिंगोली में रविवार को रैली के दौरान उद्धव बोले- भाजपा आया राम, गया राम पार्टी है, जहां नेता पाला बदलते रहते हैं। एनडीए में शामिल अधिकतर पार्टियां धोखेबाज हैं। दूसरी पार्टियां तोड़कर लोग इसमें शामिल हुए हैं।

उद्धव ने अमीबा और मालगाड़ी से एनडीए सरकार की तुलना की। उद्धव ने कहा- वर्तमान एनडीए

सरकार अमीबा की तरह है, जिसका कोई निश्चित आकार और आकृति नहीं है। पहले भाजपा कहती थी कि महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार है। अब अजित की तीसरी इंजन भी जुड़ गई है। पता नहीं और कितने इंजन जुड़ेंगे। यह मालगाड़ी है क्या?

प्याज के मुद्दे पर क्या बोले अजित पवार

अजीत पवार ने प्याज के मुद्दे पर किसानों के प्रदर्शन को लेकर कहा- मैंने राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे को दिल्ली जाकर राज्य में प्याज के हालिया मुद्दे पर केंद्रीय नेताओं से मिलने के लिए कहा है। गृह मंत्री ने भी कहा है कि केंद्र सरकार राज्य के किसानों से 24 रुपए प्रति किलो के हिसाब से 2 लाख मीट्रिक टन प्याज खरीद रही है। इससे पहले महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने प्याज पर 40% निर्यात शुल्क बढ़ाने के केंद्र सरकार के हालिया फैसले को किसान विरोधी फैसला बताया था। इस पर अजित पवार ने कहा कि विपक्ष के लोग किसानों को भ्रमित कर रहे हैं।

अजित ने 2 जुलाई को बगावत की थी

पिछले साल जून में शिंदे और पार्टी के 39 अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। शिवसेना के दो हिस्से हो गए थे। इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी गठबंधन सरकार गिर गई। शिंदे ने इसके बाद भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। एकनाथ शिंदे को सीएम भी बनाया गया। इसी तरह इस साल 2 जुलाई को अजित पवार ने शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी। उन्होंने एनसीपी के आठ विधायकों के साथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से हाथ मिला लिया। इसी दिन महाराष्ट्र सरकार में अजित ने डिप्टी सीएम पद की शपथ भी ले ली। अन्य विधायकों को भी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया था।

कोच्चि से बेंगलूरू जा रही फ्लाइट में बम की सूचना

आनन-फानन में यात्रियों को उतारकर कराया खाली

कोच्चि, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोच्चि से बंगलूरू जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में बम रखे होने की सूचना मिली है। जानकारी होते ही, विमान को आनन-फानन में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। इसके बाद, अधिकारियों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा और जांच के लिए अन्य जगह पर विमान को ले गए। बता दें, फ्लाइट- 6E6482 सुबह साढ़े दस बजे बंगलूरू के लिए प्रस्थान करने वाली थी।

निरीक्षण के लिए ले गए दूसरी जगह

हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित उतारने के बाद विमान को जांच के निरीक्षण के लिए एक अलग जगह ले जाया गया। वहीं, नेदुम्बसेरी पुलिस ने भी बम की धमकी मिलने की पुष्टि की। कहा कि मामले की जांच के लिए एक टीम भेजी गई है। पुलिस ने कहा कि टीम की शुरुआती जांच के बाद ही आगे की जानकारी मिल सकेगी।

- 11 साल में सिर्फ 16 महीने जेल में रहा अमरमणि
- बाकी वक्त पत्नी के साथ बीआरडी में भर्ती रहा

एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूछा आखिर कौन सी बीमारी है

गोरखपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा से रिहाई के बावजूद पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। अब सवाल उठने लगे हैं कि आखिर ऐसी कौन-सी बीमारी है, जिसकी वजह से सजा का ज्यादातर समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बीता। इस पर बस्ती एमपी-एमएलए कोर्ट ने भी गोरखपुर सीएमओ से रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, हरिद्वार जेल में सजा काट रहे अमरमणि को मार्च 2012 और पत्नी मधुमणि को दिसंबर 2008 में गोरखपुर लाया गया था। गोरखपुर में 11 साल 5 महीने की सजा के दौरान अमरमणि ने केवल 16 महीने ही जेल में काटे। उनका बाकी समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राइवेट वार्ड में बीता है।

दरअसल, शुक्रवार को करीब 18 साल की सजा काटने के बाद अमरमणि और उनकी पत्नी मधुमणि की समय से पहले रिहाई तो हो गई, लेकिन बस्ती में किडनैपिंग के 22 साल पुराने केस में 14 अगस्त को अमरमणि कोर्ट में पेश नहीं हुए। इस पर बस्ती एमपी-एमएलए कोर्ट ने गोरखपुर सीएमओ से अमरमणि के स्वास्थ्य की रिपोर्ट मांगी है।

कोर्ट ने पूछा-आखिर उन्हें ऐसी कौन सी बीमारी है कि वे कोर्ट नहीं आ सकते। कोर्ट ने 24 अगस्त की सुनवाई में रिपोर्ट सौंपने को कहा था, लेकिन अभी तक तो मेडिकल बोर्ड का गठन ही नहीं हुआ। आज मामले की सुनवाई होनी है। इस मामले में गैर हाजिर चल रहे 2 अन्य आरोपियों को पेश करने के लिए डीजीपी और मुख्य सचिव को पत्र लिखा गया है।

कोर्ट में पेश करेंगे रिपोर्ट

मामले पर सीएमओ गोरखपुर आशुतोष कुमार दुबे ने कहा- कोर्ट का आदेश मिला है। इसके अनुपालन में जल्द मेडिकल बोर्ड गठित कर अमरमणि त्रिपाठी के स्वास्थ्य की जांच कराकर रिपोर्ट एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश की जाएगी। 2001 में बस्ती कोतवाली इलाके के गांधीनगर निवासी धर्मराज गुप्ता के बेटे का अपहरण हो गया था। पुलिस ने तत्कालीन विधायक अमरमणि त्रिपाठी के लखनऊ स्थित आवास से बच्चे को बरामद किया था।

जम्मू-कश्मीर एलजी ने शहीद के पिता को सौंपा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को राजभवन में शहीद नागरिक मोहम्मद उमर डार के पिता गुलाम मोहम्मद डार को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, प्रशस्ति पत्र और एक चेक सौंपा। मोहम्मद उमर डार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। 26 मार्च, 2022 को, मोहम्मद उमर डार और उनके भाई इश्फाक अहमद डार, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस में एसपीओ के रूप में कार्यरत थे, को छत्ताबुध बडगाम में उनके घर के अंदर आतंकवादियों ने मार डाला। अधिकारी ने बयान में कहा, उपराज्यपाल ने मोहम्मद उमर डार को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के सदस्यों की जान बचाने में उनके द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय साहस को सलाम किया। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, जीओसी 15 कोर और मोहम्मद उमर डार के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

'यह बदले की राजनीति नहीं, हम बस न्याय चाहते हैं'

कोरोना में हुईं मौतों की जांच पर बोले शिवकुमार

बेंगलुरू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना काल में भाजपा सरकार के दौरान अस्पतालों में हुईं कथित अनियमिताओं की कर्नाटक सरकार जांच करेगी। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि 'उनकी सरकार, बदले की राजनीति नहीं कर रही है, वह बस चाहते हैं कि लोगों को न्याय मिले।'

क्या बोले डीके शिवकुमार

डीके शिवकुमार ने कहा कि 'कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी से 36 लोगों की मौत हुई थी लेकिन तत्कालीन मंत्री ने कहा था कि सिर्फ तीन लोगों की मौत हुई थी। क्या हमें इसकी जांच नहीं करनी चाहिए? स्टाफ के एक कर्मचारी को निलंबित नहीं किया गया और किसी की भी जवाबदेयी तय नहीं की गई।' बता दें कि कर्नाटक सरकार ने कोरोना

महामारी के दौरान कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता कर्नाटक हाईकोर्ट के पूर्व जज जॉन माइकल डी कुन्हा करेंगे। सरकार ने जांच समिति को तीन महीने में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। जांच समिति को दवाओं और अन्य सामान की खरीद, टेस्ट किट की खरीद, वेंटिलेटर्स के आवंटन आदि की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। कोरोना के दौरान ऑक्सीजन की कमी से हुईं मौतों की भी समिति द्वारा जांच की जाएगी।

कर्नाटक विधानसभा की पीएसी की कोरोना काल की एक रिपोर्ट बीती जुलाई में विधानसभा में पेश की गई। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग कोरोना काल के दौरान दवाईयों की खरीद, बेड आवंटन और अन्य जरूरी चीजों के बिल पेश करने में नाकाम रहा। कोरोना के दौरान मौतों के आंकड़ों में भी अनियमितता पाई गई है। जिनकी अब जांच की जाएगी। वहीं राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 'हमें सत्ता में आए तीन महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक भाजपा नेता विपक्ष का चुनाव नहीं कर पाई है।

कंप्यूटर के लिए तीन किशोरों ने किया दोस्त का अपहरण, रसगुल्ले की अंतिम इच्छा पूरी कर मार डाला

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। दरअसल तीन किशोरों ने पहले फिरौती के लिए अपने दोस्त का अपहरण किया और फिर पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने तीनों आरोपी किशोरों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने एक तालाब से शव बरामद कर लिया है और मामले की आगे जांच कर रही है।

क्या है मामला : घटना नादिया जिले के कृष्णानगर के घुरनी इलाके की है। जहां रहने वाला 14 वर्षीय एक लड़का शुक्रवार से लापता था। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाला यह लड़का दुकान से कुछ सामान लेने के लिए घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। रविवार को किशोर की मां के पास तीन लाख रुपए की फिरौती का फोन आया। जिसके बाद महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। दरअसल महिला के पति की कई साल पहले मौत हो गई थी और वह आया का काम करती है। वह तीन लाख रुपए देने में समर्थ नहीं थी। जिसके चलते महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने किशोर की तलाश शुरू कर दी।

808 चिकित्सा अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यग्रहण कर लिया है : स्वास्थ्य मंत्री

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया जनवरी-2022 में शुरू की गई थी। अगस्त 2022 में सभी औपचारिकताओं और प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद चिकित्सा अधिकारियों को नियक्ति पत्र जारी कर दिए गए थे।

विज ने यह जानकारी सोमवार को यहाँ हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में दी। उन्होंने कहाकि 941 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे। जिनमें से 808 चिकित्सा अधिकारियों द्वारा कार्यग्रहण कर लिया गया था। विज ने कहा कि हरियाणा में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में डॉक्टरों को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, 10 दिन पहले ही 25 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दे दिए गए जो भी जल्द विभाग को मिलेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य के स्वास्थ्य विभाग में 3073 मेडिकल ऑफिसर कार्यरत हैं जबकि 3903 स्वीकृत पद हैं। इसके अतिरिक्त 167 डॉक्टर नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले एमबीबीएस डॉक्टर लिए जाते थे, लेकिन अब हमारी सरकार ने स्पेशल कैडर बनाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत इनके अलग सर्विस रूल बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सा सेवा को उपलब्ध करवाने के लिए डिमांड आधारित नहीं बल्कि जरूरत अनुसार मैपिंग का कार्य किया जा रहा है और हरियाणा देशभर में पहला राज्य है जहां स्वास्थ्य से संबंधित मैपिंग की जा रही है। हरियाणा में की जा रही इस स्वास्थ्य मैपिंग का अवलोकन केंद्र ने भी किया है।

विज ने कहा कि मैपिंग से संबंधित एजेंसी की रिपोर्ट जल्द ही आने वाली है। एक अन्य प्रश्न में उन्होंने कहा कि खानपुर कलां के बीपीएस महिला मेडिकल कॉलेज में न्यूरो सर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं और उम्मीद है कि उक्त पद जल्द से जल्द भरे जाएंगे।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल होने से पहले अमिताभ बच्चन से मिलेंगी ममता

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी 31 अगस्त और 1 सितंबर को इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की दो दिवसीय बैठक से एक दिन पहले मुंबई पहुंचेंगी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री के 30 अगस्त यानी रक्षाबंधन वाले दिन की शाम को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। अब तक तय कार्यक्रम के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता मुंबई आने के बाद सीधे बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बंगले पर जाएंगी और उन्हें राखी बांधेंगी.राज्य मंत्रिमंडल के एक सदस्य ने कहा, "इससे पहले भी कई मौकों पर सुपरस्टार और उनकी पत्नी जया बच्चन कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के मौके पर कोलकाता आ चुके हैं। पिछली बार जब वे कोलकाता आए थे, तो जया बच्चन ने विशेष रूप से सीएम ममता को मुंबई जाने पर अपने बंगले में आने के लिए आमंत्रित किया था। "उनका 31 अगस्त की शाम को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल होने का कार्यक्रम है।

मुंबई में विपक्षी गठबंधन की बैठक, पटना और बेंगलुरु के बाद ऐसे समय में हो रही है जब कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों की पश्चिम बंगाल इकाइयों में तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता करने के पीछे के तर्क को लेकर उथल-पुथल मची हुई है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस राज्य में उनका प्रमुख विपक्ष है। जबकि सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं के हाथों राज्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दुर्दशा के बीच कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग ममता बनर्जी के साथ उनके मेलजोल को लेकर अपने केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बेहद मुखर है। इसी तरह का आंतरिक तनाव सीपीआई (एम) के भीतर पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी को लेकर पैदा हो रहा है, जिन्हें ममता बनर्जी के साथ एक ही मंच और यहां तक कि एक ही फ्रेम में देखा गया।

बाढ़ के कारण असम में हालात गंभीर

ब्रह्मपुत्र नदी ने किया खतरे के निशान को पार

गुवाहटी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के जल स्तर में वृद्धि हो रही है। दिबरुगढ़ में ब्रह्मपुत्र नदी का जसस्तर अपने खतरे के निशान को पार कर चुकी है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के घरों में पानी भरने के कारण उन्हें अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ रहा है।

बाढ़ के कारण अबतक छह जिलों के 53,000 से अधिक लोग फंसे हुए हैं। लगभग 3,000 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न हो गया है। स्थानीय लोग बाढ़ग्रस्त इलाके से निकलकर सड़कों पर रहने के लिए मजबूर हैं।

चावल से भरा कुकर किया खाली और सिर पर दे मारा प्रेमी ने सिर्फ इस वजह से ले ली प्रेमिका की जान

बेंगलुरु, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश में लिव-इन पार्टनरों की हत्या का सिलसिला रुक नहीं रहा है। एक बार फिर एक लिव इन में रह रही महिला को उसके प्रेमी ने मौत के घाट उतार दिया। घटना बंगलूरू के न्यू माइको लेआउट की है।

यहां, शनिवार को एक शख्स ने शक के चलते अपनी प्रेमिका की कुकर मारकर हत्या कर दी। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 24 वर्षीय पीड़िता देवा एस केरल के तिरुवनंतपुरम की रहने वाली है, जबकि आरोपी वैष्णव कोल्लम से है। पुलिस ने बताया कि वैष्णव को शक था कि देवा उसे धोखा दे रही है। उसका कही और अफेयर चल रहा। इसी शक के चलते शनिवार को भी दोनों के बीच काफी बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई की वैष्णव ने देवा को मारने का फैसला ले लिया।

तीन वार किया कुकर

उसने महिला को मारने के लिए पहले चावल से भरा कुकर खाली किया। बाद में उसी से शाम करीब चार बजे से साढ़े चार बजे के बीच देवा के सिर पर वार कर दिए। आरोपी ने एक बार नहीं, बल्कि तीन वार उसके सिर पर कुकर से वार किया, जिससे देवा को कई चोंटें आईं और उसकी मौके पर मौत हो गई।

बहन को हुआ शक

बताया जा रहा कि देवा के मरने का उस समय पता चला, जब उसकी बहन कृष्णा ने उसके मोबाइल पर फोन किया और पड़ोसियों से भी उसे देखने का अनुरोध किया। पड़ोसी के एक दंपति सुबह देवा को देखने गए थे। उन्होंने बताया कि देवा और वैष्णव लगातार लड़ रहे थे। कृष्णा ने कहा कि वैष्णव ने कहा था कि देवा हमेशा फोन चलाती रहती है। वह किसी को मैसेज करती है। इस पर उन्होंने दोनों को समझाने की कोशिश भी की थी।

वर्क प्रेशर में सुसाइड कर रहे दिल्ली पुलिस के जवान

साढ़े पांच साल में 35 ने आत्महत्या की, 402 ने वीआरएस लिया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में पुलिसकर्मियों पर काम के दबाव का असर उनकी लाइफस्टाइल पर पड़ने लगा है। जिसकी वजह से उन्हें हेल्थ से जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। ड्यूटी पर तनाव, ओवरटाइम और छुट्टी न मिलना उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया है।

शायद इसी वजह से बहुत से पुलिसकर्मी समय से पहले रिटायरमेंट ले रहे हैं। वहीं कुछ कर्मी जिंदगी से दुखी होकर खुदकुशी जैसे कदम भी उठा रहे हैं। एक आरटीआई में पता चला है कि पिछले साढ़े 5 साल में दिल्ली पुलिस से 402 कर्मी वीआरएस ले चुके हैं। समय से पहले रिटायरमेंट लेने वाले कर्मियों में कांस्टेबल, सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, एसीपी और डीसीपी रैंक के अफसर हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों ने वीआरएस लिए जाने के पीछे की वजह हेल्थ और घर में समस्या बताई है। इसके अलावा कई पुलिसकर्मियों ने वीआरएस के लिए अप्लाय कर रखा है, जिनकी फाइल अप्रूवल के लिए पेंडिंग है। हर जिले में अलग स्ट्रेस मैनेजमेंट विंग पुलिसकर्मियों का तनाव कम करने के लिए विभाग भी कई प्रयास कर रहा है। हर जिले में स्ट्रेस मैनेजमेंट के सेशन कराए जाते हैं। योगा और मेडिटेशन के सेशन भी होते है। इन सब के लिए हर जिले में एक ट्रेनिंग विंग है। सालभर ऐसे प्रोग्राम चलते रहते हैं, जिसमे पुलिसकर्मी अपना तनाव कम करने का प्रयास करते हैं।

इस साल खुदकुशी की घटनाएं

इस साल 8 अप्रैल की सुबह मजनू का टीला इलाके में पीसीआर वैन के इंचार्ज इमरान मोहम्मद (38 साल) ने खुद को गोली मार खुदकुशी कर ली।

26 जनवरी की तड़के पहाड़गंज थाने के बैरक में हेड कॉन्स्टेबल देवेंद्र ने गोली मार जान दे दी। उसके पास मिले सुसाइड नोट में निजी कारण के चलते ऐसा कदम उठाने की बात लिखी थी।

16 मई को दिल्ली पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल अमित कुमार ने आत्महत्या कर ली। नौकरी से निलंबित चल रहे अमित थर्ड बटालियन में तैनात थे।

साढ़े पांच साल में 35 जवान आत्महत्या कर चुके

1 जनवरी 2018 से 31 मई 2023 तक दिल्ली पुलिस के करीब 35 जवान खुदकुशी कर चुके हैं। किसी जवान ने ड्यूटी के वक्त खुद को गोली मार ली, तो किसी ने अपने घर में फंदा लगा कर यह कदम उठाया। वहीं, हर महीने औसतन 6 पुलिसकर्मी वीआरएस ले रहे हैं। हर साल 6 जवान आत्महत्या कर रहे हैं। पुलिस में वीआरएस लेकर लगाई गई आरटीआई का जवाब सभी यूनिटों ने नहीं दिया। किसी यूनिट ने मैन पावर का हवाला देते हुए विभाग में आकर रिकॉर्ड चेक करने की बात कही, तो किसी यूनिट ने पेपर पर होने वाले खर्च का भुगतान पहले करने की बात कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया। पुलिस की ओर से जो जवाब मिले उनमें कम्युनिकेशन यूनिट ही ऐसी है, जिसमें सबसे ज्यादा 46 कर्मियों ने वीआरएस लिया है। इसके बाद आउटर डिस्ट्रिक्ट में 36, साउथ डिस्ट्रिक और नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में 35 पुलिसकर्मियों ने वीआरएस लिया है।

मैनपावर की कमी से काम का बोझ ज्यादा

दीवाली, होली, 15 अगस्त हो या फिर 26 जनवरी हो। G20 जैसे वीआईपी इवेंट में भी दिल्ली पुलिस के जवान अपने परिवार से दूर रहकर ड्यूटी करते हैं।

ठंड हो या तेज गर्मी वे सड़कों पर ड्यूटी करते दिखते हैं। पुलिस में मैन पावर की कमी है, इसलिए उन्हें रोजाना औसतन रोजाना दस से बारह घंटे की ड्यूटी करनी पड़ती है। इसका सीधा असर उनकी हेल्थ और निजी जिंदगी पर पड़ता है। बेशक पुलिस कॉरपोरेट कल्चर में वर्किंग की बात करे, लेकिन ग्राउंड पर रियलिटी इससे कोसों दूर है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 29 अगस्त, 2023 3

यु वि चा र

यदि हम अपनी प्रशंसा व ख्याति सुनकर फूले नहीं समाते, तो निन्दा व अपमान में हम सन्तुलित नहीं रह सकेंगे

सभी योग्य लोगों को ऋण वितरित करने में आरपी की भूमिका महत्वपूर्ण : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को पात्र महिलाओं को विभिन्न प्रकार के ऋणों के वितरण के लिए ड्रेस कोड लागू करने का आदेश दिया है। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने खैरताबाद विधायक दाना नागेंद्र, शहरी सामुदायिक विकास विभाग के अतिरिक्त आयुक्त के साथ सोमवार को बंजारा हिल्स सीएमटीआईएस की समीक्षा की। इस मौके पर मेयर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के संदर्भ में हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने के उपाय किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी महिला सशक्तिकरण को समर्थन देने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। वे महिलाओं के अलावा वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों (विकलांगों) को लक्ष्य से अधिक सहायता प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं। इसी प्रकार, जीएचएमसी को शहर में स्ट्रीट वेंडरों को दी गई पीएम स्वनिधि के कार्यान्वयन के लिए अच्छी मान्यता मिली है, और इसी तरह, उन्होंने अनुरोध किया कि यूसीडी विभाग द्वारा कार्यान्वित कई योजनाओं को भी अच्छी मान्यता दी जानी चाहिए। दानम नागेंदर ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय शक्ति और बैंक ऋण के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी प्रदान करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में हरियाली के प्रबंधन में महिलाओं को प्राथमिकता देने के कारण जीएचएमसी को अच्छी प्रतिष्ठा मिली है। अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में शहर में 1%13 स्वयं सहायता समितियां बनाने का लक्ष्य है और अब तक 48,564 सदस्यों वाले 515 समूह गठित किए जा चुके हैं। बाद में इस बैठक में सनिता कार्यकर्ता सुनीता की मौत पर दो मिनट का मौन रखा गया, जो सोमवार सुबह रनकोटी में ड्यूटी के दौरान एक कॉलेज बस की चपेट में आ गई थी। बैठक में डीसी प्रशांति पीडी सौजन्या, पीडी और अन्य ने भाग लिया।

अनाधिकृत क्षेत्रों में निर्माण अपशिष्ट डंप करने पर होगी कानूनी कार्रवाई : रोनाल्ड रोज़

जीएचएमसी ऑयुक्त कई कॉलोनियों का दौरा किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि निर्माण और विध्वंस कचरे को अनधिकृत स्थानों पर डंप किया जाता है तो कानूनी कार्रवाई करने में संकोच न करें। आयुक्त ने सोमवार को मेहदीपट्टनम सर्कल की कई कॉलोनियों का दौरा किया और स्वच्छता और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने अधिकारियों को सड़कों, फुटपाथों, नहरों, तालाबों और अनधिकृत स्थानों पर निर्माण और विध्वंस कचरे को डंप करने के मामले में जीएचएमसी अधिनियम के अनुसार जुर्माना के साथ कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के सभी किनारों पर फतुल्लागुडा, मल्काजगिरी, शमशाबाद और तुमुकुंटा में सी एंड डी रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित किए गए हैं। कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक प्लांट को कुछ सर्किल आवंटित किए गए हैं और जिनको जरूरत होगी वे प्लांट से संपर्क कर सकते है। निर्माण अपशिष्ट संग्रहण के लिए चारमीनार जोन में मेहदीपट्टनम, कारवान, गोशामहल, जुबली हिल्स, खैरताबाद सर्कल, चारमीनार जोन में चंद्रायणगुट्टा, फलकनुमा, चारमीनार, राजेंद्रनगर सर्कल, कुक्कटपल्ली, अलवाल, मलकाजीगिरी, मुशीराबाद, सिकंदराबाद, बेगमपेट सर्कल में संयंत्र की व्यवस्था है। शमशाबाद संयंत्र व्हाट्सएप नंबर 73300 00203 पर संपर्क करें या टोल फ्री नंबर 1800-203-0033 पर कॉल करें और वे घर आएंगे और कचरा एकत्र करेंगे। इसी तरह मुसापेट, कुक्टपल्ली, गजुलारामराम, कुतबुल्लापुर, शेरलिंगमपल्ली जोन के लिए यूसुफ गुडा, चंदनगर शेरलिंगमपल्ली, कुकट पल्ली जोन में आरसी पुरम सर्कल, सिकंदराबाद जोन में अंबरपेट, एलबी नगर जोन में उप्पल, हयात नगर, एलबी नगर, सरूरनगर, चारमीनार जोन, मलकपटे, संतोष नगर सर्कल में फतुल्लागुडा और जीडीमेटला संयंत्रों के लिए व्हाट्सएप नंबर 9100927073 या टोल फ्री नंबर 1800-120-1159 पर कॉल करते हैं, तो वे आएंगे और आपके घर से कचरा ले जाएंगे। आयुक्त ने कहा कि उन्हें प्रति टन के हिसाब से जीएचएमसी द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। इस अवसर पर कमिश्नर ने मेहदीपट्टनम सर्कल श्रीनगर, पिलर नंबर 55, विजयनगर कॉलोनी, सेंट एन स्कूल, येन एमडीसी रोड, चाचा नेहरू पार्क, हमीदा नगर, मुस्लिम कब्रिस्तान का निरीक्षण किया। इस मौके पर भवन स्वामी ने निर्माण अपशिष्ट, सीसी रोड कार्य से संबंधित कूड़ा-कचरा गिरवी रखने की दुकान पर जाकर ऐसे कूड़े को न फेंककर साफ-सफाई रखने को कहा। वहीं, निरीक्षण के दौरान कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोत्रे, डिप्टी कमिश्नर सूर्य प्रकाश, ए.एम.एच.ओ और अन्य लोग रहे।

चुनावों को लेकर सीपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी महीनों में होने वाले टीएसएलए चुनाव से पहले, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने तैयारी उपायों पर चर्चा करने के लिए एसीपी रैंक और उससे ऊपर के अधिकारियों को शामिल करते हुए एक विस्तृत बैठक की। सिटी पुलिस मुख्यालय, टीएसपीआईसीसीसी की 17 वीं मंजिल पर आयोजित बैठक में सभी वरिष्ठ अधिकारी महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा में शामिल हुए। एजेंडे में भेद्यता मानचित्रण, महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों की पहचान, संयुक्त निरीक्षण, हड़ताली इकाइयों और उड़न दस्तों सहित विशेष बलों के लिए तैनाती रणनीति, और एसीपी और स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) द्वारा मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत दौरे जैसे पहलू शामिल रहे। बैठक का अभिन्न अंग चुनाव से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा थी। बाध्यकारी उपायों के माध्यम से संभावित विघटनकारियों और असामाजिक तत्वों को पहले से ही संबोधित करने की अनिवार्यता को रेखांकित किया गया था। इसके अतिरिक्त, पिछले चुनावों में चुनाव संबंधी अपराधों में शामिल व्यक्तियों के रणनीतिक संकलन पर भी चर्चा की गई। सभी पुलिस नोडल अधिकारियों को अपने आवंटित क्षेत्रों से परिचित होना चाहिए और अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखना चाहिए, वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह किया। डीसीपी को सीएपीएफ और बाहरी बलों के लिए उपयुक्त आवास की पहचान करने का काम सौंपा गया था। जब्ती आदि के संबंध में प्रवर्तन कार्य पर अधिक जोर, रसद मुद्दों, बल तैनाती और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। विक्रम सिंह मान आईपीएस एडिशनल सीपी एलएंडओ, पी.विश्व प्रसाद आईपीएस एडिशनल सीपी विशेष शाखा, गजाराव भूपाल आईपीएस संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं एसआईटी, जे.परिमाला हाना नूतन संयुक्त आयुक्त प्रशासन, एम. श्रीनिवास जेटी सीपी कार मुख्यालय और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमोद कुमार ने मैराथन विजेता बने

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएनडीसी एवं हैदराबाद रनर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मैराथन प्रतियोगिता में रचाकोंडा पुलिस कमिश्नरेट (आरआई) में रिजर्व इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने 42.195 किलोमीटर की दूरी महज 4 घंटे 44 मिनट में पूरी की। यह दूसरी बार है जब प्रमोद इस मैराथन प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। मैराथन प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर विजेता बने प्रमोद को कई आला अधिकारियों ने बधाई दी। भविष्य में और अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने और साथी कर्मचारियों के लिए प्रेरणा बनने का सुझाव दिया गया है।

सहकारी बैंक घोटाले में शामिल दंपत्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले 14 वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे सहकारी बैंक घोटाले में शामिल एक जोड़े को हैदराबाद सीआईडी अधिकारियों ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम भागवत के अनुसार, 1 अक्टूबर 2009 को शिकायतकर्ता अन्नपूर्णा, कन्याका परमेश्वरी सहकारी बैंक, कुकटपल्ली, हैदराबाद की परिसमापक ने ईओडब्ल्यू, सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई थी कि निदेशक मंडल और कर्मचारियों ने छोटे पैमाने के जमाकर्ताओं से 2.86 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की और बेनामी ऋण स्वीकृत करके, खातों में हेराफेरी करके हेराफेरी की और अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए धन का दुरुपयोग किया। अपराध संख्या 20/2009 में धारा 409, 420, 406, 477-ए और धारा 201 आईपीसी और धारा 5 एपीपीडीएफई अधिनियम, 1999 के तहत मामला दर्ज किया गया।

मंत्री ने नर्सरी मेले के ब्रोशर का अनावरण किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरणीय जागरूकता और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, वित्त और स्वास्थ्य मंत्री, हरीश राव ने इस महीने की 31 अगस्त को शुरू होने वाले 14 वें ग्रैंड नर्सरी मेले के लिए ब्रोशर का अनावरण किया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय बागवानी और कृषि शो का हिस्सा होगा, जो नेकलेस रोड पीपल्स प्लाजा में होने वाला छह दिवसीय असाधारण कार्यक्रम है। मंत्री हरीश राव ने आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित करने के लिए वृक्षारोपण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने घोषणा की कि छह दिनों तक चलने वाले इस शो में बागवानी उत्पादों, फलों, सब्जी उद्यानों, उर्वरकों, जैविक उत्पादों, कृषि ऊर्जा-बचत प्रौद्योगिकी, कृषि विज्ञान, शिक्षा और खाद्य उद्योग उत्पादों सहित बागवानी और कृषि प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला शामिल होगी। यह कार्यक्रम देश भर से 150 से अधिक नर्सरी स्टालों की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिसमें पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और कोलकाता, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, मुंबई, पुणे, महाराष्ट्र में शिरडी, कर्नाटक में बैंगलोर, चेन्नई और कोयंबटूर सहित विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागी शामिल होंगे। मेले के प्रभारी खालिद अहमद ने लॉजिस्टिक विवरण प्रदान करते हुए कहा कि यह आयोजन 31 अगस्त से 5 सितंबर तक चलेगा।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. शशांक गोयल महानिदेशक, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान और विशेष मुख्य सचिव, ने आज लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए मीडिया प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह 2023 के दौरान संस्थान द्वारा लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए आयोजित दूसरा क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि समकालीन परिदृश्य की विशेषता सभी प्लेटफार्मों और माध्यमों में मीडिया का प्रसार है। उन्होंने कहा कि इस परिदृश्य में, सरकारी अधिकारियों के लिए यह जानना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि तथ्य को कल्पना से और सूचना को राय से कैसे अलग किया जाए। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि यदि मीडिया के साथ इसके संबंधों को पेशेवर स्पर्श के साथ प्रबंधित किया जाए तो नौकरशाही की प्रभावशीलता काफी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि नौकरशाही और मीडिया को अपने-अपने दायरे से बाहर आना चाहिए, एक-दूसरे के साथ अपने संबंधों को समृद्ध करना चाहिए और राष्ट्रीय विकास के साझा एजेंडे के लिए काम करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि, लोकसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव, नीरज सेमवाल ने कहा कि तीन महत्वपूर्ण संस्थाएं, लोकसभा, लोकतंत्र और मीडिया एक दूसरे के पूरक हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, उन्होंने कहा कि लोकसभा की प्रेस और जनसंपर्क विंग कई मीडिया और प्रचार संगठनों के साथ समन्वय करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोकसभा की पहल को व्यापक कवरेज मिले। लोकसभा सचिवालय के निदेशक पीके मल्लिक ने भी बात की. प्रोफेसर मोहम्मद अब्बास अली, पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. राजेश, एनवीसी, संस्थान के संकाय ने भी बात की।

अगले तीन दिनों तक हल्की बारिश जारी रहेगा : आईएमडी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शहर में गर्मी से प्रेरित हल्की बारिश या बूंदाबांदी अगले तीन दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। मौसम एजेंसी के नवीनतम पूर्वानुमान से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी। जैसे-जैसे अगस्त पूरा होने के करीब आ रहा है, आईएमडी की भविष्यवाणियों से संकेत मिलता है कि 1 सितंबर से मौसम का मिजाज बदल जाएगा। शहर में बारिश की गतिविधि में वृद्धि की उम्मीद है, आने वाले दिनों में बारिश की गति बढ़ने की संभावना है। चल रही मौसम की घटना, जिसमें तेज गर्मी के कारण थोड़ी देर के लिए बारिश या बूंदाबांदी शामिल है, कई निवासियों के लिए एक स्वागत योग्य घटना रही है जो हाल के हफ्तों में बढ़ते तापमान से जूझ रहे हैं। हालाँकि बारिश पर्याप्त नहीं हो सकती है, लेकिन इसने क्षणिक राहत प्रदान करने में मदद की है।

रोज़गार मेलों के माध्यम से छह लाख नौकरियाँ सृजित हुईं : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आज कहा कि देश भर में लगभग 45 स्थानों पर रोजगार मेला कार्यक्रम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश के विभिन्न हिस्सों से चुने गए उम्मीदवारों को 51,000 ऑफर लेटर देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। 22 अक्टूबर, 2022 को उन्होंने 10 लाख सरकारी नौकरियां देने के लक्ष्य के साथ रोजगार मेला अभियान शुरू किया।

वह हैदराबाद के सीआरपीएफ परिसर में रोजगार मेले की आठवीं श्रृंखला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे भारत एक वैश्विक नेता, एक चमकदार स्थान के रूप में उभर रहा है, जो युवाओं को अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि चंद्रयान 3 की ऐतिहासिक सफलता के कारण भारत का गौरव और आत्मविश्वास कैसे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे नए भारत ने युवा भारत के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर खोले हैं।

आदि गौड़ (विप्र) समाज की सावन की सैर भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदि गौड़ (विप्र) समाज की सावन की सैर भव्यता से संपन्न हुई, जिसमें भारी संख्या में समाज बंधुओं ने सपरिवार लाभ लिया।

आज यहां शमशाबाद मंडल स्थित ब्यूटी ग्रीन फार्म एवं रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम माता गायत्री एवं भगवान परशुरामजी की पूजा अर्चना के साथ हुआ। अवसर पर सभी का स्वागत आदि गौड़ विप्र समाज के अध्यक्ष श्रीकिशन शर्मा ने किया। अवसर पर वरिष्ठ महामंत्री अनिल शर्मा ने समाज द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

अवसर पर समाज बंधुओं ने विभिन्न गेम्स प्रतियोगिता, स्विमिंग, ट्रैक सिंगिंग, खेलकूद, डीजे ट्रैक एवं स्ट्रेस बस्टर्स और स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने लाभ लिया। अवसर पर समाज के सहयोगी सदस्यों का सम्मान एवं मेधावी विद्यर्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बस व्यवस्था में नटवरलाल इन्दोरिया, मनोज शर्मा, राहुल शर्मा, आकाश कौशिक, श्रीराम शर्मा एवं सोनम शर्मा ने अपना सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा, श्रीमती रूपा शर्मा, अतिथि पं.पुरुषोत्तम लाला, अरमचंद शर्मा, कैलाशचंद शर्मा, चन्द्रशेखर शर्मा, वेद प्रकाश जोशी, महावीर प्रसाद शर्मा, डॉ.अनिरुद्ध कुमार पुरोहित, आर.पी.शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, श्यामसुंदर चौबे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष श्रीकिशन शर्मा, कार्यवाहक पं.संजय शर्मा, प्रधान संयोजक राजेन्द्र शर्मा, अनिल शर्मा (चाटवाले), मदनमोहन गौड़, संस्थापक सदस्य नटवरलाल इन्दौरिया,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र शर्मा, पं.चन्द्रशेखर शास्त्री, संस्था संयोजक महेश शर्मा, महामंत्री पं.विशेष शर्मा, मंत्री पालाराम कौशिक, मंत्री श्रीराम शर्मा, प्रद्युमन शर्मा, प्रचार मंत्री लक्ष्मी निवास शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र गौड, कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, युवा मंच अध्यक्ष मनोज शर्मा, स्नातक सहयोगी अध्यक्ष परमानंद शर्मा, परामर्शदाता महिला मंडल देवी शर्मा, महिला मंडल अध्यक्ष अनिता शर्मा, महामंत्राणी मिन्टु शर्मा, सोनम शर्मा, युवा मंच मंत्री विजय शर्मा, स्नातक महामंत्री गजानंद शर्मा, युवा मंच कार्यकारिणी सीए अनिल कुमार, दिपेश शर्मा, अजय शर्मा, अमित शर्मा, निलेश शर्मा, अनिश शर्मा, महेंद्र शर्मा, निकेत शर्मा, दीपेश शर्मा, विनित शर्मा, निकेत शर्मा, पं.राजीव शर्मा, गोविन्द शर्मा, मुकेश शर्मा, नवरतन इंदौरिया, तुषार शर्मा, देविड शर्मा, आशीष शर्मा, गौतम, गौरव, कार्तिक शर्मा,नवनीत शर्मा, आकाश कौशिक, राहुल शर्मा, शंकर आनंद शर्मा, राहुल शर्मा, आशीष शर्मा, लखन कौशिक, रजत कौशिक, जय भगवान शर्मा, तुलसीराम शर्मा, प्रमोद शर्मा, रितेश शर्मा, पं.बुद्धिप्रकाश शर्मा, कमल शर्मा, अमित शर्मा, राकेश शर्मा, विकास शर्मा, शैलेश शर्मा, लोकेश कौशिक, रमेश शर्मा, पीयूष शर्मा, मनोज कौशिक, पं.सुभाष शास्त्री, आजाद शर्मा, निलेश शर्मा, पं. देवेश जोशी, दीपक शर्मा, मालीराम शर्मा, अभिषेक निर्मल, मनीष शर्मा, अभिषेक इंदौरिया, नवीन शर्मा, रिंकु, गिरजा इन्दौरिया, अर्चना शास्त्री, सोनिया शर्मा, बबिता शर्मा, आरती कौशिक, संतोष, द्रौपदी, प्रमिला, उमा, रूपा, हेमा बीना, किरण, अरुणा शर्मा, भानी शर्मा, दिव्या शर्मा, साक्षी शर्मा, योगिता और ज्योति इन्दौरिया सहित अन्य ने अपना सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाया।

ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाएगी योगी सरकार, अफसरों को दिया दिशा-निर्देश

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम पंचायतों को 'टीबी मुक्त' बनाने के लिए अफसरों को दिशा-निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला से लेकर ब्लॉक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा।

ग्राम पंचायतों को स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए जरूरी है कि पहले उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बात को भली-भांति जानते हैं कि बिना ग्राम पंचायतों को 'टीबी मुक्त' बनाए प्रदेश को इससे मुक्ति नहीं दिलायी जा सकती है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'टीबी मुक्त पंचायत' बनाने की तैयारी पूर्ण कर ली है। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के 'टीबी मुक्त भारत' के विजन को प्रदेश में मिशन के रूप लागू करने के निर्देश दिये। मालूम हो कि 'विश्व क्षय रोग दिवस' (24 मार्च) पर इसी साल वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा की थी, जिसे अब शीघ्र धरातल पर उतारने की तैयारी है। इसकी पहल जिला क्षय रोग अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) के संयुक्त प्रयास से की जाएगी।

जिला से लेकर ब्लॉक स्तर के कर्मचारियों को किया जाएगा प्रशिक्षित

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सीएम योगी की मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक समेत सूबे के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और जिला क्षय रोग अधिकारियों (डीटीओ) को विशेष दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इसके लिए डीटीओ और डीपीआरओ के स्तर पर बैठक कर पंचायत को टीबी मुक्त बनाने पर मंथन किया जाएगा। जिला से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अभियान से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो कि अपने-अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित करेंगे। इसके साथ ही जिला टीबी केंद्र के सहयोग से पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत की स्थिति के लिए तैयार किया जाएगा। टीबी मुक्त करने के प्रयासों की गतिविधियों को पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) में भी शामिल किया जाएगा ।

हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि धोखा...दलितों-पिछड़ों को फंसाने का जाल

स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिया विवादित बयान; डिंपल बोलीं- कोई सनातन धर्म का दुश्मन नहीं

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने ब्राह्मण समाज और हिंदू धर्म को लेकर विवादित ट्वीट किया। उन्होंने लिखा- ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं। हिंदू धर्म केवल धोखा है।

सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता। दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता। लेकिन क्या विडंबना है...

स्वामी के बयान पर डिंपल

यादव का डैमेज कंट्रोल

स्वामी प्रसाद के बयान के बाद सपा की सांसद डिंपल यादव ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की। उन्होंने कहा- सनातन धर्म का कोई दुश्मन नहीं है। लिहाजा 2024 में हर धर्म के लोग आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन को वोट करेंगे।

बीजेपी प्रवक्ता बोले- समाज में द्वेष पैदा करने के लिए दिया गया बयान

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत फिर गरमा गई है। इस पर BJP प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने कहा- स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा किया गया यह ट्वीट सिर्फ समाज में द्वेष पैदा करने के लिए किया गया है।

राजनीति का बहुत ही गिरा हुआ स्तर है। जहां तक बात ब्राह्मण समाज की रही तो आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म के बारे में दुनिया को अवगत कराया। इसमें ब्राह्मणों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्य सिर्फ इस तरह के बयान देकर अगड़ा बनाम पिछड़ा करना चाहते हैं।

ओबीसी महासम्मेलन में स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंका;वकील की ड्रेस में आया युवक, कार्यकर्ताओं ने जमकर पीटा

मऊ में स्याही कांड के बाद अब लखनऊ में जूता कांड हुआ है। सोमवार को सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को वकील की ड्रेस पहनकर आए युवक ने जूता फेंककर मारा। स्वामी प्रसाद सपा के पिछड़ा वर्ग के महासम्मेलन में शामिल होने के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे थे। कार से उतरकर वह अंदर जा रहे थे, तभी युवक ने जूते से उन पर हमला कर दिया। जूता स्वामी प्रसाद को छूता हुआ दूर गिरा।

घोसी में सपा का जोर लगा के हईशा....

बीजेपी को नहीं बल्कि राजभर को करारा जवाब देने में जुटे अखिलेश, खुद संभालेंगे घोसी में कमान

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। घोसी सीट पर हो रहा उपचुनाव एनडिए बना आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले एक सेमीफाइनल है। वहीं, सूबे के सबसे बड़े सियासी परिवार यानी यादव परिवार को अपनी टेरेटरी के बाहर सियासी रसूख दिखाने का सबसे बेहतरीन मौका है। इसीलिए इस उपचुनाव में पूरे यादव कुनबे ने अपनी ताकत झोंक दी है।

2017 के विधानसभा चुनाव हों, 2019 के लोकसभा चुनाव या फिर 2022 के विधानसभा चुनाव। इसके बाद जीतने भी उपचुनाव हुए। उनमें मैनपुरी को छोड़कर यादव कुनबा कभी इतनी मजबूती से नहीं उतरा।

यहां तक कि जब परिवार के सदस्य धर्मेंद्र यादव आजमगढ़ में लोकसभा का उपचुनाव लड़ रहे थे, तब भी अखिलेश यादव वहां प्रचार के लिए नहीं पहुंचे थे। अब जब बात घोसी की है तो खुद

अखिलेश यादव वहां जाकर पार्टी की उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने वाले हैं। दरअसल, इसके जरिए अखिलेश यादव कई सियासी संदेश देना चाहते हैं।

अपनी खास रिपोर्ट में हम यही बताएंगे कि आखिर अखिलेश यादव की इस बदली हुई रणनीति के पीछे सबसे बड़ा मकसद क्या है, आखिर किसे अपनी ताकत का एहसास कराना चाहते हैं। किसे देना चाहते हैं करारा जवाब...

शिवपाल, रामगोपाल के बाद अखिलेश भी जाएंगे घोसी

घोसी में उपचुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से ही शिवपाल यादव लगातार वहां एक्टिव नजर आ रहे हैं। अब तक दो बार घोसी का दौरा कर चुके हैं। वहीं डेरा डाले हैं। पार्टी के कील कांटे दुरुस्त कर रहे हैं। वहीं अखिलेश यादव के चाचा प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने भी घोसी में ही डेरा डाला है। बीते 6 वर्षों में ऐसा मौका बेहद कम आया है जब अखिलेश यादव के दोनों चाचा कहीं चुनाव की कमान एक साथ संभाल रहे हैं।

2017 में भी ये तस्वीर नहीं दिखी थी, 2019 में तो शिवपाल यादव ने ही रामगोपाल यादव के बेटे को फिरोजाबाद में चुनाव हराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। 2022 में भी एक-दूसरे के खिलाफ तल्खी बरकरार थी। हालांकि दिसंबर 2022 में मैनपुरी में जब डिंपल यादव उपचुनाव में उतरी तब जरूर अखिलेश यादव के दोनों चाचा एक साथ वहां चुनाव की कमान संभाले थे। लेकिन मैनपुरी समाजवादी पार्टी का अपना गढ़ रहा है और वो सीट भी नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई थी। इसीलिए वहां समाजवादी पार्टी के साथ-साथ दोनों चाचाओं की भी प्रतिष्ठा दांव पर थी।

इसलिए सब की मेहनत का ही परिणाम रहा कि डिंपल यादव ने वहां रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी। लेकिन, अब घोसी को भी सपा की प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। शायद इसीलिए दोनों चाचा सारी तकरार भुलाकर भतीजे अखिलेश यादव को विजयी भव बनाने के लिए घोसी में ही डेरा डाले हैं। खुद अखिलेश यादव घोसी उपचुनाव में प्रचार करने के लिए जाने वाले हैं।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के लिए घोसी की सीट कितनी महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अखिलेश यादव खुद 29 अगस्त को इस सीट पर प्रचार करने के लिए जाएंगे। ये अलग बात है कि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद आठ उपचुनाव हुए, उनमें मैनपुरी को अगर छोड़ दिया जाए तो केवल एक दिन रामपुर के उपचुनाव में जाकर प्रचार किया था।

2022 के विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में अब तक लोकसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव हुआ है। विधानसभा की 5 सीटों पर। लोकसभा उपचुनाव की अगर बात करें तो मैनपुरी में डिंपल यादव उम्मीदवार थीं तो अखिलेश यादव ने यहां प्रचार किया।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती दरबार में टेका मत्था

बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन कर की परिवार एवं देश की खुशहाली की कामना

वाराणसी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती के दरबार में हाजिरी लगायी। इस दौरान उन्होंने सपरिवार से शंकराचार्य से मुलाकात कर उनसे देश की तरक्की व परिवार के खुशहाली का आर्शीवाद मांगा। इसके पूर्व उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम में शोडशोपचार पूजन अर्चन कर मंगल की कामना की। तत्पश्चात अन्नपूर्णा मंदिर में माता के दर्शन किया।

दर्शन पूजन के बाद कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती के मठ पहुंची। वहां धार्मिक अनुष्ठान के बाद शंकराचार्य से मिलकर सामाजिक कार्यों के बारे में विस्तृत बातचीत की। मठ की ओर से शंकराचार्य ने उन्हें स्वंय अंगवस्त्र और मोमेंटो भेंट किया। दर्शन पूजन के बाद केंद्रीय मंत्री ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को निहारा और पूरा भ्रमण किया। मंदिर में आए विदेशी पर्यटकों से वार्ता भी की। मां अन्नपूर्णा के दर्शन पूजन बाद महंत शंकरपुरी से मुलाकात की। मंदिर महंत ने अंगवस्त्र और मां अन्नपूर्णा का चित्र भेंट किया। वित्त मंत्री दोपहर लगभग तीन बजे कांची कामकोटि पीठाधीश्वर शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती का आशीर्वाद लेने मठ पहुंची। शंकराचार्य को श्रीफल और सामग्री भेंट की। चातुर्मास्य व्रत कर रहे शंकराचार्य ने प्रसाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने लगभग एक घंटे तक संवाद किया, मठ परिसर भी देखा। वे सोमवार दोपहर बाबतपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगी। इसके पूर्व जी20 में भाग लेने आएं मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल के चीफ स्टेटर्जी आफिसर श्रीनिवासन नारायण स्वामी एवं स्टेट बैंक आफ मॉरिसस के कैपिटल मार्केट हेड प्रतीप दा दास ने कांची कामकोटि पीठाधीश्वर शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती से मुलाकर कर उनका आर्शीवाद लिया।

नीतीश बोले-मैं कुछ भी नहीं बनना चाहता

आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन का कन्वेनर बनने पर दिया बयान; कहा-बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। 31 अगस्त को मुंबई में आई.एन.डी. आई.ए गठबंधन की बैठक होने वाली है। इस बैठक से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा बयान दिया है। कन्वेनर बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं कुछ भी नहीं बनना चाहता, ये बात मैं आपको बार-बार कहता आया हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं।

विपक्षी दलों के गठबंधन आई.एन.डी. आई.ए की तीसरी बैठक मुंबई में होने जा रही है। 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली इस बैठक में गठबंधन का संयोजक कौन बनेगा, इसकी घोषणा होने वाली है।

शुरुआत से ही इस बात की चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आई.एन.डी. आई.ए का कंन्वेनर बनाया जाएगा।

इसको लेकर खूब सियासत भी हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कन्वेनर के सवार पर एक बार फिर कहा है कि उन्हें कुछ नहीं बनना है और उनकी कोई इच्छा नहीं है।

तेजस्वी यादव भी साथ में थे

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ सोमवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल पहुंचे थे। यहां जब मीडियाकर्मियों ने आई.एन.डी. आई.ए के कन्वेनर को लेकर मुख्यमंत्री से सवाल पूछा तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि उन्हें इसकी कोई इच्छा नहीं है।

नीतीश ने कहा कि, 'नहीं नहीं हमको कुछ नहीं बनना है.. हम तो आपको बराबर कह रहे हैं.. दूसरे लोगों को बनाया जाएगा.. हमारी कोई इच्छा नहीं है। सबको एकजुट करना चाहते हैं और सब लोग मिलकर करें.. हमको कुछ व्यक्तिगत नहीं चाहिए.. हम तो सबके हित में चाहते हैं.. हम लोग तो सबको एकजुट कर रहे हैं'।

लालू प्रसाद ने क्या कहा था

पिछले दिनों गोपालगंज पहुंचे आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने साफ कर दिया था कि आई.एन.डी. आई.ए का कन्वेनर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही नहीं बल्कि कोई और भी हो सकता है।

लालू प्रसाद ने कहा था कि आई.एन.डी. आई.ए गठबंधन में संयोजक को लेकर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है और अगली बैठक में सभी दलों के लोग मिल बैठकर तय कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा था कि तीन चार राज्यों का एक कन्वेनर बनाया जाएगा और सहूलियत के लिए राज्यों में भी संयोजक नियुक्त किए जाएंगे।

सपा के ट्विटर हैंडलर मनीष की तलाश में छापेमारी

लखनऊ के गोमती नगर, हजरतगंज, गौतम पल्ली, सुशांत गोल्फ सिटी में तलाश

प्रयागराज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पहली महिला छात्रसंघ अध्यक्ष ऋचा सिंह की एफआईआर के बाद प्रयागराज पुलिस ने समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडलर मनीष जगन अग्रवाल की तलाश में छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी लखनऊ के गोमती नगर, हजरतगंज, गौतम पल्ली, सुशांत गोल्फ सिटी समेत कई थाना क्षेत्र में की गई है। हालांकि शिवकुटी पुलिस को अभी सफलता नहीं मिली है। वह फरार चल रहा है। उस-पर ऋचा सिंह समेत महिलाओं के खिलाफ अभद्र, अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है।

एसओ शिवकुटी अजीत सिंह ने बताया कि मनीष जगन अग्रवाल के खिलाफ ऋचा सिंह ने दो एफआईआर दर्ज करा रखी है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 509, 354 ख,

507, सूचना प्रौद्योगिकी संशोधित अधिनियम 2008 की धारा 67 के तहत रिपोर्ट लिखी गई है। मनीष जगन अग्रवाल की तलाश में टीमें लखनऊ व आसपास के जिलों में भेजी गई हैं। उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। जल्द की मनीष की गिरफ्तारी होगी। समाजवादी पार्टी के ऑफिशियल ट्विटर संचालक मनीष जगन अग्रवाल के खिलाफ प्रयागराज के शिवकुटी थाने में डॉ. ऋचा सिंह ने दो FIR दर्ज कराई है। पहली एफआईआर 17 अगस्त 2023 को दर्ज कराई गई है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 509, 354 ख, 507 व आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत रिपोर्ट दर्ज है। दूसरी एफआईआर 18 अगस्त 2023 को दर्ज कराई है। पुलिस ने इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 509 व आईटी एक्ट की धारा 67 लगी है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। मनीष जगन अग्रवाल ने अपने ट्विटर हैंडल से ऋचा सिंह को टारगेट कर महिलाओं को सूर्पनखा, आइटम, कूड़ा-कचरा और इस्तेमाल कर फेंक देने वाली चीज कहा था।

17 व 18 अगस्त को किए गए ट्वीट में मनीष जगन अग्रवाल ने ऋचा सिंह को सीधे तौर पर तो नहीं पर महिलाओं को सूपर्णखा इस्तेमाल करके फेंक देने वाली आइटम, कूड़ा और कचरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। ट्वीट में मनीष ने लिखा है कि समाजवादी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और भाजपा की घटती लोकप्रियता और जनाधार से डरकर भाजपा ने कुछ सत्ता के लालची और गद्दार तथा शूर्पनखाओं को सपा पार्टी और नेतृत्व तथा प्रमुख लोगों पर हमला करने के लिए तैनात किया है।

ऐसे लोग सपा नेतृत्व पर अनर्गल, निराधार और व्यक्तिगत आक्षेप लगाते हैं, जिस पर जब उन्हें उन्हीं की भाषा में करारा जवाब मिलता है तो विक्टिम कार्ड खेलकर अपने आपको बेचारा सिद्ध करने का असफल प्रयास करते हैं। यदि गहनता से जांचा परखा जाए तो ऐसे लोग सामंतवादी मनुवादी समाज और संघी भाजपाई मानसिकता के हैं जिन्होंने सत्ता के दौर में सपा पार्टी से हर तरह का लाभ उठाया और अब, जबकि समाजवादी पार्टी पूरी तरह पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक और शोषित पिछड़े कमजोर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत और संघर्षरत है ऐसे में निष्कासित आस्तीन के सांप फुंफकार मार रहे और अपनी भड़ास निकाल रहे, जिसका कोई अर्थ नहीं है।

बाराबंकी में बोलीं सपा विधायक पल्लवी पटेल

भाजपा में जाने के सवाल पर कहा- मैं नहीं करती डूबती नांव की सवारी

बाराबंकी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में स्थित नेशनल इंटर कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय किसान मोर्चा का चौथा राज्य अधिवेशन आयोजित किया गया। जिसमें सिराथू से समाजवादी पार्टी की विधायक और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार चाह रही है कि किसान अपनी खेती छोड़कर शहरों की तरफ पलायन कर जाएं। वहीं भाजपा में जाने की कयासबाजी पर पल्लवी पटेल ने दो टूक शब्दों में कहा कि वह डूबती नाव की सवारी कभी नहीं करतीं।

पल्लवी पटेल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश का किसान सूखा, बाढ़,

ओलावृष्टि और छुट्टा मवेशियों से नहीं बल्कि सरकार की सोच, नीति और नियत से मारा जा रहा है। किसान की लागत का मूल्य दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है और उपज का मूल्य दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है। इन दोनों चक्की के पाटों में देश का अन्न दाता पिसता जा रहा है।

उन्होंने हक बंदी के कानून को निष्प्रभावित करने और बीज अधिनियम बनाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनकी कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन अमीरों को और अमीर बनाने के लिए ये नियम बनाए जा रहे हैं। आज हालात ये हैं कि किसान को बीज व खाद के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों का मुंह देखना पड़ रहा है। पल्लवी पटेल ने कहा कि देश और प्रदेश की सत्ताधारी सरकार और उनके मंत्री की बातों और वादों में बड़ा अंतर है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हम सभी को एकटुज होकर भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ेगा। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि उनके भाजपा में जाने की चर्चा चल रही है तो उन्होंने कहा कि पल्लवी पटेल ने इतनी निचले स्तर की राजनीति कभी नहीं की है। उन्होंने कहा कि वह कभी डूबती हुई नांव की सवारी नहीं करती और भारतीय जनता पार्टी डूबती हुई नांव ही है।

कोसी का बढ़ा जलस्तर...120 गांव में बाढ़ जैसे हालात

सुपौल में पीड़ितों ने कहा- घर में घुसा पानी, नहीं मिल रही राहत सामाग्री

सुपौल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में लगातार बारिश की वजह से कोसी नदी उफान पर है। कोसी नदी के जलस्तर में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। कोसी बराज से सोमवार को सुबह 6 बजे 2 लाख 53 हजार 910 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया गया है।बीते शुक्रवार के रात 10 बजे से 12 बजे तक कोशी बराज से 4 लाख 14 हजार 160 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज रिकार्ड किया गया था। जिससे तटबंध के भीतर बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं ।

घरों में घुसा पानी, खाना बनाने में हो रही परेशानी

नदी के बढ़े जलस्तर से अब भी सुपौल जिले के पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध के भीतर पड़ने वाले पांच प्रखंडों के 120 गांव में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हैं। तटबंध के भीतर अब भी 6 हजार घरों में बाढ़ का पानी जमा है। सुपौल जिले के निर्मली प्रखंड अंतर्गत मझारी पंचायत के महुआ गांव के वार्ड नंबर तीन के रहने वाले शिवनारायण यादव, बुचिया देवी, समेत अन्य बाढ़ पीड़ित ने बताया की बीते 3 दिनों से बाढ़ का पानी जमा है। घर के चूल्हे पानी में डूबे हुए हैं। कैसे खाना बनेगा और क्या खाऊं यह सबसे बड़ी समस्या है।

अब तक इस क्षेत्र में सरकारी अधिकारी नहीं पहुंचे हैं और ना ही राहत सामग्री दिया गया है। उन्होंने बताया कि किसी तरह बाहर आकर रिस्तेदारो के यंहा से राशन पानी लेकर जीवनयापन कर रहे हैं। बाढ़ पीड़ितों ने सरकारी अधिकारियों पर अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

मंत्री ने सीओ को लगाई फटकार-सैलरी से पेट नहीं भरता

कहा-गलत काम करिएगा, एफआईआर भी करवाएंगे और गिरफ्तार करा के जेल भी भेजेंगे

जमुई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जमुई में मंत्री अशोक चौधरी ने सीओ को जमकर फटकार लगाई। मंत्री ने कहा कि आपके खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। ऐसे काम नहीं चल पाएगा। मंत्री अशोक चौधरी ने भीड़ में से सीओ को सामने बुलाया और डीएम से पूछा- इन्हीं की शिकायत है न।

इसके बाद मंत्री ने कहा ₹सरकार के पैसे से पेट नहीं भरता? जेल जाना है आपको? कितना दिन हो गया है, जेल जाना चाहते हैं इतनी शिकायत है आपकी।

सरकार तनख्वाह देती है न, पेट नहीं भरता है उससे। गलतफहमी में मत रहिए, गलत काम करिएगा, FIR भी करवाएंगे और गिरफ्तार कराके जेल भी भेजेंगे, पब्लिक को परेशान मत कीजिए, यह लास्ट वॉर्निंग दे रहे हैं।

मंत्री ने जिले के तमाम वरीय पदाधिकारियों और पब्लिक के सामने सीओ अरविंद कुमार को मंत्री ने जमकर फटकार लगाई।

इस मामले में अलीगंज प्रखंड के सीओ अरविंद कुमार ने बताया कि किस मामले में डांट पड़ी है इसकी जानकारी नहीं है। ग्रामीणों ने मंत्री जी को शिकायत का आवेदन दिया है।

वो आवेदन देखकर ही मामले को बता पाएंगे।

बता दें कि अलीगंज प्रखंड के +2 हाई स्कूल मिर्जागंज में जिला प्रशासन द्वारा ग्राम विकास शिविर का आयोजन किया गया था। भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के साथ विज्ञान और प्रावैद्यिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह, विधान परिषद सदस्य अजय सिंह, जिलाधिकारी अवनीश कुमार, उप विकास आयुक्त शशि शेखर चौधरी भी साथ में थे।

जमुई दौरा पर आए प्रभारी मंत्री सह भवन निर्माण मंत्री अलीगंज के मिर्जागंज में विकास शिविर का जायजा ले रहे थे।

बिहार सरकार के कामों की तारीफ की

इस कार्यक्रम में अशोक चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य का चौमुखी विकास हो रहा है। सरकार के विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में शिक्षा दर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में बिहार अपना स्थान बना चुका है।

नूंह में 51 लोगों से हुई ब्रजमंडल यात्रा पुलिस ने मंदिर ले जाकर जलाभिषेक कराया

नूंह, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद, सर्वजातीय हिंदू महापंचायत और बजरंग दल के आह्वान पर हिंदू संगठनों की पैदल ब्रजमंडल यात्रा नहीं हो सकी। पुलिस नूंह बाइपास से 51 लोगों को पुलिस सिक्योरिटी में 3 गाड़ियों में लाई। उन्होंने पहले नलहरेश्वर मंदिर में जलाभिषेक किया। फिर गाड़ियों में उन्हें फिरोजपुर झिरका के रास्ते सिंगार स्थित राधाकृष्ण मंदिर पहुंचाया गया। वहां जलाभिषेक के बाद यात्रा का समापन हो गया। हिंदू संगठनों की यात्रा को सरकार और प्रशासन ने पहले ही परमिशन देने से इनकार कर दिया था। नूंह में बाहरी लोगों को मंदिर में एंट्री नहीं दी गई। सिर्फ स्थानीय लोग ही लोकल आईडी दिखाकर जा सके।

वहीं सोमवार को नूंह में कर्फ्यू जैसा माहौल रहा। यहां के बाजार, स्कूल-कॉलेज सब बंद रहे। धारा 144 लागू कर दी गई है। सभी को आगे जाने से रोक दिया गया है। लोकल इंटेलिजेंस यूनिट के एक अधिकारी ने बताया कि हमारे पास ऐसा इनपुट

है कि मंदिर के आसपास के इलाकों में हिंसा की तैयारी की गई है। इस वजह से किसी बाहरी व्यक्ति को मंदिर में जाने इजाजत नहीं थी। इससे पहले नूंह यात्रा में हिस्सा लेने अयोध्या से आए संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य महाराज को प्रशासन ने गुरुग्राम सोहना टोल प्लाजा पर रोक दिया। इस कार्रवाई के विरोध में उन्होंने प्लाजा के पास ही आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

31 जुलाई को ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें 2 होमगार्ड समेत 6 लोगों की मौत हो गई थी।

हरियाणा के नूंह में ब्रजमंडल यात्रा के दौरान ड्यूटी पर तैनात सब इंस्पेक्टर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर हाकमउद्दीन नूंह में बड़कली चौक पर तैनात थे। उनकी ड्यूटी RAF टीम के साथ लगाई गई थी। ये सब इंस्पेक्टर नगीना थाने में एडिशनल एसएचओ के पद पर तैनात थे।

हरियाणा पुलिस ने नूंह में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधों का दावा किया है। संवेदनशील इलाकों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। जिले की सारी सीमाएं 27 अगस्त से ही सील कर दी गई। हरियाणा से लगने वाले दिल्ली, राजस्थान और UP बॉर्डर भी सील हैं।

जिले की सीमाओं पर भारी संख्या में पुलिसकर्मी और पैरामिलिट्री के जवान तैनात हैं जो आने-जाने वाली सभी गाड़ियों की तलाशी ले रहे हैं। वहीं, नूंह के स्कूल-कॉलेज, बैंक और दूसरे तमाम ऑफिस भी बंद हैं। सरकार ने मोबाइल इंटरनेट और बल्क SMS सेवाओं पर भी आज रात 12 बजे तक के लिए बैन लगा रखा है।

इस बार मुस्लिम समुदाय भी सावधानी बरत रहा है। रविवार को ही जिले के गांवों में मस्जिदों से अनाउंसमेंट कराई गई कि सोमवार को यात्रा के चलते मुस्लिम समुदाय के लोग अपने घरों से बाहर न निकलें। गांवों में भी किसी जगह 4 से अधिक लोग इकट्ठे न हों। कोई भी अपने गांव से बाहर न जाए।

संगठन के सुरेंद्र प्रताप आर्य और योगेश हिलालपुरिया, जिन्हें प्रशासन ने मंदिर जाने की परमिशन दी है, उन्हें रविवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

सोनीपत में धारा 144 लगाई गई है। फरीदाबाद में भारी वाहनों की नो एंट्री की गई है। पूरे शहर में नाकाबंदी की गई है।

आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे : यह इसरो का पहला सोलर मिशन, जो चार महीने में धरती से 15 लाख किमी दूर पहुंचेगा

बेंगलुरु, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इसरो सूर्य का अध्ययन करने के लिए 2 सितंबर को सुबह 11:50 बजे अपना सोलर मिशन लॉन्च करने वाला है। इसका नाम आदित्य L1 रखा गया है। इसरो ने सोमवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आदित्य L1 सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली स्पेस बेस्ड इंडियन लेबोरेट्री होगी। इसे सूर्य के चारों ओर बनने वाले कोरोना के रिमोट ऑब्जर्वेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यान को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। आदित्य यान, L1 यानी सूर्य-पृथ्वी के लैग्रेंजियन पॉइंट पर रहकर सूर्य पर उठने वाले तूफानों को समझेगा। यह पॉइंट पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यहां तक पहुंचने में इसे करीब 120 दिन यानी 4 महीने लगेंगे।

यह लैग्रेंजियन पॉइंट के चारों ओर की कक्षा, फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर के अलावा सबसे बाहरी परत कोरोना की अलग-अलग वेब बैंड्स से 7 पेलोड के जरिए टेस्टिंग करेगा।

आदित्य L1 पूरी तरह स्वदेशी

है

इसरो के एक अधिकारी के मुताबिक, आदित्य L1 देश की संस्थाओं की भागीदारी से बनने वाला पूरी तरह स्वदेशी प्रयास है। बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (IIA) विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ ने इसके पेलोड बनाए हैं। जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स पुणे ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजर पेलोड विकसित किया है।

यूवी पेलोड का इस्तेमाल कोरोना और सोलर क्रोमोस्फीयर पर, जबकि एक्स-रे पेलोड का इस्तेमाल सूर्य की लपटों को देखने के लिए किया जाएगा। पार्टिकल डिटेक्टर और मैग्नेटोमीटर पेलोड, चार्ज्ड पार्टिकल के हेलो ऑर्बिट तक पहुंचने वाली मैग्नेटिक फील्ड के बारे में जानकारी देंगे।

आदित्य यान L1 पॉइंट पर ही क्यों भेजा जाएगा

आदित्य यान को सूर्य और पृथ्वी के बीच हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। इसरो का कहना है कि L1 पॉइंट के आस-पास हेलो ऑर्बिट में रखा गया सैटेलाइट सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देख सकता है। इससे रियल टाइम सोलर एक्टिविटीज और अंतरिक्ष के मौसम पर भी नजर रखी जा सकेगी।

उम्मीद की जा रही है कि आदित्य L1 के पेलोड कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर एक्टिविटीज की विशेषताओं, पार्टिकल्स की मूवमेंट और स्पेस वेदर को समझने के लिए जानकारी देंगे।

L1 क्या है?

लैग्रेंज पॉइंट 1 को सामान्य तौर पर एल-1 के नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्युगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और एनर्जी भी कम लगती है।

पहला लैग्रेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। आम शब्दों में कहें तो एल-1 ऐसा पॉइंट है जहां पर कोई भी ऑब्जेक्ट सूर्य और धरती से बराबर दूरी पर स्थिर रह सकता है।

दो साल की बच्ची की फ्लाइट में सांस रुकी : प्लेन में दिल्ली एम्स के 5 डॉक्टर थे, 45 मिनट इलाज कर जान बचाई

दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु से दिल्ली जा रही विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट में दो साल की बच्ची की सांस रुक गई। इसी फ्लाइट में दिल्ली एम्स के पांच डॉक्टर्स भी यात्रा कर रहे थे। इन्होंने बच्ची का 45 मिनट इलाज किया और जान बचा ली।

घटना 27 अगस्त शाम की है। विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट यूके-814 में पांचों डॉक्टर्स इंडियन सोसाइटी फॉर वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (ISVIR) बेंगलुरु से दिल्ली जा रहे थे।

इस बात की जानकारी एम्स दिल्ली ने सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने बच्ची और डॉक्टर्स की फोटो भी शेयर की।एम्स ने बताया- यह दो साल की बच्ची सायनोटिक हार्ट डिजीज से पीड़ित थी और प्लेन में बेहोश हो गई थी। सायनोटिक हार्ट डिजीज जन्म से ही होती है। इसमें ब्लड में ऑक्सीजन लेवल काफी कम हो जाता है। बच्ची की सांसें बंद होते ही फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट करने से पहले डिस्ट्रेस कॉल की घोषणा की गई। कॉल के तुरंत बाद डॉक्टर्स ने बच्ची का चेकअप किया। बच्ची के हाथ-पैर ठंडे हो गए थे। उसके होंठ और उंगलियां पीली पड़ गई थीं।

एम्स के डॉक्टर्स के पास जितने साधन थे, उतने में ही उन्होंने बच्ची को CPR (सांस लौटाने के लिए छाती को दबाना) दिया। इमरजेंसी में ही IV कैनुला लगाया और जरूरी इलाज किया गया। प्लेन में 45 मिनट तक बच्ची का इलाज हुआ। फ्लाइट के नागपुर पहुंचते ही बच्ची को ठीक स्थिति में चाइल्ड स्पेशलिस्ट को सौंप दिया। जिन डॉक्टरों ने बच्ची का इलाज किया, उनमें डॉ. नवदीप कौर (एनेस्थीसिया), डॉ. दमनदीप सिंह (कार्डियक रेडियोलॉजी), डॉ. ऋषभ जैन (एम्स रेडियोलॉजी), डॉ. ओइशिका (ओबीजी) और डॉ. अविचला टैक्सक (कार्डिएक रेडियोलॉजी) हैं।

पीसीएस ज्योति मौर्या के पति ने वापस ली शिकायत

प्रयागराज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या और पति आलोक के बीच विवाद मामले में अब नया मोड़ आ गया है। सोमवार को आलोक जांच कमेटी के सामने पेश हुए। आलोक ने मीडिया को बताया, मैंने शिकायत वापस ले ली है।₹ आलोक ने कहा, ₹हां मैंने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, लेकिन अब इसे वापस लेता हूं। आलोक ने कहा, ₹मैंने अपनी शिकायत बिना किसी दबाव के वापस ली है। मुझपर कहीं किसी प्रकार का दबाव नहीं है, न ही मुझे कोई धमकी या प्रलोभन दिया गया है। मैंने अपनी शिकायत वापस ली है तो बहुत सोच समझकर।₹ आलोक ने लिखित रूप से जांच कमेटी के सामने उपस्थित होकर शिकायत वापस ली है।

जांच कमेटी के अध्यक्ष अपर आयुक्त प्रशासन अमृतलाल बिंद ने कहा कि आलोक आज जांच कमेटी के सामने उपस्थित हुए थे। आधे घंटे रहे और उन्होंने अपनी शिकायत वापस ले ली है। जांच कमेटी ने आलोक से पूछा कि कहीं कोई दबाव तो नहीं है। इस पर आलोक ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। यह शिकायत वह अपने मन से बिना किसी दबाव के वापस ले रहे हैं। इससे पहले बताया जा रहा था कि वह भ्रष्टाचार से जुड़े जरूरी सबूत जांच कमेटी के सामने पेश करेंगे। इससे पहले आलोक ने शासन से शिकायत की थी कि ज्योति ने पद का दुरुपयोग करके करोड़ों की संपत्ति बनाई है।

शासन ने मामले की जांच के लिए कमिश्नर प्रयागराज विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। बता दें कि आलोक से जांच कमेटी ने 8 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान सबूत मांगे थे। आलोक ने 20 दिन का समय मांगा था। पीसीएस अफसर ज्योति मोर्या उस दिन जांच कमेटी के सामने पेश नहीं हुई थीं।

ज्योति मौर्या केस में 8 अगस्त को सुनवाई पर आए आलोक ने कहा था, ₹मैंने ज्योति पर जो भी आरोप लगाए हैं। मुझे उन्हें साबित करने के लिए समय दिया जाए।₹ कमेटी ने बात सुनने के बाद कहा था, ₹आपके पास 20 दिन का समय है। इतने समय में आपने जो भी आरोप लगाए हैं। उनका सबूत पेश करें, जिसके बाद जांच कमेटी ने 28 अगस्त को फिर से पेश होने का आदेश दिया था।

आलोक ने जांच कमेटी को एक डायरी सौंपी थी। इसके बाद कमेटी हैंडराइटिंग एक्सपर्ट को बुलवाकर ज्योति की राइटिंग का मिलान कराएगी। इसके बाद तय होगा कि लाल डायरी में हर महीने लाखों रुपयों की एंट्री ज्योति मौर्या ने की है या उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ की गई है। अगर हैंडराइटिंग ज्योति मौर्या की साबित हो जाती है तब ज्योति के खिलाफ यह ठोस सबूत होगा। इसके अलावा अगर डायरी में जिन-जिन लोगों के नाम से हर महीने रुपए मिले हैं, अगर वो खुद आकर कहते हैं कि ज्योति मौर्या उनसे हर महीने पैसे वसूलती थीं तब यह ज्योति मौर्या की परेशानी बढ़ाने वाला होगा। फिलहाल, ज्योति मौर्या जहां-जहां एसडीएम रही हैं वहां के मार्केटिंग इंस्पेक्टर और सप्लाई इंस्पेक्टर को भी नोटिस देकर बुलाने की तैयारी है। उनसे भी कमेटी पूछताछ करेगी कि आपने क्या ये रुपए दिए हैं। प्रशासनिक अमले में इस जांच से खलबली मची हुई है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, अगर आलोक द्वारा लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं तो ज्योति मौर्या का निलंबन हो सकता है और उनके खिलाफ विभागीय जांच भी हो सकती है। फिलहाल जांच कमेटी आलोक द्वारा शासन से की गई शिकायत के आधार पर संबंधित लोगों को इसी सप्ताह नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाएगी। आलोक ने जिस डायरी के आधार पर शासन से ज्योति की शिकायत की है उस डायरी के हर पेज पर ऊपर और नीचे स्वास्तिक बना हुआ है और उस पर शुभ लाभ लिखा है। इसके अलावा महीना भी लिखा हुआ है। इसके बाद हर महीने कहां से और किस काम से कितना पैसा मिला इसका हिसाब-किताब भी लिखा हुआ है। आलोक ने दावा किया है कि यह हैंडराइटिंग ज्योति की ही है। शासन चाहे तो इसकी जांच भी करा सकता है। ज्योति हर महीने मिलने वाले वसूली के पैसे और नीचे पेज पर हर महीने होने वाले खर्च के रुपए भी दर्ज करती थीं।ज्योति कौशांबी के चायल तहसील में 2019 से 2021 के बीच तैनात रही हैं। उनकी डायरी में इस दौरान भ्रष्टाचार से मिलने वाले रुपयों का हिसाब-किताब लिखा है। अगर अक्टूबर 2021 की बात की जाए तो केवल एक महीने में ज्योति ने 6.4 लाख रुपए अवैध रूप से कमाए हैं।

इसमें यह भी लिखा है कि हर महीने 15 हजार रुपए सप्लाई इंस्पेक्टर और 16 हजार मार्केटिंग इंस्पेक्टर देते हैं। हर पेज पर महीने वार भ्रष्टाचार का हिसाब-किताब, कहां से कितना रुपया मिला, कहां खर्च किया सब दर्ज है। अब यह डायरी जांच का विषय बन गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता बोले- I.N.D.I.A में शामिल होंगी 4 और पार्टियां

कहा- ये दल एनडीए की पिछली बैठक में गए थे, अब हमारे संपर्क में हैं

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए बने विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A की अगली बैठक 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में होगी। बैठक से पहले कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने I.N.D.I.A में कुछ और राजनीतिक पार्टियों के शामिल होने की बात कही है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए की पिछली बैठक में शामिल होने वाले 38 दलों में से चार विपक्षी गठबंधन के संपर्क में हैं। जल्द ही वे I.N.D.I.A के साथ जुड़ जाएंगे।

इस दौरान जब आलोक से पूछा गया कि क्या कांग्रेस महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी का नेतृत्व करेगी? जवाब में उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह महत्वपूर्ण नहीं है कि नेतृत्व कौन करेगा। अहम बात यह है कि नेतृत्व हम सब मिलकर करेंगे।

राहुल के अमेठी से लड़ने के सवाल पर क्या कहा?

कांग्रेस स्पीकर से पत्रकारों ने पूछा कि क्या राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे? उन्होंने जवाब में कहा कि अमेठी से गांधी परिवार चुनाव लड़ता रहा है। कांग्रेस का वहां के लोगों से परिवार जैसा रिश्ता है। अमेठी के लोग चाहते हैं कि वहां से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़े। हालांकि, वह कौन होगा, इसका फैसला राहुल गांधी और परिवार करेगा। इस बारे में अभी कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है।

उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दावा किया है कि मुंबई में कुछ और पार्टियां I.N.D.I.A में शामिल हो सकती हैं। हालांकि, नीतीश ने अभी तक पार्टियों के नाम का जिक्र नहीं किया है। उन्होंने यह जरूर बताया कि मुंबई की बैठक का मुद्दा क्या होगा।नीतीश के मुताबिक, बैठक में गंठबंधन में शामिल पार्टियों में सीटों के बंटवारे जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। साथ ही गठबंधन की आगे की रणनीति पर भी बात होगी। नीतीश कुमार ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए ये बाते कहीं। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ज्यादा से ज्यादा पार्टियों को साथ लाना चाहता हूं। इसके लिए मैं लगातार काम कर रहा हूं। नीतीश कुमार ने यह भी दोहराया कि वो अपने लिए कुछ नहीं चाहते।

हरियाणा विधानसभा में आरोपी मंत्री पर हंगामा

वीडियो : सीएम ने कहा- नहीं लेंगे इस्तीफा, हमने बोला तो धज्जियां उड़ जाएंगी, हुड्डा बोले- ये अलोकतांत्रिक शब्द

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विश्व एथलेटिक चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल लाने पर एथलीट नीरज चोपड़ा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नीरज ने हरियाणा के साथ पूरे देश का नाम रोशन किया है। इसके बाद जूनियर महिला कोच के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोपों से घिरे संदीप सिंह के इस्तीफे को लेकर सदन में विपक्ष ने सदन में जमकर हंगामा किया। कुछ विधायक वेल तक पहुंच गए। पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि मामला कोर्ट में विचाराधीन है तो उन्हें स्वयं ही इस्तीफा दे देना चाहिए। या सीएम खुद ही उनसे इस्तीफा मांग लें।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के लोग किसी एक्शन के लिए बाध्य नहीं कर सकते। हमने बोलना शुरू किया तो धज्जियां उड़ जाएंगी।

सीएम के इस वाक्य को सदन में हुड्डा ने बना लिया। उन्होंने कहा कि ये सीएम की लोकतांत्रिक भाषा नहीं है। इस पर स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि यदि यह शब्द (धज्जियां) हमारी सूची जो अलोकतांत्रिक शब्दों की बनी है, उसमें होगा तो यह शब्द डिलीट हो जाएगा।

सदन में विधायक वरुण चौधरी ने समय कम देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विधायकों को अपनी बात रखने का समय नहीं दिया जा रहा। इस पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमने समय से मानसून सत्र बुलाया है। पहले साल में 2 सत्र चलते थे, लेकिन हमने 3 सत्र बुलाए हैं। फसल बीमा योजना पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि रजिस्टर करने से पहले किसान सूचना दे सकते हैं। रजिस्ट्री के 7 दिन पहले किसान सूचना दे सकते हैं। सूचना के बाद प्रीमियम की राशि नहीं ली जाएगी, ऋणी किसान का प्रीमियम का काटा जाएगा।

PPP पर फिर बोले पूर्व सीएमसदन में PPP को लेकर नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पीपीपी कास्ट सेंसेस का पैमाना नहीं हो सकता। दो फ़ीसदी की कंडीशन नहीं होनी चाहिए। BCA के लिए भी सीट होनी चाहिए।

स्पीकर ने कहा कांग्रेस के विधायक राव दान सिंह समेत अन्य से अल्प अवधि सूचना प्रस्ताव मिला है जिसे ध्यानाकर्षण में मंजूर किया गया है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने विधानसभा के नियमों के मुताबिक एतराज जताया और कहा अल्प अवधि को ध्यानाकर्षण में तब्दील नही किया जा सकता है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विधानसभा में गलत परंपरा शुरू नहीं की जानी चाहिए क्योंकि सदन में अल्प अवधि को ध्यानाकर्षण में नही बदला जा सकता है। इस पर स्पीकर ने कहा कि विधानसभा नियम और कन्वेंशन से चलती है। स्पीकर ने कहा 7 अगस्त 2012 को अल्प अवधि को कॉलिंग अटेन्शन में बदला जा चुका है। इसके अलावा भी स्पीकर ने कई अन्य रेफरेंस SA को CA में बदले जाने की जनकारी दी। डिप्टी सीएम के ऐतराज के चलते अल्प अवधि को ध्यानाकर्षण में बदलकर चर्चा करने को 30 मिनट स्थगित किया गया।

सदन में गूंजा स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा

सदन में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विधायकों ने सवाल उठाया। इस पर गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश में PHC और अन्य अस्पतालों की जरूरत के हिसाब से स्थापना के लिए मैपिंग करवाने का फैसला किया है। इसकी रिपोर्ट जल्द ही सरकार को मिल जाएगी। डॉक्टर की मैपिंग करवाने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। केंद्र सरकार ने भी हरियाणा के कदमों की सराहना की है। हेल्थ मिनिस्टर ने बताया कि हरियाणा में पहले सिर्फ MBBS डॉक्टर की भर्ती होते थे, लेकिन आप सरकार स्पेशलिस्ट डॉक्टर की भर्ती करेगी। स्पेशलिस्ट डॉक्टर के सर्विस रूल भी अलग होंगे।

एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि राज्य में चिकित्सा अधिकारियों के कुल 3903 पदों में से 3073 भरे हुए हैं, जबकि 167 डॉक्टर NHM द्वारा दिए गए हैं।

इसके अलावा, 941 पदों में से 808 भरे हुए हैं। 162 पीएचसी को नवीकरण और संबंधित कार्यों के लिए चिन्हित किया गया है। एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि राज्य में चिकित्सा अधिकारियों के कुल 3903 पदों में से 3073 भरे हुए हैं, जबकि 167 डॉक्टर NHM द्वारा दिए गए हैं। इसके अलावा, 941 पदों में से 808 भरे हुए हैं। 162 पीएचसी को नवीकरण और संबंधित कार्यों के लिए चिन्हित किया गया है।

ब्रिटेन में एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम ठप, हजारों फ्लाइट्स प्रभावित

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम फेल हो गया है। इसके बाद ब्रिटेन ने अपने एयर स्पेस को बंद कर दिया है। तकनीकी गड़बड़ी से ऐसा हुआ है और इसका असर सभी इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर पड़ा रहा है। ब्रिटेन से टेक ऑफ करने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही अलर्ट जारी किया गया है कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसीलिए सुरक्षित उड़ानों के लिए ट्रैफिक के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। इंजीनियर टेक्निकल खामी को ढूंढ रहे हैं और उसे ठीक करने पर काम कर रहे हैं। वहीं नेशनल एयर ट्रैफिक सर्विसेज ने यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए माफी मांगी है। उसने बताया है कि हम जल्द से जल्द से इसे सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि उसने यह नहीं बताया है कि क्या खराबी है और उसे ठीक करने में कितना समय लगेगा। इजी जेट एयरवेज की ओर से कहा गया है कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल का मुद्दा यूनाइटेड किंगडम हवाई क्षेत्र के अंदर या बाहर उड़ान भरने वाले सभी उड़ानों को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सामान्य परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने की पुतिन से बात, जी20 के लिए रूसी राष्ट्रपति की जगह लावरोव भारत आएंगे

नई दिल्ली , 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। बातचीत टेलीफोन के जरिए हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर बात की और इनकी प्रगति की समीक्षा भी की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, दोनों ने जोहान्सबर्ग में हाल ही में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सहित आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने 9-10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि रूस का प्रतिनिधित्व रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे।

पुतिन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई दी। क्रेमलिन ने कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में द्विपक्षीय सहयोग को और

विकसित करने की इच्छा जताई। दोनों देश इसे लेकर काफी सकारात्मक रुख के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

इससे पहले जब भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव से पूछा गया था कि क्या रूसी राष्ट्रपति दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे? तो उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के संबंध में कोई घोषणा या बयान देना मेरा विशेषाधिकार नहीं है। मैं जी20 शिखर सम्मेलन में उनकी भागीदारी के संबंध में राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करने का सुझाव दूंगा।

हाल ही में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं। उनका व्यस्त कार्यक्रम है। अभी उनका मुख्य फोकस यूक्रेन में एक 'विशेष सैन्य अभियान' पर है। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से भीषण युद्ध जारी है।

हिमाचल सीएम सुक्खू की सुरक्षा में चूक

शिमला, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सुरक्षा में सोमवार को बड़ी चूक देखने को मिली। दोपहर बाद सीएम सुक्खू हमीरपुर के भोरंज विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ से हुई तबाही देखने हेलीकॉप्टर से पहुंचे। हेलीकॉप्टर कंजयाण हेलीपैड पर लैंड होना था। हेलिकॉप्टर के आते ही अचानक हेलीपैड पर बड़ी संख्या में पशु आ गए।

इसे देखते हुए पायलट ने हेलीकॉप्टर को कुछ देर तक हवा में रखा। वहां मौजूद पुलिस के जवानों और प्रशासन के इस बीच पसीने छूट गए और अफरा-तफरी मच गई। पुलिस कर्मियों ने तुरंत पशुओं को भगाया। तब जाकर मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बार-बार इस तरह की चूक को लेकर सवाल उठ रहे है। दो सप्ताह पहले भी रामपुर के बिथल क्षेत्र में जहां मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग होनी थी, वहां नहीं करवाई जा सकी और दूसरी जगह की गई। आज फिर लैंडिंग के वक्त ऐसी ही लापरवाही बरती गई। मुख्यमंत्री दोपहर तक शिमला में मौजूद थे। यहां उन्होंने सभी विभागों के सचिवों की मीटिंग ली। बाद में राज्यपाल से भी शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद वह अपने गृह जिला हमीरपुर गए, क्योंकि आपदा के बाद मुख्यमंत्री हमीरपुर जिला नहीं जा पाए थे। इससे पहले वह सभी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 29 अगस्त- 2023

सरकार सोचे कि कोटा में पढ़ रहे छात्र देश की अमानत हैं

अशोक भाटिया

माना जाता है कि हर साल क़रीब ढाई से तीन लाख बच्चे कॉम्पिटिशन की कोचिंग लेने कोटा पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के बच्चे होते हैं। राजस्थान के कोटा शहर का नाम सुनते ही सबसे पहले ज़ेहन में जो ख़याल आता है, वो है यहां के कोचिंग इंस्टीट्यूट। भारत के कई शहरों के बच्चे अच्छे इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज में दाख़िले का सपना लेकर इस शहर में आते हैं।कुछ साल पहले तक बिहार, झारखंड या मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के लिए पटना, रांची, बोकारो, इंदौर और दिल्ली, ऐसी कोचिंग का पसंदीदा केंद्र हुआ करता था। जिन अभिभावकों की आर्थिक स्थिति थोड़ी बेहतर होती थी, वे बच्चों को कोचिंग के लिए भारत के दक्षिणी शहर चेन्नई भी भेजा करते थे लेकिन उत्तर भारत के शहरों से कोटा क़रीब है और अब कोटा इस तरह की कोचिंग का हब बना हुआ है। बताते हैं कि साल 2004 और उसके आसपास से कोटा में कोचिंग कर रहे बच्चे इंजीनियरिंग के कॉम्पिटिशन में टॉप रैंकर रहने लगे। उसी समय से बच्चों और अभिभावकों का रुझान कोटा की तरफ होने लगा। इन बच्चों के पेरेंट्स द्वारा चुकाई जाने वाली मोटी फीस की बदौलत कोटा की अर्थ व्यवस्था ने ऊंचाइयां छुई हैं। कोचिंग का कारोबार दो हजार करोड़ रुपये का माना जाता है। शहर में एक दर्जन से अधिक कोचिंग इंस्टीट्यूट चल रहे हैं, जिनमें 5-6 इंस्टीट्यूट का कारोबार तो अरबों रुपयो का है। कोचिंग करने वाले आए बच्चों की वजह से कोटा में लगभग चार हजार हॉस्टल चल रहे हैं। इतने ही पीजी हैं। सैकड़ों मेस, रेस्टोरेंट, बुक डिपो, जिम आदि का कारोबार भी कोचिंग की वजह से फला-फूला है। कोचिंग इंस्टीट्यूट तो चांदी कूट रहे हैं लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या वह बच्चों को मौत के मुंह से जाने से बचाने के लिए भी कुछ कर रहे हैं? यह सवाल इसलिए उठता है कि स्टूडेंट्स की बढ़ती सुसाइड इन इंस्टीट्यूट्स पर भी सवालिया निशान खड़े करती है। वर्ष 2016 में कोटा में सुसाइड करने वाली गाजियाबाद की कृति त्रिपाठी ने सुसाइड नोट में लिखा था, "मैं भारत सरकार और मानव संसाधन विभाग से अपील करती हूं कि जितनी जल्दी हो सके, कोचिंग संस्थानों को बंद कर देना चाहिए। कोचिंग संस्थान खून चूसते हैं।"उस समय कृति का सुसाइड नोट खूब चर्चा में रहा था लेकिन बाद में किसी को कुछ याद नहीं रहा। जब कोई बच्चा सुसाइड करता है तो कुछ दिन उसकी चर्चा होती है लेकिन बाद में सब भुला दिया जाता है। कोटा में कोचिंग स्टूडेंट्स की सुसाइड के मामलों पर राजस्थान हाई कोर्ट चिंता जता चुका है। राज्य सरकार का उच्च शिक्षा विभाग कोटा समेत राज्य भर में चल रहे कोचिंग सेंटरों में पढ़ रहे बच्चों को मानसिक संबल और सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई बार दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। अब इस सप्ताह भी कोटा में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 2 छात्रों ने सुसाइड कर लिया । इन छात्रों की मौत से पूरे इलाके में नये सिरे से हड़कंप-सा मच गया । जानकारी दे दें कि नीट की तैयारी कर रहे दो छात्रों की रविवार को आत्महत्या कर ली, जिससे इस साल कोटा में मरने वाले छात्रों की संख्या 23 हो गई है।बता दें कि साल 2015 के बाद से यह संख्या अब तक की सबसे ज्यादा है, वहीं, 23 में से छह मौतें अकेले अगस्त माह में हुईं है । मिली जानकारी के मुताबिक, मरने वाला एक छात्र महाराष्ट्र का था, जिसकी उम्र 16 वर्ष थी, छात्र ने कोटा के विज्ञान नगर इलाके में अपने कोचिंग संस्थान की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। उस किशोर ने दोपहर में निर्धारित साप्ताहिक टेस्ट देने के बाद अपने कोचिंग संस्थान में यह कदम उठाया।

वहीं, महज 6 घंटे बाद, बिहार का एक 18 वर्षीय छात्र अपने कमरे की छत के पंखे से लटक गया। बिहार का किशोर अपनी बहन और चचेरे भाई के साथ कुनाडी इलाके में एक किराए के अपार्टमेंट में रह रहा था। बताया जाता है कि उसी शाम उसके भाई-बहनों ने उसे अपने ही कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया। पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया जहां बाद में उसकी मौत हो गई। दोनों छात्र नीट की तैयारी कर रहे थे, एक अधिकारी ने कहा, बताया जाता है कि दोनों मामलों में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।इन्हीं सब घटनाओं को देखते हुए कोटा जिला प्रशासन ने 17 अगस्त को सभी छात्रावासों और पीजी आवासों के सभी कमरों में स्प्रिंग-लोडेड पंखे लगाने का आदेश दिया था। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, कोटा में 2022 में 15, 2019 में 18, 2018 में 20, 2017 में सात, 2016 में 17 और 2015 में 18 छात्रों की मौत हुई। 2020 और 2021 में कोई आत्महत्या नहीं हुई। कोटा जिला कलेक्टर की ओर से इसे संबंध में एक पत्र जारी किया गया है जिसमें कोचिंग के लिए आए छात्रों को 'मानसिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने' को लेकर अहम फैसला लिया गया। कोटा में कोचिंग सेंटरों पर टेस्ट और परीक्षाएं दो महीने तक रोक दी गई हैं।

दरअसल, कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आए स्टूडेंट्स जिस भी कोचिंग में पढ़ते हैं वहां समय-समय टेस्ट होते रहते हैं। एक के बाद एक स्टूडेंट्स के सुसाइड की घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने अब कोचिंग के इन टेस्ट और परीक्षाओं पर दो महीने के लिए रोक लगा दी है। दो महीने तक रोक अस्थाई समाधान ही कहलाया जा सकता है जब तक गहलोत सरकार इसका स्थाई हल नहीं खोजती । सरकार को सोचना चाहिए कि यदि स्थाई समाधान न खोजा गया तो यह कांग्रेस की गहलोत सरकार के लिए चुनावी मुद्दा भी बन सकता हैं । आखिर कोटा राजस्थान में बाहर से आकर पढ़ रहे छात्र प्रान्त की अमानत है और उनकी हिफाजत करना राजस्थान सरकार की जिम्मेदारी हैं । इधर, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर एलन कोचिंग संस्थान भी सवाल के कटघरे में खड़ा हुआ है। यहां कोचिंग संस्थान की सबसे बड़ी लापरवाही सामने आई है कि सरकार और प्रशासन की गाइडलाइन को उनकी ओर से सिरे से खारिज किया जाएगा। लगातार सामने आ रहे सुसाइड केसेज के बाद राज्य सरकार की ओर से संडे स्टूडेंट की पूरी तरह से छुट्टी रखने के बाद और इंस्टीट्यूट की ओर से टेस्ट नहीं लिए जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे।

बावजूद इसके रविवार के दिन कोचिंग संस्थान की तरफ से स्टूडेंट का टेस्ट लिया गया।सवाल यह है कि सरकार की गाइडलाइन प्रशासन के निर्देश होने के बावजूद कोचिंग संस्थान ने क्यों टेस्ट लिया? इस पूरे मामले की जांच जरूरी है। सरकार प्रशासन कोचिंग संस्थान के खिलाफ क्या एक्शन लेगा। यह देखने वाली बात होगी। असल में, कोटा में कोचिंग करने वाले बच्चों की सुसाइड एक ऐसा सिलसिला बन गई है, जिसका कोई अंत नहीं नजर आ रहा है। कोई बच्चा फंदा लगाता है तो कोई ऊंची बिल्डिंग से कूद जाता है तो कोई अपने को आग की लपटों के हवाले कर रहा है। इस साल अब तक नौ बच्चे मौत को गले लगा चुके हैं। राज्य विधानसभा में सरकार द्वारा दी जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 से 2022 तक चार साल में कोटा संभाग में 53 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। वहां कितने बच्चे मरे, इसके आंकड़े हैं लेकिन इस सवाल का पुख्ता जवाब किसी के पास नहीं है कि कोचिंग की बदौलत कॅरियर बनाने के लिए कोटा में आए ये बच्चे क्यों सुसाइड कर रहे हैं और इनमें जिंदगी के प्रति लगाव कैसे पैदा किया जा सकता है? सरकार, मनोचिकित्सक और आत्महत्या करने वाले बच्चे (सुसाइड नोट में) अलग-अलग कारण गिनाते हैं।

थप्पड़ की गूंज

मात्र सात साल के बच्चे को जिस तरह से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में पिटाई कराई गई है वह स्तब्ध कर देने वाली है। खबरों के अनुसार एक निजी स्कूल में प्राथमिक कक्षा के उक्त विद्यार्थी की गलती सिर्फ इतनी थी कि वह पहाड़ा याद करके नहीं आया था। बस इसी बात पर शिक्षिका मोहदया इतनी भडक गई कि समुदाय विशेष के इस बच्चे को अन्य बच्चों से बारी-बारी थप्पड़ लगवाया। उस पर भी तुर्रा यह कि जो बच्चा धीरे से मार रहा था, उसे और जोर से थप्पड़ मारने को कहती थी। दर्द से छटपटाते पीड़ित बच्चे के रोने के बावजूद कक्षा के बाकी बच्चों ने शिक्षिका के आदेश का पूरा पालन किया। यहां सबसे ज्यादा आपत्तिजनक मामला यह है कि शिक्षिका ने पिटाई खा रहे बच्चे की धार्मिक पृष्ठभूमि और पहचान को लेकर भी कई तरह की अवांछित टिप्पणी की। मामले ने तूल तब पकड़ा जब कक्षा में इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया और उसे वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद आरोपी शिक्षिका ने अपने बचाव में तरह-तरह की दलील दी। पुलिस ने भी वीडियो सहित पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है, लेकिन अभी तक उक्त आरोपी शिक्षिका की गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह बात जरूर हुई है कि आगामी आदेश तक स्कूल को बंद कर बच्चों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया है। बहरहाल, घटना का जितना भी हिस्सा सामने आ सका है, वह बताता है कि हमारे शिक्षा संस्थानों में बेहतर पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था में दीमक लग गया है और मानवीयता को भी पलीता लगाया जा चुका है। सवाल है कि यदि कोई छात्र पाठ याद न कर पाए तो उसकी इतनी अमानवीय सजा देने का अधिकार किसी शिक्षक को कहां से मिल जाता है? इस मामले में कानूनी स्थिति स्पष्ट होने के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय तक का साफ निर्देश है कि किसी भी स्थिति में बच्चे की पिटाई गैरकानूनी है। यहां तक कि बच्चों के साथ डांट-फटकार की भी सख्त मनाही है। इसके बावजूद बहुत सारे शिक्षक इतने ढीट हैं कि उन्हें इन निर्देशों का कोई असर नहीं पडता। जबकि स्कूल और कक्षा में शिक्षक के व्यवहार को लेकर अगर कानूनी मानदंड तय किए जाते हैं तो यह अपने आप में एक अफसोसनाक पहलू है। इसके अलावा, सुर्खियों में आए वीडियो में शिक्षिका जो कहती दिखाई देती है, उससे जाहिर है कि वह न तो शिक्षण के लिए योग्य है और न ही उसमें मानवीय संवेदना के तत्त्व बचे हैं। यों भी, स्कूली शिक्षा के दौरान अगर कोई बच्चा पढ़ाई-लिखाई के मामले में पीछे रह जाता है, तो यह मुख्य रूप से शिक्षकों की ही नाकामी है। लेकिन अपने दायित्व को ठीक से न निभा पाने की भरपाई के लिए कई बार शिक्षक विद्यार्थियों को ही जिम्मेदार ठहरा कर डराते-धमकाते रहते हैं। ताजा घटना का सबसे चिंताजनक पहलू बच्चे के साथ हुए दुर्व्यवहार का तरीका है। यह कल्पना से भी परे और बेहद तकलीफदेह है कि जिस बच्चे को उसके सहपाठी थप्पड़ मार रहे थे, उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर कितना गहरा मनोवैज्ञानिक असर पडा होगा। भविष्य में वह स्कूल, कक्षा और बाकी बच्चों को लेकर किस हद तक सामान्य तरीके से अपनी सोच को बदल पाएगा। फिर शिक्षक के कहने पर थप्पड़ लगा रहे अन्य बच्चों के भीतर कैसा मनोविज्ञान तैयार हो रहा होगा? अगर धर्म, जाति या वर्ग के आधार पर शिक्षक भी अपना बर्ताव तय करने लगेंगे और अन्य बच्चों को भी उसमें शामिल करेंगे तो जो समाज तैयार होगा, वह कितना मानवीय रह सकता है? जाहिर है इस घटना से निपटने के लिए सरकार को जैसे ठोस और कडे कदम उठाने की जरूरत है, उसका सर्वथा अभाव दिखाई दे रहा है। आखिर शिक्षा व्यवस्था को इस तरह के दुराग्रह और कुंठा से कब और किस तरह मुक्ति मिलेगी यह यक्षप्रश्न देश के सामने खडा है।

मोबाइल की चकाचौंध में अस्तित्व खोते जा रहे खेल

पारसमणि अग्रवाल

पोषम्पा भई पोषम्पा, सौ रूपये की धड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी के साथ साथ कठ बोले, कठईया बोले, नर बोले जंजीर...जैसे स्वर मौजूदा परिवेश में गुमनाम से हो गये। मोबाइल की चकाचौंध में खेल लगभग अपना अस्तित्व खो चुके हैं। बदलते समय के साथ हुये बदलाव में डिजिटल क्रांति वाली 21 वीं सदी में खेलों के प्रति युवा पीढ़ी के रुझान को मोबाइल आदि डिजिटल गैजेट्स ने कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब घरों में न ही गिट्टे खेलते हुये देखने को मिलते है और न ही रुमाल छू जैसे गेम। धरती के आँचल में खाने बना खेले जाने वाले खेल चिटी धप्पू अंटी टीपू किल्ली डंडा जैसे ऐसे कई खेल है जिन पर पडी आधुनिकता की मार ने उनको इतिहास के पन्नो के करीब लाकर खड़ा कर दिया। पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब जैसी गलत धारणाओं ने खेलों से लोगों को दूर करने में अत्यधिक बल दिया और ऐसी धारणा खेल के लिए एक स्थाई घाव बनकर रह गई। वर्तमान समाज में खेल को लेकर अनेक भ्रान्तियाँ है. इसमें एक भ्रान्ति यह भी है कि खेल बिगाडता है .अनुशासनहीन करता है जबकि इस बात पर मंथन किया जाए तो यह बात एकदम गलत साबित होगी क्योंकि खिलाडी हमेशा अनुशासित तरीके से व्यवहार करते है और न केवल खेल के मैदान में बल्कि वास्तविक जीवन में भी नियमों और विनियमों का पालन करते है। खेलों के प्रति लोगों के रुझान को लेकर लोगों का यह भी मानना है कि खेलों में भाग लेना समय की बर्बादी है. यही कारण है कि वे अपने बच्चो को खेलने के लिए नहीं भेजते है. यह इतना प्रतिस्पर्धा का युग है कि माता पिता अपने बच्चो की पढ़ाई पर बहुत अधिक जोर देते है और अगर वे खेलने जाते है तो उन्हें डाटते है लेकिन उन्हें यह समझना होगा कि खेल खेलने से ही बच्चे के समुचित विकास में मदद मिलती है और मांसपेशियों की ताकत व शक्ति बढ़ाती है। बड़ी संख्या में लोगों का यह भी कहना है कि खेल में रोजगार के कम अवसर है. समय के साथ साथ इसमें भी परिवर्तन हुआ है. पहले कम अवसर थे लेकिन इस दिशा में अब तमाम अवसर है। एक अध्ययन में यह भी पता चला है कि जो खेलों में सहभागिता करते है, वे गैर प्रतिभागी लोगों की तुलना में अधिक बुद्धिमान होते है। हॉकी के महान खिलाडी मेजर ध्यानचंद्र के जन्म दिन पर खेल दिवस मनाया जाता है. यदि यहाँ हॉकी को लेकर भी बात न किया जाए तो यह बेईमानी होगी। अन्य खेलों की भांति भी हॉकी को खेलते ग्रामीण क्षेत्र में ही कभी कभार देखने को मिल जायेगा. कस्बाई और शहरी क्षेत्रों में इसका हाल भी अन्य खेलों की तरह है। आधुनिक परिवेश में गुमनामी के हाशिये पर आ चुके खेलों को लेकर एक यह भी वजह मानी जा रही है कि अब खेलों के मैदान कम हो गये. डिजिटल गैजेट्स की उपलब्धता हर किसी के पास हो गई है। खेल मानव जीवन के लिए अति आवश्यक है. सरकार द्वारा भी खेल को लेकर कई जागरूकता के कार्यक्रम समय समय पर होते रहते है। राष्ट्रीय खेल दिवस न केवल खेल के प्रति बल्कि शारीरिक गतिविधि, समग्र स्वास्थ्य आदि के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करता है। खेल शरीर को आकार देने, मजबूत बनाने और सक्रिय बनाने में सहायक होता है. इसलिए स्वस्थ रहने के लिए यह आवश्यक है कि खेलों से जुड़ाव हो। जानकार तो यह भी बताते है कि लोगो का खेलों के प्रति लगाव कम होने से बीमारियों का ग्राफ बढ़ा है।

गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा

सुनील कुमार महला

आज के इस आधुनिक युग में हमारी युवा पीढ़ी स्वयं को हर तरफ तनाव, अवसाद व अकेलेपन से घिरी हुई महसूस करती है। अवसाद, तनाव व अकेलेपन से आज भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में आत्महत्या के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिल रही है और यह बहुत ही संवेदनशील होने के साथ ही अत्यंत चिंताजनक भी है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2021 में दुनियाभर में आठ लाख लोगों ने आत्महत्या की और हमारे देश में 1,64,033 ने आत्महत्या करके अपनी जान गंवाई। आंकड़े बताते हैं कि अब भी दुनियाभर में हर साल आत्महत्या से लगभग 10 लाख लोग जान गंवाते हैं, जो युद्ध या अन्य हिंसक मौतों का लगभग 50 प्रतिशत है। सच तो यह है कि आज के समय में आत्महत्या एक प्रकार से महामारी का रूप धारण करती चली जा रही है। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं ? तो जानकारी देना चाहूंगा कि आज टीवी व मोबाइल संस्कृति भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। टीवी और मोबाइल संस्कृति ने हमारे आपसी संवाद को बहुत कम कर दिया है और वर्चुअल दुनिया में हम खोये रहते हैं।आज न तो माता पिता, अभिभावकों, रिश्तेदारों के पास अपने बच्चों, सगे-संबंधियों के लिए समय बचा है और न ही हमारी युवा पीढ़ी के पास। सभी अपने आप में व्यस्त हैं। कम्प्यूटर, इंटरनेट, व्हाट्स एप, इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर संस्कृति ने हमारी खेल संस्कृति को एक प्रकार से डस लिया है और किशोर और युवा वर्ग इनमें (इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट आदि) में बहुत ही व्यस्त हैं। आज आपसी सहयोग, मेल मिलाप,टीम भावना, भाईचारा, आपसी सौहार्द विकसित करने वाले, शरीर में स्फूर्ति प्रदान करने वाले और खुशी-उत्साह बढ़ाने वाले खेल अब लगातार विलुप्त होते चले जा रहे हैं। शायद यही वजह और कारण भी है कि आज के इस आधुनिक युग में ना तो बाहरी रिश्तों में ही सुकून नजर आता है और ना ही ना घर-परिवार के रिश्तों में शांति और सुकून ही नजर आते हैं। आपसी दोस्ती व, रिश्तों -नातों और आपसी संबंधों का सुगठित ताना-बाना अब लगातार उलझता नजर आ रहा है। कल तक जो संबल और सहारा हुआ करते थे आज वे बोझ और बेमानी लगने लगे हैं। आज हम अपने अभिभावकों, माता पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, काका, ताऊ, फूंका,बुआ, मौसी किसी से कोई बात तक साझा नहीं करते, ना ही पल दो पल उनके साथ बिताते हैं। एक जनरेशन गैप हमारे में पैदा हो चुका है। परिवार भी आज संयुक्त नहीं एकल हो गये हैं। बहरहाल, शायद यही कारण हैं कि आज बहुत से युवा आत्महत्या जैसे पाप की ओर अग्रसर हो रहे हैं। आज युवा बिखरा हुआ है लेकिन समाधान हमारे भीतर ही है। क्या आत्महत्या किसी भी समस्या का, परेशानी का, दुख तकलीफ़ का हल है ? नहीं कदापि नहीं। आत्महत्या कभी भी किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता है। आत्महत्या बुजदिली है,पाप है। ईश्वर ने हमें यह जीवन जीने के लिए दिया है न कि स्वयं को समाप्त करने के लिए। समस्याएं तो जीवन में आती ही रहती हैं। जीवन कोई फूलों की सेज नहीं है, यहां पल पल संघर्ष हैं, दुख हैं, तकलीफ़ हैं, परेशानी हैं लेकिन हमें यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि जीवन में समय हमेशा एक सा नहीं रहता है। यहां पाठकों को यह कहना चाहूंगा कि जीवन में कभी दुख हैं तो कभी सुख की छाया है। हर आत्महत्या करने वाले को एक बार, सिर्फ एक बार यह जरूर ही सोचना चाहिए कि क्या उसकी जिंदगी सिर्फ उसकी ही है। इस जिंदगी पर कितने लोगों का कितना-कितना हक है क्या उसे इसके बारे में पता है? क्या वह जानता है कि उसकी मौत के बाद उसका परिवार, दोस्त, रिश्तेदार, करीबी लोग कितनी-कितनी मौत मरेंगे ? उनको कितना दुख और तकलीफ होगी ? आत्महत्या से क्या कोई भी समस्या हल हो जाती है ? कभी नहीं, आत्महत्या से कभी भी कोई भी समस्या हल नहीं होती है। हमें कोई हक नहीं उस जिंदगी को समाप्त करने का जिस पर इतने सारे लोगों का अधिकार है। ईश्वर ने हमें सकारात्मक ऊर्जा के साथ यह जीवन जीने के लिए दिया है, हम कर्म करते रहें और आगे बढ़ते रहें। संघर्ष तो जीवन का आभूषण है, यही हमें जीवन को जीना सिखाता है। संघर्ष बिना जीवन का कोई भी आनंद या मजा नहीं है। संघर्ष हमें प्रेरणा प्रदान करता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज लोगों की तेजी से बदलती जीवनशैली, रहन-सहन और भौतिक वस्तुओं के प्रति अत्यधिक आकर्षण, पारिवारिक विघटन और बढ़ती बेरोजगारी और धन-दौलत को ही सर्वस्व समझने की प्रवृत्ति के कारण आत्महत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं।बहरहाल,जानकारी देना चाहूंगा कि आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए दुनियाभर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है।

सबसे चिंताजनक बात तो यह है कि आत्महत्या के मामलों में युवा वर्ग के आंकड़े चौंकाने वाले हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के अनुसार हर सेकंड कोई ना कोई व्यक्ति ख़ुदकुशी करने की कोशिश करता है, और हर 40 सेकंड में कोई ना कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है। इस तरह दुनियाभर में हर साल तकरीबन 10 लाख़ लोग आत्महत्या कर लेते हैं। स्टेनलेस हाल प्रसिद्ध मनोविज्ञानी ने यह बात कही है कि 'किशोरावस्था बड़े ही संघर्ष, तूफान व वेग की अवस्था है।' सच तो यह है कि युवावस्था एक प्रकार से संक्रमण काल है, जिसमें युवाओं को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासतौर से कॅरियर, जॉब, रिश्ते, खुद की इच्छाएं, व्यक्तिगत समस्याएं जैसे लव अफेयर, मैरिज, सैटलमेंट, पढ़ाई आदि। आज युवा वर्ग बेरोजगारी के बारे में सोचता है कि उसका क्या होगा और क्या नहीं ?भविष्य के प्रति उसकी अनिश्चितता बढ़ जाती है।

वह मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होता है और अपरिपक्वता के कारण कई बार उसे बहुत सी परेशानियां आती हैं, जिससे वह डिप्रेशन, एंग्जाइटी, सायकोसिस, पर्सनालिटी डिसऑर्डर का शिकार हो जाता है। आज का युवा पारिवारिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबा है, वह समस्याओं के संदर्भ में संवाद नहीं करता है। परिवार को भी युवा वर्ग से बहुत सी अपेक्षाएं होती हैं। अभिभावक युवाओं की तुलना भी करते हैं और युवा डिप्रेशन में आ जाते हैं। आज के समय में युवाओं पर पढ़ाई का बहुत बड़ा दबाव है। आज हमारे देश की संस्कृति, परंपरा, नैतिक मूल्यों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, हमारी संस्कृति पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव गहरा चुका है।नैतिक मूल्यों में गिरावट, परिवार का टूटना, अकेलापन धीर धीरे हमारे युवाओं को आत्महत्या की तरफ प्रेरित करता है। नशा भी एक बड़ा कारण बनता है आत्महत्या का। इसलिए युवाओं को नशे से बचाने की जरूरत है।आज की जीवनशैली तनावपूर्ण हो गई है। तनाव के कारण युवा वर्ग नशे की ओर अग्रसर होने लगता है और वह सोचता है कि नशे से उसका तनाव कम हो जाएगा लेकिन यह ठीक नहीं है क्यों कि नशा तो आदमी की बर्बादी का कारण बनता है। यह हमारे शरीर, धन, समय, पारिवारिक प्रतिष्ठा को बर्बाद कर देता है। हमें क्राइम की ओर, लड़ाई झगड़ों की ओर बढ़ाने का काम करता है।

सब झोल है झोल !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

स्वतंत्रता ने ईमानदारी को इनबिल्ट किया तो आत्मनिर्भरता ने उसे एक्सेसरी बना दिया। लगाना है तो लगाइए नहीं तो आपकी मर्जी। ऐसी मर्जी वाले जो कहते हैं वे करते नहीं। जो करते हैं वे बताते नहीं। जो बताते हैं वह होता नहीं। सब झोल है, झोल। एक थे गांधी जी जो खड्ग बिना ढाल के अहिंसा को परिभाषित करते थे, और आज है कि लाठी-गोली चलाकर अहिंसा और शांति को नए सिरे से परिभाषाति किया जाता है। सब झोल है, झोल। सत्य किताबों और असत्य सड़कों पर घूमने और झूमने के लिए बने हैं। पेड़ लगाने के लिए पहले पेड़ काटने का ठेका दिया जाता है। फिर लगाए हुए पेड़ों पर चरने के लिए गाय-बैलों को छोड़ दिया जाता है। सब झोल है, झोल।एक तरफ नशाखोरी के खिलाफ विज्ञापन चलायेंगे, दूजी ओर उसी विज्ञापन के लिए शराब की बिक्री से पैसा बटोरेंगे। हाथी केवल जंगलों में नहीं हम भी होते हैं। दिखाने और खाने के दाँत हमेशा मेन्टेन करते हैं। हिंदी की महत्ता के बारे में भाषण झाडेंगे अंग्रेजी में और खुद को बड़ा हिमायती बतायेंगे। यही तो आजादी है। योजनाओं के नाम पर योजना बनायेंगे। बनायी गई योजना को लागू नहीं करेंगे। लागू करने की बारी आएगी तो उसे रोक देंगे। बनाने, लागू करने और रोकने वाले खुद को सबसे बड़ा चालू समझने से बाज़ नहीं आते। सीधी उंगली विपक्षी नेता को प्यार से बुलाना है, न आने पर ईडी-सीबीआई की टेढ़ी उंगली कर जबरन शामिल कर लेना है। अपनी गलती पर कमीशन बैठाना, विपक्षी गलती पर फरमान सुनाना स्वतंत्रता का असली गुरुमंत्र है। जब तक विपक्ष में रहें पूंजीपतियों को गरियाना और जैसे ही सत्ता में आ जाएँ तब उनके तलवे चाटना यही फंडा बनाकर प्राइवेट के खिलाफ पब्लिक सेक्टर को और पब्लिक सेक्टर के खिलाफ प्राइवेट सेक्टर को खड़ा करके खुद बीच में खड़ा हो जाना स्वतंत्रता का मतलब होता है। मामला जस का तस अड़ने पर अपने स्वार्थ की रोटियाँ सेंकने का अवसर मिलता है। युवाओं को मौका देने के नाम पर खुद को छूट देना, मालदार पोर्टफोलियो झोली में रखकर संतरियों में रूखा-सूखा फेंक देना सबसे बड़ा झोल है, झोल। स्वतंत्रता वह हवा है जो फुले हुए जनता के गुब्बारे में होता है, जिस पर एक सुईं मारने पर सब कुछ टांय-टांय फिस्स हो जाता है।

हॉकी के जादूगर थे मेजर ध्यानचंद

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे।

भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

क्यों शरीर में भस्म मल हिमालय में रहते हैं शिव जी ?

नंदी– शिव का वाहन वृषभ शक्ति का पुंज है। वह हिम्मत का प्रतीक है।
चांद– शांति व संतुलन का प्रतीक है।
चंद्रमा मन की मुदितावस्था का प्रतीक है।
वह पूर्ण ज्ञान का प्रतीक भी है।

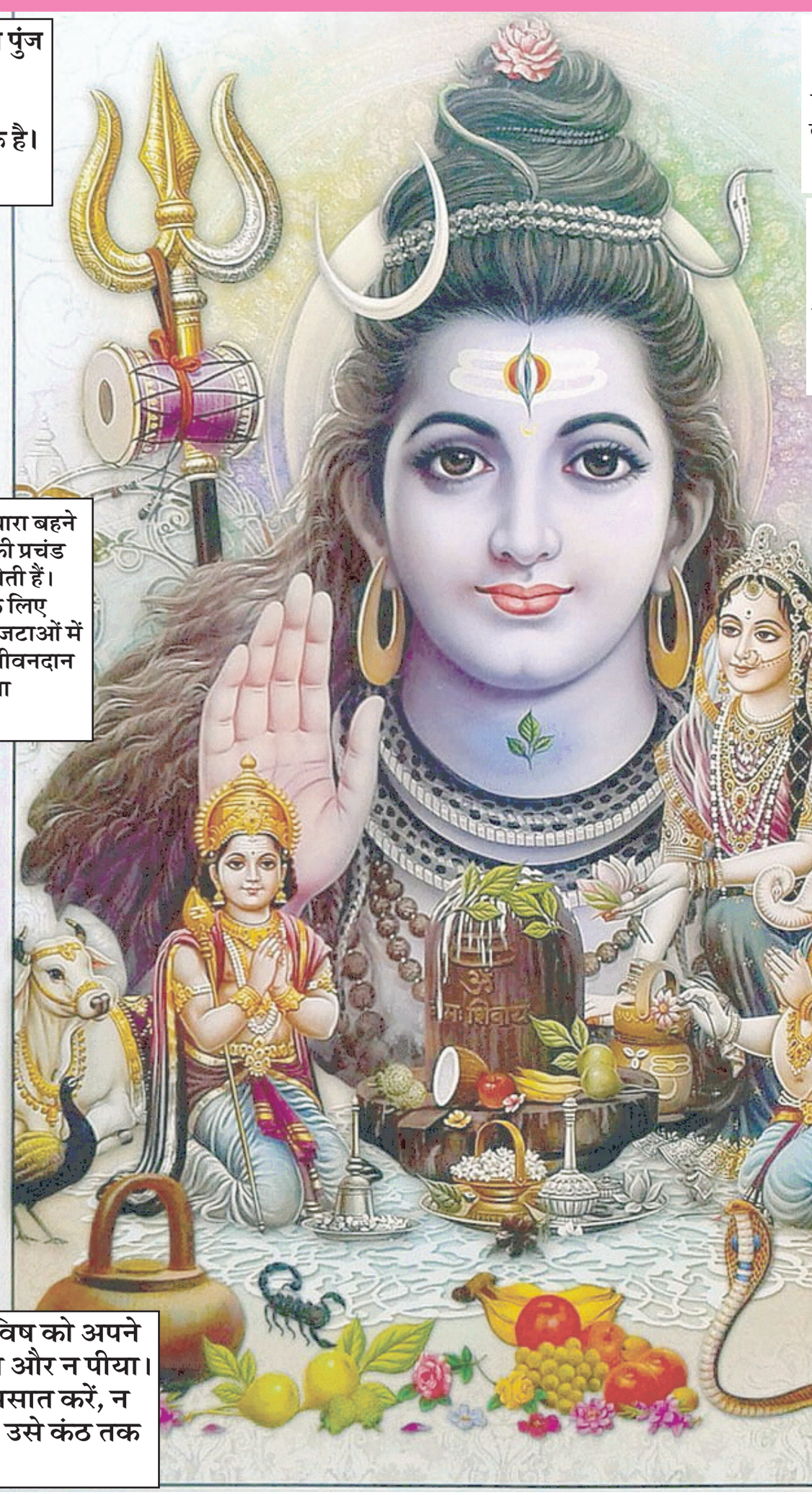

शिव लिंग

यह सारा विश्व ही लिंग मय है। शिव का आकार लिंग स्वरूप माना जाता है। उसकी सृष्टि साकार होते हुए भी आधार आत्मा है। ज्ञान की दृष्टि से उसके भौतिक सौंदर्य का कोई बड़ा महत्व नहीं है। मनुष्य को आत्मा की उपासना करनी चाहिए, उसी का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए।

देवाधिदेव का सही स्वरूप समझना है जरूरी

देवाधिदेव का सही स्वरूप समझने के बाद ही हम उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। पंडित महेश झा और पंडित कैलाश मिश्र के अनुसार, शिव पुराण एवं लिंग पुराण में शिव के तत्व को समझ लेने के बाद उस विधि व उस तत्व से जब साधक उनकी पूजा और उपासना करता है, तो भोलेनाथ अति प्रसन्न होते हैं और मनोवांछित आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

शिव-मंत्र- ॐ नमः शिवाय। शिव का अर्थ है कल्याण। कल्याण की दृष्टि रखकर हमको कदम उठाने चाहिए और हर क्रिया- कलाप एवं सोचने के तरीके का निर्माण करना चाहिए। समस्त भूतों का अस्तित्व मिटाकर परमात्मा से अल्प-समाधान की साधना ही शिव की साधना है।

भोलेबाबा को खुश करने के लिए शिव तत्व का ज्ञान होना जरूरी।

भवानी और शंकर की हम वंदना करते हैं। श्रद्धा का नाम पार्वती और विश्वास का शंकर है। श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक विग्रह मूर्ति हम मंदिरों में स्थापित करते हैं। इनके चरणों पर अपना मस्तक झुकाते हैं। उन पर जल व बिल्व पत्र चढ़ाते हैं। उनकी आरती करते हैं। लेकिन इसके लिए श्रद्धा और विश्वास का होना अत्यावश्यक है। इसके बिना कोई सिद्धपुरुष भी भगवान को प्राप्त नहीं कर सकता।

तीसरा नेत्र- ज्ञानचक्षु जिससे कामदेव जलकर भस्म हो गया। यह तृतीय नेत्र स्रष्टा ने प्रत्येक मनुष्य को दिया है। सामान्य परिस्थितियों में वह विवेक के रूप में जाग्रत रहता है। पर वह अपने आप में इतना सशक्त और पूर्ण होता है कि काम वासना जैसे गहन प्रकोप भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्हें भी जला डालने की क्षमता उसके विवेक में बनी रहती है।

हिमालय में वास-जीवन के कष्ट कठिनाइयों से जूझ कर शिवतत्व सफलताओं की ऊंचाइयों को प्राप्त करता है।
शिव -गृहस्थ योगी-गृहस्थ होकर भी पूर्ण योगी होना शिव जी के जीवन की महत्वपूर्ण घटना है। सांसारिक व्यवस्था को चलाते हुए भी वे योगी रहते हैं, पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं।

शिव परिवार-शिवजी के परिवार में सभी अपने-अपने व्यक्तित्व के धनी तथा स्वतंत्र रूप से उपयोगी हैं। पत्नी पार्वती, पुत्र देव सेनापति कार्तिकेय तथा कनिष्ठ पुत्र प्रथम पूज्य गणपति हैं। सभी विभिन्न होते हुए भी एक साथ हैं। बैल, सिंह, सर्प, मोर प्रकृति में दुश्मन दिखाई देते हैं, किन्तु शिवत्व के परिवार में ये एक-दूसरे के साथ हैं। शिव के भक्त को शिव परिवार जैसा श्रेष्ठ संस्कार युक्त परिवार निर्माण के लिए तत्पर होना चाहिए।

बिल्वपत्र- बिल्वपत्र को जल के साथ पीसकर छानकर पीने से बहुत दिनों तक मनुष्य बिना अन्न के जीवित रह सकता है। शरीर की इन्द्रियां एवं चंचल मन की वृतियां एकाग्र होती हैं तथा गूढ़ तत्व विचार शक्ति जाग्रत होती है। अतः शिवतत्व की प्राप्ति हेतु बिल्वपत्र स्वीकार किया जाता है।

गंगा की जलधारा- सिर से गंगा की जलधारा बहने से आशय ज्ञानगंगा से है। गंगा यहां ज्ञान की प्रचंड आध्यात्मिक शक्ति के रूप में अवतरित होती हैं। महान आध्यात्मिक शक्ति को संभालने के लिए शिवत्व ही उपयुक्त है। मां गंगा उसकी ही जटाओं में आश्रय लेती हैं। अज्ञान से भरे लोगों को जीवनदान मिल सके। शिव जैसा संकल्प शक्ति वाला महापुरुष ही उसे धारण कर सकता है।

गले में सांप- शंकर भगवान ने गले में पड़े हुए काले विषधर का इस्तेमाल इस तरीके से किया है कि उनके लिए वे फायदेमंद हो गए।

मुण्डों की माला-जीवन की अंतिम परिणति और सौगात राजा व रंक समानता से इस शरीर को छोड़ते हैं। वे सभी एकसूत्र में पिरो दिए जाते हैं। यही समत्व योग है।

डमरू- शिव डमरू बजाते और मौज आने पर नृत्य भी करते हैं। यह प्रलयंकर की मस्ती का प्रतीक है। उनका डमरू ज्ञान, कला, साहित्य और विजय का प्रतीक है।

त्रिशूल-लोभ, मोह, अहंता के तीनों भवबंधन को ही नष्ट करने वाला यह शस्त्र त्रिशूल रूप में धारण किया गया- ज्ञान, कर्म और भक्ति की पैनी धाराओं का है।

बाघम्बर-शिव बाघ का चर्म धारण करते हैं। जीवन में बाघ जैसे ही साहस और पौरुष की आवश्यकता है जिसमें अनर्थों और अनिष्टों से जूझा जा सके।

भस्म-शिव भस्म को शरीर पर मल लेते हैं ताकि ऋतुओं के प्रभावों का असर न पड़े।
मरघट में वास-उन्हें श्मशानवासी कहा जाता है। हर व्यक्ति में मरण के रूप में शिवसत्ता का ज्ञान बना रहे इसलिए उन्होंने अपना डेरा श्मशान में डाला है।

नीलकंठ- शिव ने उस हलाहल विष को अपने गले में धारण कर लिया, न उगला और न पीया। अर्थात विषाक्तता को न तो आत्मसात करें, न ही विक्षोभ उत्पन्न कर उसे उगलें। उसे कंठ तक ही प्रतिबंधित रखें।

खूंखार डकैतों की भोलेनाथ में थी अटूट श्रद्धा सावन माह में नहीं करते थे लूटपाट और अपराध

बुंदेलखंड का चित्रकूट में हमेशा डकैतों का आतंक रहा है। यहां की धरती पर कई नामी और बड़े डकैत हुए हैं। जितने भी डकैत हुए वो सभी भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त हुआ करते थे। चित्रकूट में भोले शंकर का एक मंदिर है जिसको सोमनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां पहुंच कर डकैत सावन के महीने में भगवान शिव से आशीर्वाद लेते थे।
सावन के महीने में हर सोमवार को सोमनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। वर्ष 2007 में यहां पर डकैत ठोकिया ने पुलिस को चकमा देकर स्वयं भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक एवं पूजा-पाठ किया था। तब से यह स्थान और चर्चित हो गया, क्योंकि जिस स्थान पर कभी डकैत पूजा करते नहीं थे वहां ठोकिया डकैत ने खुद पूजा-पाठ किया था।
डकैत ठोकिया ने साधु का भेष बना कर सावन माह में सोमनाथ मंदिर में महादेव की पूजा-आराधना की थी। खास बात है कि सावन के पवित्र महीने में ठोकिया और उसका गिरोह लोगों के साथ मारपीट व लूटपाट नहीं करता था। ऐसा इसलिए क्योंकि सावन का महीना भोले शंकर का हुआ करता था इसलिए डकैत किसी प्रकार का अपराध नहीं करते थे।
डकैत क्यों करते थे भोले शंकर की पूजा? चित्रकूट के बरगढ़ निवासी ज्ञान चंद्र बताते हैं कि डकैत इसलिए भोलेनाथ की पूजा करते थे, क्योंकि सोमनाथ जंगल के आस-पास किसी प्रकार छिपने की जगह नहीं होती थी। इस वजह से डकैत इस मंदिर में सुबह होते ही पूजा-पाठ कर लेते थे। पुलिस के पास खबर होते हुए भी कुछ हाथ नहीं लग पाता था। डकैत चकमा देकर फरार हो जाते थे। सबसे खास बात है कि सभी डकैत भगवान शंकर के अनन्य भक्त होते थे। वो बीहड़ की पहाड़ियों में छिप कर अपने आप को सुरक्षित मानते थे।

सत्यं शिवं, सुन्दरम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन

मुनि चैतन्य कुमार अमन

पवित्र प्रेम स्नेह और सौहार्द भाव को बढ़ाने वाला पर्व है- रक्षा- बंधन । भारतीय परम्परा में अनेक पर्व है जिसमें रक्षा बंधन का पर्व अपने आप मे विशिष्ट कहलाता है। रक्षा शब्द विश्व इतिहास में महत्वपूर्ण रहा है। प्रत्येक व्यक्तिमें सुरक्षा की भावना रहती है, इसीलिए इसे मानव जीवन के लिए यह प्राण त्राण शान आश्वास, विश्वास तथा सत्यं शिवं सुन्दरम् का प्रतीक माना गया है। जहां एक गृहस्थ व्यक्ति शरीर सत्ता सम्पदा, परिवार तथा संबन्धों की सुरक्षा पर ध्यान देता है तो एक आध्यात्मिक और धार्मिक जीवन जीने वाले के लिए आत्म सुरक्षा सर्वोपरि है। आज के इस भौतिकता के चकाचौंध में मानव धन को सुरक्षित रखने व बढ़ाने में अपनी शक्ति का उपयोग करता है। अथवा परिवार सत्ता सम्पदा की सुरक्षा करता है। जबकि बहुत कम लोग होते है जो धर्म व आत्म रक्षा का प्रयत्न करते है। अध्यात्म के मनीषियों ने कहा है आप्पा खलु संयम रखियव्वो तुम संयम के द्वारा आत्मा को सुरक्षित रखो। अथवा तुम धम्मो रक्षति रक्षितः तुम धर्म की रक्षा करो 'धर्म भी तुम्हारी रक्षा करेगा' आज व्यक्ति धन की रक्षा के लिए तो धर्म न्याय नीति सबको गौण कर देता है। यह चिंतनीय प्रश्न है। इतिहास साक्षी है कि व्यक्ति ने अपने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए कितने संघर्ष लिए है किन्तु रक्षा का मूल हार्द है - जीवन में प्रेम दया करुणा, अहिंसा, समन्वय, सहयोग की चेतना का जागरण जो कि कटु जीवन में मधुरता का संचार करे तथा सम्पूर्ण विश्व में भाईचारे को स्थापित करे। उज्ज्वलता पवित्रता कोमलता जैसी उदार भावना भरता है। तथा संकीर्ण विचारों को विराटता से ओतप्रोत करता है। वसुधैव कुटुम्बकम्' सम्पूर्ण विश्व को परिवार की उपमा से उपमित करने वाला यह रक्षाबंधन का यह पर्व जैन और वैदिक दोनों परम्पराओं में समान रूप से महत्व रखता है। जन जीवन को नैतिकता, प्रामाणिकता और चरित्र निष्ठा का संदेश 'देने वाला यह पर्व आनंददायी व मंगलकारी है। इसके संबन्ध में प्राप्त कथानक विचारों की व्यापकता लिए हुए है। लाखों-करोड़ों भारतवासी चाहे वे जैन बौद्ध सिख सनातन तथा मुस्लिम धर्म में भी विश्वास करते है। उसमें भी इस पव' पर भाई बहनों के प्यार को दर्शाता है किंतु शनैः शनै पर्वो के साथ कुछ भावनाओं में विकृतियों का मनो भाव जुड़ने के कारण विश्वास का दायरा सिमट रहा है। जिस पिता, भाई अथवा अन्य संबन्धियों से बहन रक्षा की आशा करती रही है आज उससे भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लग गई है। आए दिन अखबारों में छपने वाली घटनाएं पढ़कर अथवा सुनकर ऐसा लगता है जीवन कही पर भी सुरक्षित नहीं है। आज का इंसान पर्व की पवित्र भावनाओं को भूलता जा रहा

है, केवल लकीर के फकीर बनते जा रहे है। राखी के कच्चे धागे जो बहन द्वारा भाई की कलाई पर बांधे जा रहे है वह मात्र औपचारिक उपकरण बन रहा है। जहां भाई की सोच अच्छी व कीमती राखी पर अटक रही है तो बहन का ध्यान मात्र धन पर केन्द्रित रह जाता है। वह देखती है कि भाई कितना पैसा (धन) दे रहा है। परन्तु इसके पीछे जो प्यार स्नेह सौहार्द का भाव होना चाहिए वह भुलाया जा रहा है। यदि बहन भाई दोनों अपना नैतिक कर्तव्य समझकर अपने आपको आरक्षित करे तो पारिवारिक प्रेम, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय हितों में अभिवृद्धि हो सकती है। धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में जरूरी है कि वे अपने आग्रह विग्रह कदाग्रह को त्याग कर नैतिकता और चरित्र निष्ठा के द्वारा संयम भावना को सुरक्षित करें। संयमः- खलु जीवनम् - संयम ही जीवन है - इस उद्घोष के साथ संकल्प करें। जिससे यह लौकिक पर्व अलौकिक बन कर सबकी सुरक्षा में निमित्त बन सके। पर्व प्रतिवर्ष आते है और एक सन्देश मानवता के नाम पर छोड जाते हैं।

शाहरुख- सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बोलीं सुष्मिता

सलमान के साथ दोस्त जैसी बॉन्डिंग, शाहरुख के साथ रोमांटिक केमिस्ट्री

सुष्मिता सेन ने इन दिनों वेब सीरीज ताली को लेकर चर्चा में हैं। वहीं अब हाल ही में एक्ट्रेस ने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ अपनी केमिस्ट्री को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया है कि दोनों एक्टर्स से साथ उनकी एक खास केमिस्ट्री रही है। जहां सलमान के साथ उनकी केमिस्ट्री दोस्तों जैसी, तो वहीं शाहरुख के साथ रोमांटिक केमिस्ट्री दिखती है।

मैंने उनमें से एक को केमिस्ट्री सिखाई हैः सुष्मिता

एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में सुष्मिता से सवाल किया गया कि फिल्मों में उनकी केमिस्ट्री किस एक्टर के साथ ज्यादा बेहतर है.. शाहरुख खान या सलमान खान?

जवाब में सुष्मिता ने कहा- 'दोनों के साथ बहुत अलग केमिस्ट्री है। मैंने उनमें से एक को केमिस्ट्री सिखाई है।' दरअसल सुष्मिता सेन ने शाहरुख खान के साथ 'मैं हूं ना' में का किया था, इस फिल्म एक्ट्रेस ने उनकी केमिस्ट्री टीचर मिस चांदनी का किरदार निभाया था। जबकि सलमान के साथ सुष्मिता ने 'बीवी नंबर 1', मैंने प्यार क्यों किया और 'हम तुमको ना भूल पाएंगे' जैसी फिल्मों में काम किया था।'

सलमान के साथ मेरी केमिस्ट्री दोस्तों जैसी हैः सुष्मिता

सुष्मिता से आगे सवाल किया गया कि वह दोनों में से आगे किसके साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- दोनों के साथ। सुष्मिता ने कहा- सलमान के साथ मेरी केमिस्ट्री दोस्तों जैसी है...वह गुंडा जैसा है...दोस्तों टाइप। जबकि, शाहरुख के साथ मेरी केमिस्ट्री रोमांटिक है।

अच्छी नहीं रही थी सलमान-सुष्मिता की पहली मुलाकात

भले ही सलमान और सुष्मिता आज अच्छे दोस्त हैं, लेकिन उनकी पहली मुलाकात अच्छी नहीं रही थी। इस बात का खुलासा खुद सलमान ने एक शो के दौरान किया था। दरअसल सलमान ने सुष्मिता के लिए एक वीडियो मैसेज भेजा था, जब वह चैट शो 'जीना इसी का नाम है' में बतौर गेस्ट पहुंची थीं।

सलमान ने बताया था कि सुष्मिता के साथ उनकी पहली मुलाकात डेविड धवन की फिल्म 'बीवी नंबर 1' के सेट पर हुई थी। सलमान ने कहा- मैं शूटिंग के पहले दिन सेट पर करीब 2 घंटे लेट पहुंचा था। सुष्मिता सेन वहां 9 बजे से थीं। मैंने आते ही सुष्मिता से कहा- 'हाय आप कैसे हैं सुश? लेकिन उन्होंने सही से इसका जवाब नहीं दिया।'

पहली मुलाकात में सलमान को अच्छी नहीं लगी थीं सुष्मिता

सलमान खान ने आगे कहा- 'मैंने इस बारे में डेविड धवन से पूछा कि सुष्मिता की प्रॉब्लम क्या है? उन्होंने कहा कि वह सेट पर 9 बजे से मेकअप के साथ तैयार हैं, यानी उन्हें 7 बजे उठाना पड़ा था। मैंने कहा- 'वह मेरी प्रॉब्लम नहीं है...मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि मैं 11 से 11:30 के बीच आऊंगा। ये हमारी पहली मुलाकात थी।'

सलमान ने बताया था दोस्ती का किस्सा

सलमान ने उस वीडियो मैसेज में यह भी बताया था कि सुष्मिता से उनकी दोस्ती कैसे हुई। उन्होंने कहा- 'मुझे सुष्मिता की एक बात बहुत पसंद है, उनका दिल बहुत बड़ा है। मुझे याद है कि जब हम मियामी में 'बीवी नंबर 1 की शूटिंग कर रहे थे, तब उन्होंने खुद एक लिमोजिन(बड़ी कार) रेंट पर ली थी। सुष्मिता पूरे स्टाफ को लेकर वहां एक नाइट क्लब में गईं थी। उन्होंने वहां सबसे अच्छी शैम्पेन और सबसे अच्छा खाना मंगाया था। इन चीजों से हमारी पूरी टीम बहुत खुश थी। इस दिन के बाद सुष्मिता और सलमान दोस्त बन गए, धीरे-धीरे एक-दूसरे को लेकर दोनों की सोच बदल गई।

अनु मलिक बोले- कभी हाथ जोड़कर लोगों से काम मांगा

10 साल की उम्र में पिता को रोते हुए देखा, इंडस्ट्री ने उन्हें किनारे किया

म्यूजिक कंपोजर-सिंगर अनु मलिक बतौर जज सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' में नजर आ रहे हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान अनु मलिक ने अपने स्ट्रगल से जुडी कुछ खास बातें शेयर कीं।

सिंगर की मानें तो वे आज जिस मुकाम पर हैं उसका श्रेय उनके पिता सरदार मलिक को जाता है। बता दें, सरदार मलिक उर्फ सारंगा मेन अपने वक्त के जाने माने इंडियन फिल्म म्यूजिक डायरेक्टर थे। हालांकि, उनके बुरे वक्त में किसी ने उनका साथ नहीं दिया था।

अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए अनु मलिक कहते हैं- मैं अपनी सक्सेस का श्रेय अपने पिताजी को देता हूं, क्योंकि उनके आंसुओं ने अनु मलिक को बनाया। उन्होंने बहुत दर्द देखा था, उनके पास पैसे नहीं थे, काम नहीं था। वे बहुत टैलेंटेड इंसान थे, लेकिन उनके टैलेंट की कभी किसी ने कदर नहीं की थी।

एक वक्त ऐसा आया था की वे किसी से मिलना भी नहीं चाहते थे। इंडस्ट्री के कई लोगों ने इतने जबरदस्त आदमी को एक कोने में फेंक दिया था। मेरे पिताजी के लिए स्टूडियो के दरवाजे बंद कर दिए गए थे। किसी ने उनकी मदद नहीं की।

10 साल की उम्र में पापा को रोते हुए देखा थाः अनु मलिक

उन्होंने आगे कहा- उस वक्त मैं केवल 10 साल का था। मैं उन्हें अकेले में रोता हुआ देखता था। उनकी ऐसी हालत देखकर मुझे और भी नाराजगी होती थी। मैंने तय कर लिया था की किसी भी हाल में अपने परिवार का नाम ऊंचा करूंगा।

मुझे याद है एक दिन मैंने उनके पैर छुए और उनसे वादा किया की मैं उनका नाम रोशन करूंगा। उनकी आसुओं और दर्द की वजह से आज मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया हूं।

मुझे काम मांगने के बदले में लोगों से गालियां खाने को मिलीं: अनु मलिक

रियलिटी शो को लेकर अनु मलिक का मानना है की ये नए टैलेंट्स के लिए बहुत ही बेहतर प्लेटफार्म है। वे कहते हैं- मैं इन बच्चों को बहुत ही खुशनसीब मानता हूं की उन्हें इस तरह के रियलिटी शो के प्लेटफार्म मिलते है अपना टैलेंट दिखाने के लिए। हमारे वक्त ऐसा नहीं था। जब भी इन परफॉर्मर को देखता हूं तो मुझे अपने पुराने दिन याद आ जाते हैं।

मैं बाजा लेकर यहां-वहां काम की तलाश में भटकता रहता था। हाथ जोड़कर लोगों से काम मांगता, निर्माता का दरवाजा खटखटाता, कई कंपोजर्स से गालियां भी खाई हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो मुझे धक्के मारकर बाहर फेंका गया ये कहकर की 'फिर से काम मांगने मत आना', लेकिन मैंने कभी हिम्मत नहीं हारी। मेरे ऊपर हमेशा से सरस्वती मां की कृपा रही है।

'सा रे गा मा पा' पर सच्चे टैलेंट को आगे लाने की कोशिश रहेगीः अनु मलिक

बातों ही बातों में अनु मलिक ने 'सा रे गा मा पा' को जज करने के अनुभव पर भी रौशनी डाली। अनु की माने तो उनका शो कभी भी TRP के लिए फेक इमोशनल स्टोरी नहीं दिखाएंगे। इस बारे में वे कहते हैं- शो के मेकर्स इस बात को लेकर बहुत ही स्ट्रिक्ट हैं की वे सिर्फ TRP के लिए किसी भी कंटेस्टेंट्स की फेक इमोशनल स्टोरी नहीं दिखाएंगे।

जो बच्चे अच्छे परफॉर्मर हैं और उनकी कोई इमोशनल या स्ट्रगल स्टोरी है तो उसे हम दिल खोलकर ऑडियंस के सामने प्रेजेंट करेंगे।

अब किसी की जर्नी दर्दनाक होगी तो हम भी अपने आंसू भला कैसे रोकें? यकीन मानिए, हमारा विजन क्लाउडेड नहीं हैं, हम TRP के लिए झूठी बातें नहीं दिखाएंगे।

अगर कोई टैलेंटेड नहीं है और उसकी कहानी कितनी भी इमोशनल हो, हम उसे आगे नहीं बढ़ा सकते, क्योंकि ऐसा करने से हम एक सच्चा टैलेंट खो देंगे। बता दें,अनु मलिक के अलावा हिमेश रेशमिया और नीति मोहन भी शो के जज पैनल में नजर आएंगे।

उज्जवल निकम की बायोपिक कर सकते हैं आमिर खान

आमिर खान की अगली फिल्म एक बायोपिक हो सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर अब प्रोड्यूसर दिनेश विजन के अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। यह देश के मशहूर वकील उज्जवल निकम की बायोपिक हो सकती है।

फिल्म को प्रोड्यूस भी कर सकते हैं आमिर

इस बायोपिक में निकम की लाइफ जर्नी के साथ-साथ 1993 मुंबई ब्लास्ट और 2008 मुंबई अटैक जैसे हाई प्रोफाइल केस में उनकी भूमिका भी दिखाई जाएगी। रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगे।

यशराज की एक्शन फिल्म भी कर सकते हैं

कई रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि आमिर, यशराज बैनर के साथ एक एक्शन फिल्म कर सकते हैं। हालांकि, इस बारे में कुछ भी कन्फर्म कहना मुश्किल है, क्योंकि फिलहाल आमिर ने किसी भी प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट नहीं की है। इन दिनों वे अपनी फैमिली के साथ टाइम स्पेंड कर रहे हैं।

'लाल सिंह चड्ढा' की सालगिरह पर टीम को दी पार्टी!

इसी बीच चर्चा है कि आमिर ने हाल ही में अपनी पिछली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की टीम को पार्टी थीं। यह पार्टी फिल्म के एक साल पूरे होने पर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी।

ऐसे में सवाल उठता है कि आमिर ने पार्टी किस खुशी में दी। तो आपको बता दें कि कहा जा रहा है कि फिल्म थिएटरों में भले ही नहीं चली, मगर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इसने अच्छा परफॉर्म किया। कई फैंस इस फिल्म की तुलना राज कपूर की क्लासिक फिल्म 'मेरा नाम जोकर' से कर रहे हैं, जो रिलीज के वक्त फ्लॉप थी पर बाद में इसे क्लासिक का दर्जा मिला था।

एक्टर ऋत्विक धनजानी बोले- मेरे लुक का मजाक बनाया गया

फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर में किरदार के लुक की वजह से थे परेशान

पॉपुलर टीवी एक्टर ऋत्विक धनजानी की फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर हाल ही में डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज हुई। इस फिल्म में ऋत्विक के अपोजिट अपूर्वा अरोड़ा नजर आ रही हैं।

हाल ही में एक समाचार पत्र से खास बातचीत के दौरान ऋत्विक ने बताया कि इस फिल्म में उन्हें चंपू जैसा लुक दिया गया था। इस वजह से वो शुरूआत में खुश नहीं थे। इतना ही नहीं उनके दोस्त भी उनके लुक का काफी मजाक उड़ाया करते थे।

पवित्र रिश्ता ने दिलाई पहचानः ऋत्विक

ऋत्विक धनजानी ने अपनी पसंदीदा फिल्मों पर बात करते हुए कहा- मुझे रॉम-कॉम देखना बहुत पसंद है। मेरा फेवरेट जॉनर रोमांस हैं। मैं आज जिस भी मुकाम तक पहुंचा हूं वो कहीं न कहीं पवित्र रिश्ता में अपने रोमांटिक किरदार की वजह से ही कर पाया हूं। काफी लंबे समय बाद मुझे ऐसा कोई प्रोजेक्ट ऑफर हुआ जिसमें ट्रेवलिंग का कॉन्सेप्ट भी था और रोमांस भी। सच कहूं तो, इसे हामी भरने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था।

फिल्म की शूटिंग के दौरान एडवेंचर एक्टिविटी न कर पाने की वजह से गुस्से में थाः ऋत्विक

सिंगापुर में शूटिंग का अनुभव अच्छा तो था ही लेकिन सच कहूं तो कई बार गुस्सा भी खूब आता था। जितने भी एडवेंचर भरे स्पोर्ट्स थे, जितने भी मस्ती वाले चीजें थी वो मेरा किरदार कर ही नहीं रहा था। शूटिंग के दौरान मैं देखता था की दूसरे किरदार भरपूर मस्ती कर रहे हैं। अपूर्वा अरोड़ा जो सितारा का किरदार निभा रही हैं, वह स्काई डाइविंग कर रही हैं, एडवेंचर से भरे स्पोर्ट्स कर रही हैं और मैं सिर्फ बैठे-बैठे देख रहा था। आधे से ज्यादा समय तो मैंने गुस्से में निकाल दिया क्योंकि मुझे वह सब चीजें करनी थी। वैसे उसके अलावा प्रोडक्शन टीम बहुत अच्छी थी। ज्यादातर टीम मेंबर्स मेरे पुराने दोस्त हैं, उनके साथ बहुत मजा किया।

दोस्तों ने भी मेरे लुक का बहुत मजाक बनायाः ऋत्विक

तकरीबन 8 महीने से हम इस फिल्म की तैयारी कर रहे थे। जब पहली बार मैंने अपने लुक के लिए बाल कटवाए तो खुद पर ही बहुत शर्म आने लगी। सोशल मीडिया पर भी फोटो नहीं लगाता था ये सोचकर की लोग क्या सोचेंगे। मैंने अपने कुछ खास दोस्तों को अपनी फोटो भेजी तो वे खूब हंसने लगे। सभी ने मेरा बहुत मजाक उड़ाया था। हां, लेकिन इसी बीच मेरे फैन क्लब के मेंबर्स खुश थे क्योंकि उन्हें ऋत्विक की पुरानी झलक देखने को मिली। इससे मुझे भी थोड़ी बहुत खुशी मिली।

सच कहूं तो फिल्म में मुझे मेरा लुक बिलकुल पसंद नहीं आया। मुझे पूरा चंपू लुक दिया गया था। मेरा लुक, मेरे कपड़े, मेरे बाल, मुझे कुछ नहीं अच्छे लगे। शुरू में मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लगता था, लेकिन जब मैं अपने डायरेक्टर के साथ सिटिंग्स करने लगा तब मुझे एहसास हुआ की वे अपने किरदार को लेकर पूरी तरह से क्लियर हैं। मैं डायरेक्टर का एक्टर हूं, मैं उन पर पूरा यकीन करता हूं। वक्त के साथ-साथ मैंने भी इस किरदार को एक्सेप्ट किया।

ध्रुव के किरदार की तरह मैं भी थोड़ा ठहराव लाना चाहता हूंः ऋत्विक

ध्रुव का किरदार दोस्ती को बहुत ज्यादा महत्व देता है।रियल लाइफ में वैसा ही हूं। मैं यदि किसी को अपना दोस्त बना लूं तो वो जीवन भर तक निभाता हूं। इसी के साथ ध्रुव की तरह मैं भी अपने जीवन में थोड़ा ठहराव लाना सीखना चाहता हूं।

मैंने कभी कोई प्रोजेक्ट सिर्फ पैसों के लिए नहीं कियाः ऋत्विक

मैं काम को लेकर बहुत चूजी हो गया हूं। थैंकफुली, करियर में मैं अब उस मुकाम पर हूं जहां काम को चुन सकता हूं। अब मैं उसी स्क्रिप्ट के साथ जुड़ना चाहता हूं जो मेरे दिल को छू पाए। मुझे ईमानदार लोगों के साथ काम करना है और आगे वही करूंगा भी। मेरा अनुभव यही कहता है की यदि आप सही और ईमानदार लोगों के साथ जुड़ते हो, तो वह काम में भी नजर आता है। आगे भी इस रास्ते पर चलता रहूंगा। यकीन मानिए, मैंने कभी कोई प्रोजेक्ट सिर्फ पैसों के लिए नहीं किया।

'गदर-2' को एंटी-पाकिस्तान कहे जाने पर सनी देओल का रिएक्शन

बोले- फिल्म को ज्यादा सीरियसली ना लें, यह सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए बनाई गई है

सनी देओल स्टारर फिल्म गदर-2 बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। 15 दिनों में फिल्म ने 439 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। हालांकि, इस सफलता के बीच फिल्म को क्रिटिसाइज भी किया जा रहा है। फिल्म को इंडिया और पाकिस्तान की ऑडियंस से कुछ नेगेटिव रिएक्शंस मिल रहे हैं। कुछ दर्शकों इसे एंटी पाकिस्तान भी करार दे रहे हैं।

अब इस मामले पर सनी देओल ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म को ज्यादा सीरियसली नहीं लेना चाहिए। यह सिर्फ लोगों को एंटरटेन करने के लिए बनाई गई है।

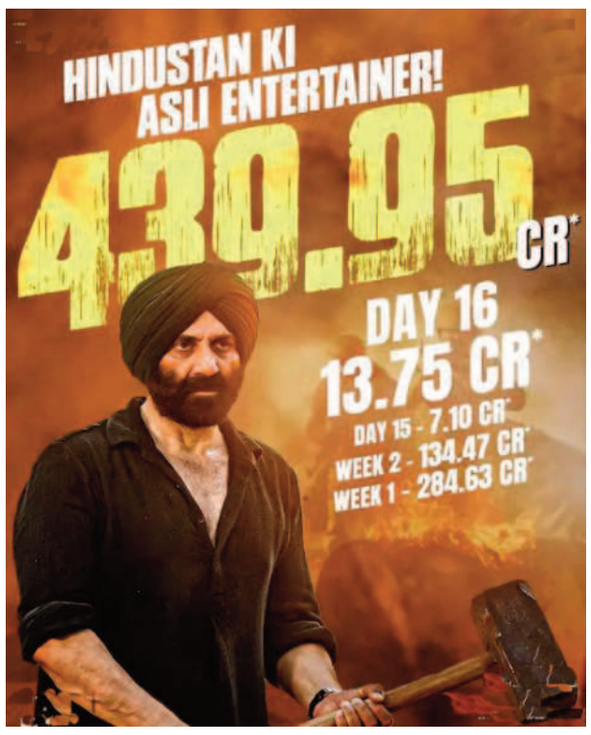

सोशल मीडिया पर काफी बकवास चल रही है

एक इंटरव्यू में सनी ने कहा, 'पार्टीशन के बाद से ही हमारे बीच में नफरत है। हालांकि, मैं ये मानता हूं कि जो हुआ सो हुआ और अब यह पॉलिटिकल मुद्दा बन गया है। दोनों देशों के लोग इसे भूलना चाहते हैं।

कुल मिलाकर मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि फिल्मों को ज्यादा सीरियसली ना लें। यह फिल्म एंटी पाकिस्तान नहीं है। सोशल मीडिया पर काफी कुछ बकवास चल रही है उसे इग्नोर करें और सिनेमा को एंटरटेनमेंट के नजरिए से देखें।

तारा का किरदार नफरत फैला ही नहीं सकता

सनी ने आगे कहा, 'यह एक फिल्म है और हर फिल्म में एक हीरो और एक विलेन तो होता ही है। पर मुझे नही लगता कि पूरी फिल्म में मैंने कहीं भी किसी को नीचा दिखाने की कोशिश की है। तारा उस तरह का किरदार है ही नहीं जो नफरत फैलाए। इससे पहले भी 'बॉर्डर' में मेरे किरदार ने जो भी किया था वो उस वक्त के आर्मी जवानों के रियल लाइफ वॉर एक्सपीरियंस पर बेस्ड था। लोगों ने उसे गलत तरीके से लिया और पर्सनल हो गए।''गदर-2' की सफलता ने सनी देओल के करियर में बड़ा चेंज ला दिया है। वो इन दिनों फिल्म की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं और अपने अगले प्रोजेक्ट पर काफी सोच-विचार कर रहे हैं।

रणबीर-आलिया की ट्रोलिंग के बीच सोनी राजदान ने लिखा पोस्ट : बोलीं- लोग उन बातों पर डिस्कस कर रहे, जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्रिप्टिक नोट लिखा। पोस्ट में सोनी ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि लोग दूसरों की लाइफ के फैसले खुद ले लेते हैं। माना जा रहा है कि सोनी का यह पोस्ट बीते दिनों रणबीर-आलिया की ट्रोलिंग को लेकर हैं, जहां आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनका लिपस्टिक लगाना नहीं पसंद है। इस कमेंट के बाद आलिया-रणबीर दोनों को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया था।

लोग दूसरे लोगों के लिए फैसले ले रहे हैं : सोनी

सोनी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा- 'यह मूर्खतापूर्ण चीज हर रोज बढ़ती जा रही है, जिसे कैंसिल कल्चर कहा जाता है। लोग दूसरे लोगों के लिए फैसले ले रहे हैं, कि उनकी जिंदगी क्या गलत चल रहा है। लोगों को क्यों लगता है कि वह दूसरों की जिंदगी की कमांड अपने हाथों में ले लेंगे।

सोनी ने आगे लिखा- 'फिर हर कोई उन चीजों के बारे में डिबेट करता है, जिन लोगों का वास्तव में उनसे से कोई लेना-देना ही नहीं। हम ऐसे ही मजेदार समय में जी रहे हैं।'आलिया की मां ने भले ही किसी का नाम नहीं लिया हो, लेकिन माना जा रहा है कि उनका यह पोस्ट उन लोगों के लिए है, जो आलिया-रणबीर को ट्रोल कर रहे हैं।'

रणबीर के आलिया की लिपस्टिक हटाने के रिमार्क पर हुई कंट्रोवर्सी

दरअसल, आलिया ने हाल ही में एक मेकअप टुटोरिअल किया था। इस दौरान उन्होंने बातों-बातों में ये कह दिया कि जब भी वो कभी रणबीर कपूर के साथ डेट पर बाहर जाती हैं तो रणबीर उन्हें लिपस्टिक हटाने के लिए कहते हैं। आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनके होठों का नेचुरल कलर पसंद है।' इस बात पर सोशल मीडिया यूजर्स ने रणबीर कपूर को आलिया की आजादी और उनकी पसंद-नापसंद को कंट्रोल करने के लिए ट्रोल किया था। इतना ही लोगों ने रणबीर की इस सोच को क्रिटिसाइज भी किया था।

कई बार ट्रोलिंग का शिकार हो चुके आलिया-रणबीर

यह पहली बार नहीं है, जब आलिया भट्ट-रणबीर कपूर ऐसे बयानों के चलते ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वाइस को दिए इंटरव्यू में आलिया ने बताया था कि उनके हसबैंड यानी रणबीर को उनकी ज्यादा तेज आवाज नहीं पसंद है। उन्होंने कहा था- मुझे अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि, जब मेरी आवाज इस डेसिबल से ऊपर जाती है, तो मेरे पति को यह पसंद नहीं आता। उनका मानना है कि ज्यादा तेज आवाज में जवाब देना सही नहीं है। जब आप दुखी भी हों तब भी आपको दयालु होना चाहिए। रणबीर और आलिया को इस बात के लिए ट्रोल किया गया था। लोगों ने एक्टर को टॉक्सिक और डॉमिनेटिंग स्वभाव का बताया था।

दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है अधिक कैल्शियम

दिल में कैल्शियम का मात्रा बहुत ज्यादा होना खतरनाक हो सकता है. कैल्शियम की मात्रा को हमेशा नियंत्रित रखना चाहिए. अत्यधिक कैल्शियम से दिल की धमनियां संकरी हो सकती हैं, जिससे रक्त का प्रवाह प्रभावित होता है. उच्च रक्तचाप, उम्र बढ़ना आदि कैल्शियम जमाव को बढ़ा सकते हैं. ऐसे लोगों को अपने कैल्शियम सेवन पर ध्यान देना चाहिए और नियमित रूप से जांच करवानी चाहिए. आहार में बदलाव, व्यायाम आदि से कैल्शियम को कम किया जा सकता है. सतर्क रहकर दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है.

विज्ञान और चिकित्सा जगत में हाल ही में हुई एक अध्ययन से पता चला है कि हार्ट में कैल्शियम का जमाव जानलेवा हो सकता है और यह दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है. वैज्ञानिकों ने देखा कि कोरोनरी आर्टरी, जो दिल को खून पहुंचाती है, में कैल्शियम का जमाव हो सकता है. इस जमाव को कैल्सीफिकेशन कहते हैं और यह धमनियों की सामान्य प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है, जिससे धमनियों में अवरुद्ध हो सकती है. कैल्शियम स्कोरिंग, जो की कार्डियेक CT स्कैन से किया जाता है, यह देखने के लिए होता है कि दिल की धमनियों में कितना कैल्शियम जमा हो रहा है. अधिक कैल्शियम स्कोर होने पर दिल की बीमारी होने का जोखिम अधिक होता है.

जानें कैसें इस बीमारी से बचा जा सकता है.

सही आहारः तेल, चर्बी, और अत्यधिक नमक से बचें. फल, सब्जियां और फाइबर युक्त आहार अधिक सेवन करें.

व्यायामः नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए, जैसे कि तेज चलना, जिम जाना या अन्य किसी भी प्रकार की व्यायामी गतिविधियों में भाग लेना.

धूम्रपान और शराब से परहेजः धूम्रपान और अधिक मात्रा में शराब का सेवन दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है.

वजन नियंत्रित रखेंः संतुलित वजन बनाये रखना भी दिल के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

डॉक्टर से परामर्शः यह सबसे महत्वपूर्ण है. डॉक्टर ही ठीक से बता सकते हैं कि आपको किस प्रकार का उपचार करवाना चाहिए.

कोरोनरी आर्टरी डिजीज (कोरोनरी धमनी की बीमारी) क्या है?

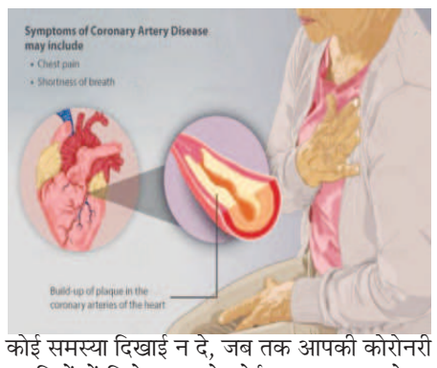

कोरोनरी आर्टरी (धमनी) रोग को 'कोरोनरी हृदय रोग' या 'हृदय रोग' भी कहा जाता है।

कोरोनरी धमनी रोग का विकास तब होता है, जब आपके हृदय को रक्त, ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति करने वाली प्रमुख रक्त वाहिकाएं (कोरोनरी धमनियां) क्षतिग्रस्त या बीमार हो जाती हैं। आपकी धमनियों में सूजन और कोलेस्ट्रॉल युक्त जमा हुआ पदार्थ (प्लाक) आमतौर पर कोरोनरी धमनी रोग के लिए उत्तरदायी हैं।

जब प्लाक जमना शुरू होता है, तो वह आपकी कोरोनरी धमनियों को संकीर्ण बना देता है और आपके हृदय में रक्त का प्रवाह कम कर देता है। अंत में रक्त प्रवाह में कमी के कारण एनजाइना, सांस लेने में तकलीफ या अन्य कोरोनरी धमनी रोग के संकेत और लक्षण दिख सकते हैं। जब प्लाक के द्वारा कोरोनरी धमनियां पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती हैं, तो दिल का दौरा पड़ सकता है।

चूंकि कोरोनरी धमनी रोग अक्सर दशकों में विकसित होता है, इसलिए हो सकता है कि आपको कोई समस्या दिखाई न दे, जब तक आपकी कोरोनरी धमनियों में विशेष रूप से कोई रुकावट न आये या दिल का दौरा न पड़े। लेकिन कोरोनरी धमनी रोग की रोकथाम और इलाज के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं। इस संबंध में एक स्वस्थ जीवन शैली बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

भारत में सीएचडी के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारकों में डिसलिपिडेमिया, धूम्रपान, मधुमेह (शुगर), उच्च रक्तचाप, मोटापा, मनोवैज्ञानिक तनाव, असंतुलित भोजन और शारीरिक निष्क्रियता हैं। इस महामारी से निपटने के लिए उपयुक्त रणनीतियां आवश्यक हैं।

क्या आपको भी पेट के ऊपरी हिस्से में अक्सर रहता है दर्द

ये है किस बीमारी का लक्षण और क्या है इलाज

आमतौर पर कहा जाता है कि पेट सही तो सब कुछ सही. लेकिन कई बार लापरवाही और गलत डाइट के चलते पेट में दर्द होने लगता है. ऐसे में अक्सर लोग पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द की शिकायत करते हैं. इस दर्द के यूं तो कई कारण हो सकते हैं लेकिन इसके मुख्य कारणों में अपच, गैस, पेप्टिक अल्सर या फिर नाभि खिसकना हो सकता है. गैसट्रिक अल्सर की स्थिति में भी पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द होने लगता है. ऐसे में पेट दर्द के लिए दवा तो मौजूद हैं लेकिन ज्यादा दवाओं के साइड इफेक्ट भी होते हैं. ऐसे में अगर आपके पेट में भी अक्सर दर्द रहता है तो कुछ घरेलू और आयुर्वेदिक उपायों से इस दर्द से राहत पाई जा सकती है.

पेट के दर्द से छुटकारा पाने के उपाय

हींग और दही की मदद से पेट में दर्द से मिलेगी छुट्टी

पेट में दर्द होने पर किचन में रखी हींग काफी असरदार साबित होती है. हींग में पाए जाने वाले एंटी स्पास्मोडिक गुण पेट में दर्द, जलन और ऐंठन को दूर करने में कारगर साबित होते हैं. जब पेट में दर्द हो तो एक गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग और जरा सा सेंधा नमक घोलकर पी लेना चाहिए. इससे पेट दर्द में काफी राहत मिलेगी. दही भी पेट दर्द को सही करने का एक शानदार उपाय है. इसमें पाए जाने वाले प्रीबायोटिक्स आंत में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं जिससे पेट में दर्द में काफी राहत मिलती है और अपच भी दूर हो जाती है. इसके लिए रोज एक कटोरी दही का सेवन करना काफी फायदा करेगा.

सौंफ और अजवाइन से मिलेगा पेट दर्द से छुटकारा

सौंफ भी पेट दर्द में काफी राहत देती है. इसमें पाचन के गुण होते हैं जो अपच, गैस, जलन, खट्टी डकार और गैसट्रिक अल्सर जैसी पेट संबंधी परेशानियों में काफी फायदा करती है.

एक बर्तन में एक गिलास पानी के साथ एक चम्मच सौंफ को उबालिए. पानी आधा रह जाए तो ठंडा करके पी लीजिए. इसके अलवा अजवाइन में भी पेट दर्द को ठीक करने के गुण होते हैं. इससे पेट की गैस सही होती है और पाचन की दिक्कतें भी दूर हो जाती हैं.

इसके लिए आधा चम्मच अजवाइन में चुटकी भर हींग और सेंधा नमक मिलाकर फंकी लें और गुनगुना पानी पी लें. जल्द ही पेट की गैस निकल जाएगी.

सिर्फ कैल्शियम से मजबूत नहीं होंगी हड्डियां, ये चीजें भी जरूरी

ज्यादातर लोग अपनी हड्डियों की सेहत या बोन डेंसिटी पर ध्यान नहीं देते हैं. वहीं कुछ लोगों लगता है कि हड्डियों को सिर्फ कैल्शियम की से मजबूत बनाया जा सकता है. यहां तक की हड्डियां कमजोर ना हो इसके लिए लोग कैल्शियम के सप्लीमेंट्स भी लेने लगते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कैल्शियम के सप्लीमेंट्स किडनी और दिल को नुकसान पहुंचा सकते हैं. जाहिर तौर पर कैल्शियम हड्डियों के लिए जरूरी है लेकिन हड्डियों की मजबूती में ये एक छोटा हिस्सा है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, बोन डेंसिटी के लिए कैल्शियम के अलावा ये 5 चीजें भी जरूरी हैं.

विटामिन डी थ्री (Vitamin D3)- शरीर में ज्यादा मात्रा में कैल्शियम अवशोषित नहीं हो पाता है. इसलिए कैल्शियम की ज्यादा डोज लेने का कोई फायदा नहीं है. अच्छा होगा कि आप कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन

डी थ्री भी लें. एक्सपर्ट्स के अनुसार अगर आपके शरीर में विटामिन डी 3 का स्तर कम है, तो आप कैल्शियम को अवशोषित नहीं कर पाएंगे. ये विटामिन सूर्य की रौशनी से शरीर में बनता है.

मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन K2 - हड्डियों की मजबूती के लिए आपको मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन K2 की भी जरूरत होती है. विटामिन K2 हड्डियों के घनत्व (Bone density) को बनाने में मदद करता है. अगर आप संतुलित डाइट लेते हैं तो आपको ये सब मिल सकता है.

प्रोटीन - हड्डी का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा प्रोटीन से बनता है. इसलिए ये बिल्कुल ना सोचें कि प्रोटीन बस मांसपेशियां बनाने के काम आता है. अपनी प्लेट 6 अलग-अलग रंग के फल और सब्जियां शामिल करें. अपनी प्लेट से कार्ब्स को दूर रखकर आप हेल्दी नहीं बन सकते हैं. कुछ लोग वजन कम करने के चक्कर में हड्डियों को बिल्कुल कमजोर कर लेते हैं. हड्डियों की मजबूती के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फिश और डेयरी प्रोडक्ट्स शामिल करें.

विटामिन सी - आमतौर पर लोगों को लगता है कि विटामिन सी सिर्फ इम्यूनिटी को बढ़ाता है लेकिन ये हड्डियों की कोशिकाओं में भी सुधार करता है. अपनी डाइट में संतेर, नींबू पानी, शिमला मिर्च, स्ट्रॉबेरी और ब्रोकली के जरिए विटामिन C बढ़ाने की कोशिश करें.

कैल्शियम की कमी से होने वाले रोग

जब मनुष्य के शरीर में पर्याप्त कैल्शियम नहीं होता तो कैल्शियम की कमी नामक एक बीमारी हो जाती हैं यह तब होती हैं जब आहार में पर्याप्त कैल्शियम की मात्रा नहीं होता हैं जिससे की मनुष्य को अनेक तरह के रोग हो जाते हैं जैसे की –

सूखा रोग में हड्डियां इतनी नाजुक और लचकदार हो जाती हैं की वह मुड़ने लगती हैं और सिर की हड्डियां भी कमजोर हो जाती हैं इन सब परेशानियों का कारण कैल्शियम की कमी होती हैं।

अगर किसी व्यक्ति के शरीर में लम्बे समय तक कैल्शियम की कमी हो जाती हैं तो स्किन ड्राई और नाखून भी ड्राई हो सकते हैं तथा कैल्शियम की कमी बालों को भी कमजोर करती हैं और त्वचा में सूजन और खुजली जैसी परेशानी होने लगती हैं और इन सब का कारण कैल्शियम की कमी होती हैं।

कैल्शियम की कमी से दांतों में दर्द की समस्या हो सकती हैं क्योकि शरीर में सबसे ज्यादा कैल्शियम दांतो और हड्डियों में जमा होता हैं इसलिए यदि कैल्शियम की कमी होती हैं तो दांतों को भी नुकसान पहुँचता हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी का होना अत्यधिक थकान का कारण बन सकता हैं जिससे की वह सुस्त व कमजोर महसूस करवा सकता हैं कैल्शियम की कमी के कारण कमजोरी से चक्कर भी आने लगते हैं और ब्रेन फोंग जैसी समस्या भो हो सकती हैं।

जब शरीर में कैल्शियम का स्तर कम होता है, तो हमारा शरीर हड्डियों से कैल्शियम को हटाना शुरू कर देता है, जिससे हड्डियां भुरभुरी हो जाती हैं और उनमें फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ जाता है। कैल्शियम की कमी से ऑस्टियोपीनिया की समस्या हो सकती है, साथ ही हड्डियों में मिनरल डेंसिटी कम सकती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है, इस स्थिति में आपकी हड्डियां पतली होने लगती हैं और उनमें फ्रैक्चर होने का खतरा होता है।

कैल्शियम की कमी के चलते आपको मांसपेशियों में ऐठंन का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप शरीर में पर्याप्त हीमोग्लोबिन और पानी की मात्रा होने के बाद भी मांसपेशियों में ऐंठन या खिंचाव का अनुभव कर रहे हैं तो यह कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है।

भाप लेना शरीर की बहुत-सी तकलीफों में आराम पहुंचाता है

सांस की समस्याओं से राहत

ज़ुकाम, खांसी और सिनसाइटिस के लक्षणों से छुटकारा दिलाने में भाप अत्यंत सहायक है, क्योंकि भाप लेने से उपयुक्त नमी के साथ गर्माहट भी मिलती है। इसे स्टीम थैरेपी भी कहते हैं जिसमें गर्म पानी की भाप को इन्हेल किया जाता है। भाप लेने से नाक, गले, और छाती को भी आराम मिलता है, कई शोध में देखा गया है कि गर्म नम हवा नासिका रंध्रों, गले और फेफड़ों में बलगम को हल्का करके राहत पहुंचाती है। इससे रंध्रों में जमे हुए और सूजे हुए ब्लड वेसेल्स यानी रक्त वाहिकाओं को राहत मिलती है जिससे सांस लेने में आसानी होती है और श्वसन तंत्र भी मज़बूत होता है। इसके अलावा अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से भी आराम मिल सकता है।

त्वचा के लिए सुरक्षा कवच

भाप लेने से चेहरे की थकान दूर होती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसके साथ ही ये चेहरे के रोम छिद्रों को खोलने में भी मदद करता है। ये ब्लैकहेड्स से भी छुटकारा दिलाने में सहायक है क्योंकि भाप लेने से ये मुलायम हो जाते हैं जिससे इन्हें आसानी से निकाला जा सकता है। ये लंबे समय तक त्वचा को जवां बनाए रखने में सहायक है। उम्र बढ़ने के साथ ही, आपकी त्वचा पर झुर्रियां आने लगती है। पर स्टीम लेने से मृत त्वचा कोशिकाओं से छुटकारा मिलता है और त्वचा की चमक बढ़ती है। स्टीम लेने से ये गंदगी बाहर निकल जाती है जिससे पिंपल्स की समस्या भी दूर होती है। डार्क सर्कल की समस्या दूर होने के साथ ही आंखों की थकान भी मिटती है। इसके अलावा भाप लेने से शरीर के विषैले पदार्थ, जैसे कीटाणु, बैक्टीरिया और अन्य संक्रमण भी बाहर निकल सकते हैं।

तनाव और थकान से राहत

भाप लेने से तनाव कम हो सकता है। इसके साथ ही दिल की धड़कन भी सामान्य होती है, जिससे शारीरिक और मानसिक थकान से निजात पाई जा सकती है।

सावधानियों से समाधान

भाप लेते समय सावधानी बरतना भी ज़रूरी है। अगर आपको खांसी, ज़ुकाम, अस्थमा जैसे लक्षण हैं या किसी रोग का संदेह है, तो डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है। वे आपको आपकी स्थिति के अनुसार सही उपाय बता सकते हैं।

भाप लेते समय ध्यान रखें कि आपका चेहरा बर्तन के ज़्यादा नज़दीक न हो।

पानी को अधिक गर्म न करें।

यदि आपके चेहरे के पोर्स ज़्यादा खुले हुए हैं तो भाप लेने से बचें।

भाप लेना कई प्रकार से लाभदायक है पर इसे अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल न करें। साथ ही, चिकित्सक से परामर्श लेकर ही भाप लें।

एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच घी मिलाकर पिएं, इन बीमारियों में मिलेगा आराम

घी ऑलओवर हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद है. खाना पकाने से लेकर इसे खाने तक में इस्तेमाल किया जाता है. घी विटामिन ए, डी, ई और के का अच्छा सोर्स है. देसी घी खाने से शरीर का सूजन भी खत्म हो जाता है. साथ ही आपकी हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा होता है. घी में हेल्दी फैट होता है.

पोषक तत्वों का एब्जॉर्प्शन

घी दूध में मौजूद वसा में घुलनशील विटामिन (ए, डी, ई और के) के एब्जॉप्शन में काफी मदद करता है. जो आपकी शरीर के लिए फायदेमंद है

हेल्दी फैट

घी में हेल्दी फैट होता है जो शरीर को पूरे दिन एनर्जेटिक रखता है.

हड्डी के लिए घी बेहद जरूरी है

घी और दूध का कॉम्बिनेशन बेहद अच्छा होता है उसमें कैल्शियम और विटामिन डी के लिए बेहद जरूरी है. यह बोन के हेल्थ में काफी ज्यादा फायदा पहुंचाता है. जोड़ों के दर्द में काफी ज्यादा राहत दिलाता है. शरीर को लचीलापन रखता है.

पेट के लिए है फायदेमंद

घी पेट के एसिड को कम करता है. पाचन तंत्र को स्वास्थ्य रखकर पाचन में सहातयता देता है.

मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है

दूध में घी मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में भी मदद मिलता है, जो बेहतर वजन घटाने में बेस्ट है.

बेहतर नींद को बढ़ावा देता है

एक अच्छी नींद चाहिए तो आराम से एक गिलास गर्म दूध बेहद जरूरी है. इसमें आप थोड़ा सा पोषक के हिसाब से घी मिला लीजिए. इससे आपको बेहतर नींद आएगी.

आपको दूध में कितना घी डालना चाहिए?

एक गिलास दूध में एक चम्मच घी सही है. इसे आप अपने स्वाद के हिसाब से मिला लें.

घी खाने का सबसे अच्छा समय क्या है?

आप सोने से पहले या सुबह-सुबह घी वाले दूध जरूर पिएं.

घी वाला दूध एनर्जी लेवल बढ़ाता है

सोने से पहले

रात में इसका पीना फायदेमंद हो सकता है. शरीर में सभी पोषण मेंटेन रखता है.

क्या हर्निया का इलाज ऑपरेशन है

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है । आयुर्वेद में इलाज बताएं।

- सर्वेश्वर राव, मेदक

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही ₹गाउट₹ नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है। शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है। आयुर्वेद में इसका उपचार है । एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है। मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें। उड़द, कुलथी, गन्ने का रस, दही आदि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

प्रश्न : मैं हर्निया रोग से करीब 2 वर्ष से पीड़ित हूं । कृपा कर इसका इलाज बताएं।

- मोहम्मद यूसुफ, हैदराबाद

उत्तर : आंत या आंत के दूसरे भागों का छेद द्वारा नीचे खिसक कर अंडकोष या रांग में एकत्र हो जाना 'हर्निया' कहलाता है। इसका इलाज ऑपरेशन के द्वारा छेद बंद करके होता है। यह रोग दवाओं के द्वारा ठीक नहीं हो सकता। जैसे कमीज फटने पर दर्जी की ही जरूरत होती है वैसे ही हर्निया में जो धानवंतर संप्रदाय का रोग है, शल्य चिकित्सा की आवश्यकता होती है। हां- हर्निया में कुछ विशेष

सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। वजन नहीं उठाना, जोर से नहीं हंसना, शौच के समय जोर नहीं लगाना, दौड़ना नहीं, किसी भी हालत में कब्जियत नहीं रहने देना। हर्निया का बेल्ट लगाकर ऑपरेशन को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। हां- आखिर में ऑपरेशन ही इसका एकमात्र इलाज है। कब्ज की स्थिति में पंचसकार चूर्ण या ऊंझा निरोग चूर्ण का रात सोते समय उचित मात्रा में प्रयोग करने पर लाभ होता है । भोजन के बाद ऊंझा अभयारिष्ट 20 मिलीलीटर दवा को दोगुने गुनगुने पानी से लेने पर भी कब्ज से छुटकारा मिलता है। औरा का लैक्झोल पाउडर भी कब्ज को दूर करने में उत्तम योग साबित हुआ है।

प्रश्न : मैं कॉलेज स्टूडेंट हूं। चेहरे पर एक्ने और ब्लैकहेड्स होते जा रहे हैं। इससे छुटकारा पाने क्या करूं? कृपा कर बताएं!

- मनोहर रेड्डी, खम्मम

उत्तर : अधिकांश किशोर वय के युवाओं की यही समस्या है। इस उम्र में हार्मोनल बदलाव की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इस कारण चेहरे पर सीबम का रिसाव होने लगता है। यदि इस तैलीय पदार्थ के बाहर निकलने में कुछ बाधा आती है तब यह मुंहासे और ब्लैकहेड्स की शक्ल अख्तियार करते हैं। मलबद्धता यानी कब्जियत इस स्थिति को और खराब करती है। अतः यह ध्यान रहे कि किसी भी स्थिति में हर दिन पेट साफ होता रहे। इसके लिए आप रात सोते समय औरा लैक्झोल पाउडर या फिर ऊंझा निरोग चूर्ण या स्वादिष्ट विरेचन चूर्ण लेवें। जितना हो सके ताजा फल और सलाद खाएं। यह शरीर को डिटॉक्सिफाई करेगा ।औषधि में ऊंझा रक्त शोधक सिरप लेवें। कैशोर गुग्गुल ,महामंजिष्ठादि घन टिकिया व गंधक रसायन टैबलेट भोजन के बाद लेवें। रात में सोने से पहले नींबू व तुलसी का रस बराबर मात्रा में लेकर ब्लैक व्हाइट हेड्स पर लगाएं । रात भर लगे रहने दें। सुबह उसे गुनगुने पानी से धो लेवें। कुछ ही दिनों में चेहरा मुंहासे व ब्लैकहेड से मुक्ति पाकर तरोताजा खिल उठेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

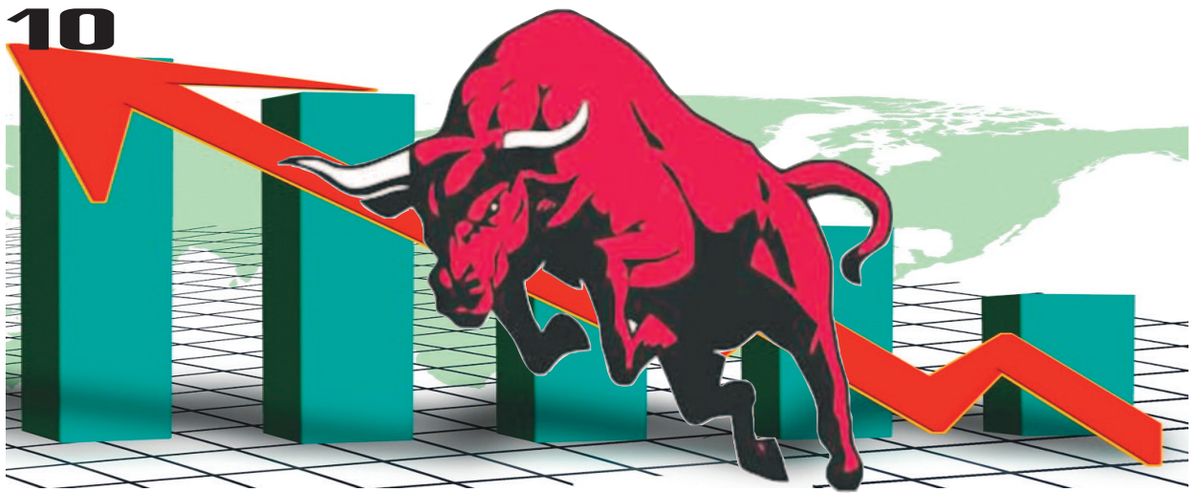

भारतीय रेलवे इन यात्रियों को देती है किराये में 75 फीसदी तक छूट, चेक करें डिटेल

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे दुनिया में चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। रेलवे से हर दिन करोड़ों की संख्या में लोग सफर करते हैं। भारतीय रेलवे कुछ लोगों को यात्रा करने पर किराये में छूट देता है। यह छूट बीमार व्यक्तियों से लेकर दिव्यांगजनों और अन्य लोगों को दिया जाता है। आइए जानते हैं किन-किन लोगों को रेलवे की ओर से किराये में छूट दिया जाता है। भारतीय रेलवे गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को रेल किराये में छूट देता है। वहीं मानसिक रूप से विकलांग और पूरी तरह से दृष्टबाधित यात्रियों को ट्रेन किराये में छूट देता है, जो किसी अन्य व्यक्ति के बिना यात्रा नहीं कर सकते हैं। ऐसे यात्रियों को 3एसी, स्लीपर, जनरल क्लास में टिकट बुकिंग पर 75 फीसदी तक की छूट दी जाती है। इन यात्रियों को रेलवे की ओर से राजधानी और शताब्दी जैसी ट्रेनों के फर्स्ट एसी और सेकेंड एसी में 50 फीसदी किराये में छूट और 3एसी और एसी चेयर कार में 25 फीसदी तक किराये में छूट की पेशकश की जाती है। वहीं जो व्यक्ति बोलने और सुनने में पूरी तरह से सक्षम हैं, उसे 50 फीसदी तक की छूट दी जाती है। वहीं ऐसे व्यक्तियों के साथ जाने वाले को भी किराये में समान छूट मिलती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 46वें एजीएम में बड़े एलान

मुकेश अंबानी बोले- भारत को रोका नहीं जा सकता

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 46वीं एजीएम शुरू हो गई है। एजीएम के दौरान बोलते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया ने कहा कि नया भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। इसे रोका नहीं जा सकता है।

नीता अंबानी बोलीं- दस वर्षों में 50 हजार छात्रों की मदद करेंगे

नीता अंबनी ने ने रिलायंस के 46वें एजीएम के दौरान कहा कि हमने अपने संस्थापक अध्यक्ष धीरूभाई अंबानी की 90 वीं जयंती मनाई। श्रद्धांजलि के रूप में, हमने 10 वर्षों में आरएफ यूजी और पीजी छात्रवृत्ति के माध्यम से 50 हजार छात्रों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई है। हमने इस साल 5100 छात्रवृत्तियां प्रदान कीं।

जियो सिनेमा ने 45 करोड़ दर्शकों का विश्व रिकॉर्ड बनायाः मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को शेयरधारकों की 46वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि रिलायंस के मीडिया और मनोरंजन कारोबार ने पिछले साल बढ़िया प्रगति की, इसमें जियो सिनेमा का सबसे ज्यादा योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पहली बार, आईपीएल को जियो सिनेमा पर मुफ्त स्ट्रीम किया गया और इसे 45 करोड़ दर्शकों के साथ एक विश्व रिकॉर्ड बनाया।

जेएफएस बीमा उद्योग में प्रवेश करने के लिए तैयारः मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मुंबई में 46वीं वार्षिक आम बैठक 2023 को संबोधित करते हुए कहा, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) बीमा उद्योग में प्रवेश करने के लिए तैयार है।

कैम्पा कोला को वैश्विक ब्रांड बनाने का काम शुरूः ईशा अंबानी

ईशा अंबानी ने मुंबई में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 46वीं वार्षिक आम बैठक 2023 में कहा, हमने पिछले साल की एजीएम में अपने एफएमसीजी कारोबार को शुरू करने की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों पर विश्वस्तरीय उत्पाद

उपलब्ध कराना था। इस व्यवसाय ने कई ब्रांडों और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से कई श्रेणियों में प्रवेश करके एक मजबूत शुरुआत की। हमारे एफएमसीजी कारोबार का एक प्रमुख स्तंभ भारतीय ब्रांडों को आज के भारतीय उपभोक्ताओं के लिए समकालीन बनाना है, जो सदियों पुराने ब्रांड के वादे को बरकरार रखता है। हमने कैंपा कोला और लोटस जैसे कई ब्रांडों का अधिग्रहण और साझेदारी की है। हमने शानदार भारतीय स्वाद के वादे के साथ कैंपा कोला लॉन्च किया है और उपभोक्ताओं ने इसे तहे दिल से अपनाया है। हम भारत में इसे और आगे बढ़ा रहे हैं और एशिया और फिर अफ्रीका से शुरू करके इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए काम भी शुरू कर दिया है।

दिसंबर 2023 तक पूरे भारत में पहुंचेगी 5जी सेवाः मुकेश अंबानी

जियो के कुल ग्राहकों की संख्या 45 करोड़ के पार है। भारत में सबसे तेज 5जी रोलआउट हुआ है। औसत यूजर हर महीने 25 जीबी डेटा का इस्तेमाल करते हैं। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो का रेवेन्यू ऑल टाइम हाई पर है। जियो का प्रतिमाह डेटा ट्रैफिक 1100 करोड़ जीबी है। मुकेश अंबानी ने 46वें एजीएम में कहा कि सिर्फ नौ महीनों में देश के 96% शहरों में जियो 5जी का फैलाव हो गया है। दिसंबर तक पूरे भारत में 5जी सेवा पहुंच जाएगी। देश की कुल 5जी सेवा में करीब 85% नेटवर्क हिस्सेदारी जियो की है। हर 10 सेकेंड में एक 5जी उपभोक्ता जुड़ रहा है।

मुकेश अंबानी का एलान- जियो एआई के क्षेत्र में काम करेगा

जियो एआई के क्षेत्र में काम करेगा। रिलायंस ग्रुप के अंदर हम ऐसा टैलेंट पूल बना रहे हैं, जो एआई से जुड़े नवाचार की क्षमताएं रखता हो। हमें एआई का डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। हम 2000 मेगावॉट की एआई कैपेसिटी बनाने जा रहे हैं। मैं देश से एक वादा करना चाहता हूं। सात साल पहले हमने जियो कनेक्टिविटी का वादा किया था। अब मैं वादा करना चाहता हूं कि जियो हर एक व्यक्ति के लिए एआई हर कहीं उपलब्ध कराएगा।

जियो का ऑप्टिकल फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे भारत में 15 लाख किमी तक फैलाः रिलायंस

46वें एजीएम के दौरान कंपनी ने बताया कि जियो का ऑप्टिकल फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे भारत में 15 लाख किमी तक फैला हुआ है। ऑप्टिकल फाइबर पर ग्राहक औसतन प्रति माह 280 जीबी से अधिक डेटा का उपयोग करता है, जो जियो की प्रति व्यक्ति मोबाइल डेटा खपत से 10 गुना अधिक है।वार्षिक आम सभा में जियो एयर फाइबर के साथ ही 'जियो टू 5जी डेवलपर प्लेटफ़ॉर्म' और 'जियो टू 5जी लैब' के लॉन्च की भी घोषणा की गई। लॉन्च की घोषणा करते हुए जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि, "हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जो भारतीय उद्यमों, छोटे व्यवसायों और प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप्स के डिजिटल दुनिया के साथ इंटरेक्शन के तरीकों को बदल देगा।

जियो स्मार्टहोम सर्विसेसः स्मार्टफोन से कंट्रोल होगा जियो होम नेटवर्क, एआई तकनीक की ले सकेंगे मदद

स्मार्टफोन से आप जियो होम नेटवर्क को कंट्रोल कर सकेंगे। एआई पावर्ड तकनीक भी इसमें आपकी मदद करेगी और संदेहास्पद लिंक के बारे में आपको आगाह करेगी। जियो होम के जरिए आप घर के लोगों और मेहमानों के लिए वाई फाई एक्सेस को रोक सकेंगे हैं या उन्हें एक्सेस दे सकेंगे। जियो होम एप के जरिए स्मार्टफोन को आप गेम कंट्रोलर की तरह भी इस्तेमाल कर सकेंगे। जियो होम के फोटो फीचर के जरिए आप पुरानी यादगार तस्वीरों को कहीं भी देख सकेंगे। जियो होम के जरिए आप घर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे भी एक्सेस कर पाएंगे।

जियो एयर फाइबर का इंतजार खत्म, गणेश चतुर्थी के दिन होगा लॉन्च

जियो के एयर फाइबर का इंतजार खत्म हुआ, गणेश चतुर्थी के दिन यानी 19 सितंबर को इसे लॉन्च किया जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की सालाना आम सभा में इसकी घोषणा की। जियो एयर फाइबर, 5जी नेटवर्क और बेहतरीन वायरलेस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर, घरों और दफ्तरों में वायलेस ब्राडबैंड सर्विस देगा। दूरसंचार के क्षेत्र में जियो एयर फाइबर के उतरने से उथल पुथल की संभावना है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की आम सभा में मुकेश अंबानी ने कहा कि "1 करोड़ से अधिक परिसर हमारी ऑप्टिकल फाइबर सर्विस, जियो फाइबर से जुड़े हैं। अभी भी लाखों परिसर ऐसे हैं जहां वायर कनेक्टिविटी देना मुश्किलों भरा है।

जियो एयर फाइबर इस मुश्किल को आसान करेगी। इसके जरिए हम 20 करोड़ घरों और परिसरों तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। जियो एयर फाइब के आने से हर दिन जियो 1.5 लाख नए ग्राहक जोड़ पाएगा।

सीमित संसाधानों के बावजूद भारत चुनौतियों को मात दे रहा', रिलायंस एजीएम में बोले बिल गेट्स

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के 46वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान बोलते हुए माइकोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने जलवायु परिवर्तन, गरीबों के उत्थान और पोलियो उन्मूलन की दिशा में भारत की उपलब्धियों की सराहना की। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा, गेट्स फाउंडेशन ने दो दशकों से अधिक समय से भारत में काम किया है, और हर बार जब मैं इस देश का दौरा करता हूं, तो मैं महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और विकास चुनौतियों पर की जा रही प्रगति के बारे में जानकर उत्साहित होता हूं।

तीन वर्षों में दस लाख महिलाओं की मदद करने का एलान

संसाधनों की कमी के बावजूद, भारत ने पोलियो का उन्मूलन किया। भारत ने गरीबी, एचआईवी संचरण और शिशु मृत्यु दर कम करने में सफलता हासिल की। स्वच्छता और वित्तीय सेवाओं तक भारत की पहुंच बढ़ी है। इसलिए मैं न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत के नवाचार से बहुत प्रभावित हूं, बल्कि नवाचारों को उन लोगों तक पहुंचाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। मुझे खुशी है कि रिलायंस हमारे फाउंडेशन और मेरे जलवायु संगठन ब्रेकथ्रू एनर्जी के साथ सहयोग कर रहा है। हम जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने वाली दुनिया की कुछ सबसे कठिन चुनौतियों पर, महिलाओं के लिए आर्थिक शक्ति को अनलॉक करने में मदद करने, और गरीबों के लिए स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

रिलायंस - जियो फाइनेंशियल में रही गिरावट

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है। बैंकिंग, ऑटो और मिड कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में तेजी देखने को मिली है। हालांकि रिलायंस के एजीएम के दिन रिलायंस और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का स्टॉक गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने बीएसई सेंसेक्स 110 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, इंफ्रा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। जबकि आईटी, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में मिड कैप और स्मॉल कैप

शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयर में 17 शेयर तेजी के साथ और 13 गिरावट के साथ बंद हुआ है। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 29 तेजी के साथ और 21 गिरावट के साथ बंद हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

आज के ट्रेड में शेयर बाजार में तेजी के बाद निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 307.89 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो इसके पहले सेशन में 306.74 लाख करोड़ रुपये रह था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.15 लाख करोड़ करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर

आज के ट्रेड में पावर ग्रिड 2.50 फीसदी, लार्सन 2.09 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.95 लाख करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक 1.01 फीसदी, सन फार्मा 0.89 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.87 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.68 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि रिलायंस 1.11 फीसदी, नेस्ले 0.97 फीसदी, एचसीएल टेक 0.67 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सोने के दाम चढ़े, चांदी में मामूली तेजी, राखी से पहले सर्राफा बाजार में रौनक

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सर्राफा बाजार में आजकल रौनक नजर आ रही है और सोने-चांदी के दाम में तेजी देखी जा रही है। आज सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। हालांकि चांदी से ज्यादा उछाल सोने में दिख रहा है। देश के कमोडिटी एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज 100 रुपये से ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

एमसीएक्स पर कैसे हैं सोने के दाम

एमसीएक्स पर सोना आज 108 रुपये या 0.18 फीसदी की मजबूती के साथ 58748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसके ऊपर में दाम देखें तो ये 58785रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था। इसके नीचे के दाम की बात करें तो ये 58685 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था। सोने के ये दाम इसके अक्टूबर वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी के दाम में हल्की तेजी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के रेट आज 38 रुपये की मामूली तेजी के साथ बने हुए हैं। इसमें 73587 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार देखा जा रहा है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी 73480 रुपये के निचले रेट तक आ जा पहुंची थी और ऊपर में इसके रेट 73668 रुपये प्रति किलो तक गए थे। चांदी के ये रेट इसके सितंबर वायदा के लिए हैं।

ग्लोबल बाजार में कैसे हैं सोने और चांदी के दाम

ग्लोबल बाजार में कॉमैक्स पर सोने के दाम अच्छी उछाल के साथ बने हुए हैं। कॉमैक्स पर सोना 2.75 डॉलर या 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 1,942.65 डॉलर प्रति औंस के रेट पर है। इसके ये रेट दिसंबर 2023 कॉन्ट्रेक्ट के लिए हैं।चांदी की बात करें तो इसके कॉमैक्स पर रेट में घरेलू बाजार की ही तरह मामूली तेजी देखी जा रही है। सिल्वर में आज 24.242 डॉलर प्रति औंस के रेट देखे जा रहे हैं और ये 0.03 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रही है। सिल्वर के ये रेट इसके सितंबर 2023 कॉन्ट्रेक्ट के लिए हैं।

जनधन योजना से वित्तीय समावेशन में क्रांति आई

मंत्री बोलीं- 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश में अब तक खोले गए 50 करोड़ जनधन खातों में दो लाख करोड़ रुपये जमा हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जन खातों को बड़ी उपलब्धि बताया है। वित्त मंत्री ने सोमवार को कहा कि जनधन योजना के जरिए आए बदलाव और डिजिटल परिवर्तन ने देश में वित्तीय समावेशन के मामले में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए 50 करोड़ से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में जोड़ा गया, जिनकी संचयी जमा राशि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

पीएमजेडीवाई की नौंवी वर्षगांठ पर बोलीं- वित्त मंत्री

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) की नौवीं वर्षगांठ पर सीतारमण ने कहा कि 55.5 प्रतिशत बैंक खाते महिलाओं की ओर से खोले गए हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है। योजना के तहत बैंक खातों की संख्या मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से 3.4 गुना बढ़कर 16 अगस्त 2023 तक 50.09 करोड़ हो गई। कुल जमा राशि भी मार्च 2015 तक 15,670 करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त 2023 तक 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पीएमजेडीवाई के जरिए लाए गए बदलावों और डिजिटल परिवर्तन से नौ वर्षों में भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में क्रांति आई है। हितधारकों, बैंकों, बीमा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों के सहयोगात्मक प्रयासों से पीएमजेडीवाई देश में वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई...।

वित्त राज्य मंत्री बोले- पीएमजेडीवाई खाते डीबीटी जैसी पहल का आधार बने

वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने कहा कि जनधन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ने आम आदमी के खातों में सरकारी लाभों के सफल हस्तांतरण को सक्षम बनाया है। कराड ने कहा, पीएमजेडीवाई खाते प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी जन-केंद्रित पहल का आधार बन गए हैं। इसने समाज के सभी वर्गों, खासकर वंचित वर्ग के समावेशी विकास में योगदान दिया है। वित्तीय समावेशन पर राष्ट्रीय मिशन यानी प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को की गई थी। यह देश के वित्तीय परिदृश्य को बदलने में सफल रहा है। पीएमजेडीवाई खाताधारकों को कई लाभ प्रदान करता है। इसमें खाते में न्यूनतम राशि रखने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा मुफ्त रुपे डेबिट कार्ड, दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा जैसी सेवाएं इसमें शामिल हैं। शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई।

अच्छे ग्लोबल संकेतों के चलते बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में खुले। हालांकि बाजार में शुरुआती कारोबार में बिकवाली दिखी पर फिर बाजार संभल गया। सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर सेंसेक्स 105.33 (0.16%) अंक चढ़कर 64,991.84 जबकि निफ्टी 44.50 (0.23%) अंक मजबूत होकर 19,310.30के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-05** सूर्य अस्त- **18-28**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - **14 -48** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , मंगलवार **29 August**
नक्षत्र - श्रवण - **23-49** तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शोभन - **01 - 50** - तक उप अतिगण्ड
करण- तैतिल - **14 -48** - तक उप- गर
विशेष:- रक्षाबंधन पर्व- भद्रा उपरान्त
व्रत -त्योहार - **30 August** रात **-9-02** से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-16 बजे
चंद्र-	मकर में	कन्या..	07-23 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-28 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-38 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-52 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-59 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-49 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-27 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-02 बजे
		वृष--	22-48 बजे
		मिथुन..	00-48 बजे
		कर्क...	02-01 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:05 - 07:36 अशुभ	काल.	18:28 - 19:58 अशुभ
उत्पात	07:36 - 09:10 अशुभ	लाभ	19:58 - 21:24 शुभ
चंचल	09:10 - 10:43 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:51 अशुभ
लाभ	10:43 - 12:17 शुभ	शुभ	22:51 - 00:17 शुभ
अमृत	12:17 - 13:51 शुभ	अमृत	00:17 - 01:44 शुभ
काल	13:51 - 15:24 अशुभ	चंचल	01:44 - 03:10 शुभ
शुभ	15:24 - 16:58 शुभ	रोग	03:10 - 04:36 अशुभ
रोग	16:58 - 18:28 अशुभ	काल	04:36 - 06:05 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपना मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखें-जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। मन जीवन का प्रवेश द्वार है क्योंकि सब कुछ चाहे वह अच्छा हो या बुरा मन के माध्यम से ही आता है। यह जीवन की समस्याओं को हल करने में मदद करता है और व्यक्ति को अपेक्षित रोशनी प्रदान करता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

सावधान रहें कि जब स्वास्थ्य का मामला हो तो स्वयं को नज़रअंदाज़ न करें। आज आपको अपने पैसे बचाने में समस्या होगी - आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च कर सकते हैं या अपना बटुआ खो सकते हैं - लापरवाही के कारण कुछ नुकसान निश्चित हैं। आज मिलने वाले खाली समय का लाभ उठाएँ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। बीमारी से ध्यान हटाने के लिए खुद को किसी काम में व्यस्त रखें क्योंकि आप अपनी बीमारी के बारे में जितना अधिक बात करेंगे, बीमारी उतनी ही बदतर होती जाएगी। आज धन हानि की आशंका है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

रचनात्मक शौक आपको तनावमुक्त रखेंगे। अपने अतिरिक्त पैसे को किसी सुरक्षित स्थान पर रखें जिससे आने वाले समय में आपको लाभ मिलेगा। बच्चों के साथ वाद-विवाद निराशाजनक रहेगा। प्रेम यात्रा मधुर, लेकिन अल्पकालिक होगी। आज आपको काम पर बहुत गुस्सा आ सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपनी नफरत को ख़त्म करने के लिए सामंजस्यपूर्ण स्वभाव विकसित करें क्योंकि यह प्यार से अधिक शक्तिशाली है और आपके शरीर पर घातक प्रभाव डालती है। याद रखें बुराई की जीत अच्छाई की तुलना में जल्दी होती है। आपके माता-पिता का सहयोग मिलने से वित्तीय परेशानियाँ ख़त्म होती नज़र आ रही हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज यात्रा करने से बचें- क्योंकि इससे केवल तनाव और चिंता ही बढ़ेगी। अनावश्यक नुकसान से बचने के लिए सभी निवेश सावधानीपूर्वक और उचित परामर्श के साथ करने की आवश्यकता है पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी- आपके दिमाग में तनाव लाएँगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका मन अच्छी चीज़ों के प्रति ग्रहणशील रहेगा। लंबित मुद्दे और अधिक संदिग्ध हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य चिंता और चिंता का कारण बनता है। अपने प्रिय की निष्ठा पर संदेह न करें। इस राशि के जातकों को कार्यस्थल पर जरूरत से ज्यादा बोलने से बचना चाहिए।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग में परेशान न करने दें। आपको समय और पैसे की कद्र करनी चाहिए वरना आने वाला समय परेशानियों और चुनौतियों से भरा होगा। आपके परिवार वाले आपके प्रयास और समर्पण की सराहना करते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

क्षणिक आवेग में निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, इससे आपके बच्चों के हित को नुकसान पहुंच सकता है। हालाँकि आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन धन का बहिर्वाह अभी भी आपकी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में बाधा उत्पन्न करेगा।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

चिंता के विचार आपकी ख़ुशी को बर्बाद कर सकते हैं। अनुमति न दें क्योंकि यह केवल विनाशकारी शक्ति का पालन करती है और बुद्धि में निराशाजनक बीज बोती है। ख़ुद को हमेशा सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करने के लिए प्रोत्साहित करें और दुर्घटनाओं में भी हास्यास्पद देखने का प्रयास करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक पूरे करने या वे काम करने में लगाना चाहिए जिनमें आपको सबसे ज्यादा आनंद आता है। स्वेच्छा से खर्च न करें अन्यथा आप खाली जेब घर लौटेंगे। रिश्तों के बंधन और संबंधों को फिर से ताज़ा करने का दिन।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अनावश्यक तनाव और चिंता आपके जीवन का रस सोख सकती है और आपको शुष्क बना सकती है। बेहतर होगा कि आप इनसे छुटकारा पा लें अन्यथा ये आपकी समस्या को और बढ़ा देंगे। सभी प्रतिबद्धताओं और वित्तीय लेनदेन को सावधानी से संभालने की आवश्यकता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अफगानिस्तान में महिलाओं की पत्थरों से हत्या

तालिबानी कमांडर बच्चियों से शादी करते, औरतों को कैदियों जैसा रखते हैं

काबुल, 28 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बचपन से ही डर, खौफ, गुरबत में पली-बढ़ी एक ऐसी पत्रकार की कहानी जिसने अफगानिस्तान जैसे मुल्क में रहकर भी पढ़ाई-लिखाई करने की हिम्मत दिखाई और आज वो अपने ही मुल्क की महिलाओं के हालात से दुनिया को रू-ब-रू करा रहीं हैं, ताकि तालिबानों के चंगुल से वहां की महिलाओं को निकाला जा सके। नफरत की आग में झुलस रहे अफगानिस्तान में वापिस तालीम की मशाल जले।

मेरा जन्म अफगानिस्तान के एक प्रांत के सबसे पिछड़े जिले में हुआ, और पूरा बचपन वहीं गुजरा। अफगानी समाज के रीति-रिवाज, तौर तरीकों को बेहतर ढंग से समझती और फॉलो करती हूं। मेरी परवरिश भी एक गरीब परिवार में हुई। लेकिन मेरा परिवार शिक्षा के मामले में बहुत अमीर था। स्कूल घर से बहुत दूर था। मुझे स्कूल पहुंचने में पूरा एक घंटा लग जाता। आज भी याद है कि गर्मी के दिनों में लू के थपेड़ों के बीच तंबू के नीचे क्लास चलती और पढ़ाई होती।

मेरे शहर में इतनी गरीबी है कि ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाएं और बच्चों की मौत सिर्फ इसलिए हो जाती है कि दो वक्त की रोटी भी उन्हें नसीब नहीं होती, दवाइयां तो दूर की बात है। यही वजह है कि पिछले कई सालों से, मां और मेरी दो बहनें प्रेग्नेंट महिलाओं और उनके होने वाले बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं देने का काम कर रही हैं।

मेरी अम्मी सोशल वर्कर हैं। अफगानिस्तान की रूढ़िवादी सोच, ट्रेडिशनल कल्चर के बावजूद वो प्रेग्नेंट महिलाओं की सेहत के लिए काम करने की हिम्मत जुटा पाईं। मां सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी आदर्श बनीं।बाबा ने कभी भी हम बहनों पर जिंदगी जीने के लिए किसी तरह की कोई बंदिश नहीं लगाई। उन्होंने कभी तालिबानी शासन घर में काबिज नहीं होने दिया। हमेशा हमें आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट किया। जबकि हमारा सपोर्ट करने के लिए पड़ोसी बाबा का मजाक उड़ाते थे, लेकिन वो सबकी बातों को नजरअंदाज कर हमेशा हमारी ताकत बने रहे। हम गरीबी में भी खुश थे।

मेरा परिवार भी दूसरे अफगान परिवार की तरह यहां की कुरीतियों, परंपरा और संस्कृति से अलग नहीं बचा। रोजाना हमले होते। दिल दहला देने वाले हादसे जिंदगी का हिस्सा बने। अक्सर हमलों की वजह से होने वाले नुकसान का शिकार होना पड़ता। गुरबत झेली, बुनियादी जरूरतों के बिना जीने को मजबूर रहे। स्कूल की पढ़ाई खत्म करके मैं परिवार के साथ काबुल आ गई। काबुल देश की राजधानी भी है। यहां की आबादी भी बहुत ज्यादा है। एकदम से गांव से निकलकर इतने बड़े शहर में आ बसना मेरे लिए चुनौतियों से भरा सफर रहा। इस शहर में अफगानिस्तान का हर स्टेट, कल्चर, कास्ट बसता है। मैं और मेरा परिवार भी उसी का हिस्सा बने।

काबुल की गलियों में घूमकर मैंने एक चीज नोटिस की कि मैं यहां बेबाकी के साथ बाहर सड़कों और गलियों में जा सकती हूं। क्योंकि अफगान समाज में एक महिला की घर के बाहर मौजूदगी किसी सजायाफ्ता गुनाह से कम नहीं है। तालिबान हमेशा से महिलाओं को बंदिशो में बंधकर नजरबंद करने की मांग करता है। उन्हें काबुल की सड़कों पर महिलाओं को देखना पसंद नहीं है। लेकिन अब अफगानिस्तान में महिलाएं इसका विरोध करने लगी हैं।

रोटी, काम और आजादी के नारों के साथ महिलाओं ने दिखा दिया है कि वे तैयार हैं। महिलाओं ने घर से बाहर निकलने के लिए गलियों का सहारा लिया। हालांकि यह कोई आसान रास्ता नहीं था लेकिन हिम्मत और हौसले के साथ कहीं न कहीं से कोई शुरुआत तो करनी ही थी।

महिलाओं ने उत्पीड़न के खिलाफ कुरबानी दी और तालिबानियों ने उन्हें कई बार पीटा और कैद किया। अगर हमारे ऊपर तालिबान द्वारा थोपी गई बंदिशें हैं तो महिलाएं भी अपनी मौजूदगी का अहसास करा उन्हें चुनौती देती हैं। लेकिन सरकारी और गैर -सरकारी संस्थानों में, बदकिस्मती से महिलाओं की कमी खटकती है, जो महिलाओं को कमजोर बनाती है। अफगानिस्तान के ग्यारह से ज्यादा प्रांतों में, मीडिया के क्षेत्र में कोई महिला पत्रकार नहीं है।

सोशल और कल्चर एक्टिविटी में हिस्सा लेने से देश के हालात और चुनौतियों को समझने में मदद मिली। बलिदान के इस

रास्ते पर चलकर बहुत कामयाबी मिलीं। काबुल के एक लोकल रेडियो स्टेशन में काम करने का मौका मिला। मैं पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएट हूं और इंटरनेशनल रिलेशन में मास्टर्स की डिग्री भी रखती हूं । अफगानिस्तान पर तालिबानों के दोबारा काबिज होने के ठीक डेढ़ महीने पहले ही मैंने अपनी मास्टर्स की थीसिस जमा कर दी थी।

मुझे अपने जर्नलिज्म के काम पर नाज है। अफगानिस्तान में मीडिया बहुत नया है, लेकिन इन बीस सालों में अफगानिस्तान की मीडिया में ह्यूमन राइट्स, वुमन राइट्स जैसे कार्यक्रम बहुत सुर्खियों रहे। यह कहा जा सकता है कि अफगानिस्तान में मीडिया लोगों के लिए यूनिवर्सिटी की तरह काम करता है। लोगों को उनकी चुनौतियों और समस्याओं के बारे में बात करने का मौका देने के अलावा, उन्हें अपनी राय रखने का भी मौका देता है।

कई साल पहले, अफगान समाज में महिलाओं की मौजूदगी शर्मनाक समझी जाती थी, लेकिन हाल ही में, स्पोर्टस, मीडिया और पॉलिटिक्स समेत कई क्षेत्रों में महिलाओं की मौजूदगी अफगानिस्तान का नया चेहरा लेकर उभरी है।

मीडिया में महिलाओं के काम के बारे में लोग नेगेटिव सोच रखते हैं। महिलाओं के काम पर तालिबान और आईएसआईएस का खतरा मंडराता है। अफगान मीडिया में काम करने के लिए साहस और मजबूत इरादे होने जरूरी हैं, क्योंकि हर दिन हम विस्फोटों, आतंक और युद्ध की खबरों का सामना करते हैं या उनके बीच से गुजरते हैं।

जिस समाज में मैं पली-बढ़ी, वहां महिलाओं के हालात किसी कैदी से कम नहीं हैं। महिलाओं पर जुल्म लंबे वक्त से चल रहे हैं। लेकिन ऊपर वाले का शुक्र है कि दूसरी अफगानी महिलाओं की तरह मुझे ये सब कभी नहीं झेलना पड़ा।

खैर, ईमानदारी से कहें तो अफगानिस्तान में युद्ध के साये में दिन-रात गुजारना भयानक था और आज भी है। हर दिन बम फटने की आवाज, युद्ध में बेकसूर अवाम और बच्चों की बड़ी संख्या में मौतें, दिल दहलाने वाले हादसे देखने और सुनने को मिलते हैं। बतौर पॉलिटिकल न्यूज प्रोड्यूसर युद्ध पीड़ितों के आंकड़े जानना और उन्हें गिनती में लिखना मेरे लिए सबसे मुश्किल और दुखदायी काम था।

ऐसे कई हादसे हैं जो आज भी मेरे दिल को दहला देते हैं। कहीं सुकून नहीं मिलता, चाहे वो घर हो, स्कूल, कॉलेज हो या ऑफिस। कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस न करने की फीलिंग कितनी भयानक होती है, इसका अंदाजा अफगानिस्तान से बाहर रह रहे लोग नहीं लगा सकते।

वो अलग बात है कि ऐसे माहौल में भी मैं मजबूती के साथ अड़ी और खड़ी रही। इसी उम्मीद के साथ कि आज नहीं तो कल अफगानिस्तान की युवा पीढ़ी की कुर्बानी को आने सालों में कहीं से कोई पॉजिटिव बदलाव का तोहफा मिलेगा।

शिक्षा का अधिकार हर इंसान का हक है और अगर इस हक को जबरदस्ती किसी से छीन लिया जाए तो यह उसके साथ नाइंसाफी होगी। तालिबानों ने न सिर्फ महिलाओं और लड़कियों के हक को नजरअंदाज किया, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि तालिबान को पढ़ाई-लिखाई में कोई दिलचस्पी ही नहीं है।

मेरी तालिबान से कोई मांग नहीं है, क्योंकि मैं जानती हूं कि तालिबानियों को महिलाओं से समस्या है। वो पढ़ी लिखी जागरूक महिलाओं से डरते हैं। क्योंकि वो जानते हैं कि शिक्षित महिलाएं कभी भी उनकी बेबुनियाद मांगों के आगे नहीं झुकेंगी। लेकिन ह्यूमन राइट्स के मुद्दे पर अफगान महिलाओं को दुनिया के समर्थन की जरूरत है। इस तरफ दुनिया का ध्यान जाना चाहिए और उन्हें अफगानी महिलाओं की इस बुनियादी जरूरत की अहमियत को समझने हुए उनका साथ देना चाहिए।

इसमें कोई शक नहीं कि अफगानिस्तान में महिलाओं के कपड़े इस्लामी तौर-तरीकों के हिसाब से पहने जाते हैं। जो लोग महिला मुद्दों से दूर हैं वो भी अफगानी महिलाओं के पारंपरिक पहनावे से प्रभावित हैं। मुझे लगता है कि तालिबान के पास हिजाब की कोई सही परिभाषा ही नहीं है। यह तालिबानियों के लिए अपने मकसद को हासिल करने का एक आसान रास्ता है।

शायद स्कूल बंद करने और महिलाओं पर पाबंदी लगाने की यही दो वजहें हो सकती हैं। एक तो उन्हें खतरा महसूस हो रहा है। दूसरा, दुनिया में वो इस तरह का खौफ फैलाकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि उनके पास दुनिया के सामने अपनी मौजूदगी दर्ज करने के लिए कोई दूसरा तर्क बचा ही नहीं है। अगर तालिबान को महिलाओं के बुर्का न पहनने से परेशानी है तो, यह कोई समस्या ही नहीं है। क्योंकि सभी अफगानी महिलाएं सड़कों पर बुर्का पहनकर घूमती हैं। फिर झगड़ा और नाराजगी किस बात की।

तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद अफगानिस्तान में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कई वीडियो वायरल हुए। जिसमें कमांडरों की शादी अफगानिस्तान के गांवों की कम उम्र की लड़कियों से करते दिखाया गया है। यहां तक कि उनके कुछ अधिकारियों पर समलैंगिकता के आरोप भी लगे हैं। उनके वीडियो वायरल किए गए। वाकई में उनके मन में महिलाओं और इंसानियत के लिए जर्रा बराबर भी इज्जत नहीं है।

अफगानिस्तान में महिलाएं बाहर जाकर लंच या डिनर पार्टियां नहीं करतीं। यही वजह है कि हम सारे पकवान घर पर ही बनाते हैं। जो मैं यहां कनाडा में भी बना रही हूं। हां, कुछ खास मसालों की कमी महसूस होती है जो कनाडा में मिलना मुश्किल है। कुछ मसाले तो मिलते ही नहीं। अफगानिस्तान के खाने का नाम सुनते ही कबाब, पुलाव, मेवे और हींग की खुशबू याद आती है। मेरे मुल्क में हींग की सबसे ज्यादा खेती होती है। यहां की हींग की महक बहुत तेज होती है। 'काबुली पुलाव' हम बहुत शौक से खाते हैं। मीठे में अफगान की मशहूर मिठाई जलेबी है। मैं बचपन से ही इंडिया के बारे सुनती आ रही हूं। वहां महिलाएं बेखौफ सड़कों और बाजारों में जा सकती है। मनचाहे कपड़े पहन सकती और मेकअप कर सकती हैं। कोई रोक-टोक नहीं हैं। मेरे बहुत से जानने वाले अफगानी इंडिया में रहते हैं। जो अच्छी जिंदगी जी रहे हैं।

ईडी दफ्तर के सामने डटेंगे कांग्रेसी

रमन कार्यकाल में हुए घोटालों की जांच की मांग करेंगे ऑफिस के सामने ही बनेगा कार्यकर्ताओं का खाना

रायपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में आज कांग्रेसी रमन सरकार में हुए घोटालों की जांच की मांग को लेकर ईडी दफ्तर के सामने प्रदर्शन करेंगे। बीजेपी सरकार में हुए घोटालों और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में ईडी से कार्रवाई करने की मांग की जाएगी।

कांग्रेसी तख्ती लगातार अफसरों से पूछेंगे कि कांग्रेस नेताओं पर राजनीतिक दबाव और षड्यंत्र के तहत काल्पनिक आधार पर कार्रवाई हो सकती है तो आखिर बीजेपी के प्रमाणित घोटालों की जांच से उन्हें परहेज क्यों है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने ईडी कार्यालय के सामने आंदोलन की तैयारी कर ली है। कार्यकर्ता सुबह से रात-तक बारी-बारी से ईडी दफ्तर के बाहर डटे रहेंगे।

ईडी दफ्तर के सामने ही बनेगी कांग्रेस की रसोई

कांग्रेस नेताओं से मिली जानकारी के मुताबिक ईडी दफ्तर

के सामने रसोई भी लगेगी। कार्यकर्ताओं के लिए भोजन यहीं बनेगा। डीजे बजाकर ईडी अफसरों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान वरिष्ठ नेता ईडी अफसरों को सभी घोटालों का ब्योरा देकर जांच की मांग करेंगे।

इनमें रमन राज में गरीबों के राशन में हुए करीब 36 हजार करोड़ के नान घोटाले से लेकर 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले की जांच की मांग होगी। 1500 करोड़ के शौचालय घोटाले और सैकड़ों करोड़ के रतनजोत घोटाले की जांच की मांग भी शामिल है। संगठन की ओर से सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि किस वक्त कौन से पदाधिकारी यहां प्रदर्शन करेंगे।

सीएम भूपेश बघेल ने ईडी की कोयला और शराब वाली कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा था कि कोयले में खदान और शराब में डिस्टलर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। सीएम बघेल ने चिटफंड और डॉ रमन सिंह की संपत्ति में 2008 से 2018 के बीच 18 गुना वृद्धि का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। चिटफंड घोटाले का ज़िक्र करते हुए डॉ रमन सिंह और ओपी चौधरी का नाम आरोपियों की तर्ज पर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा तमाम घोटाले हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। ईडी कार्यालय को ज्ञापन देने प्रदेश कांग्रेस कमेटी और ज़िला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी जाएंगे।

चारा घोटाला मामले में आया फैसला

124 आरोपियों में से 52 को तीन साल, 37 अन्य को तीन साल से अधिक की सजा, 35 हुए बरी

रांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चारा घोटाले के कांड संख्या (आरसी 48ए/96) डोरंडा कोषागार मामले में आज सीबीआई की विशेष अदालत ने फैसला सुना दिया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल श्रीवास्तव ने सजा सुनाया है। इस मामले में 124 लोगों को आरोपी बनाया गया था। जिनका फैसला आज सुनाया गया।

अवैध निकासी मामले में कुल 124 आरोपियों में से 52 को तीन साल तक की सजा हुई है। 37 अन्य को तीन साल से अधिक की सजा सुनाई गई। वहीं 35 लोगों को रिहा कर दिया गया। तीन साल से अधिक सजा पाने वाले सभी 37 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अब इनकी सजा पर एक सितंबर को सुनवाई होगी।

बरी हुए प्रमुख लोग

एनुल हक, राजेंद्र पांडेय, राम सेवक साहू, दीनानाथ सहाय, साकेत, हरीश खन्ना, कैलाश मनी कश्यप बरी, बलदेव साहू, सिद्धार्थ कुमार, निर्मला प्रसाद, अनीता कुमारी, एकराम, मो हुसैन, सनाउल हक, सैरु निशा, चंचला सिन्हा, ज्योति कक्कड़, सरस्वती देवी, रामावतार सिन्हा, रीमा बड़ाईक और मधु पाठक का नाम शामिल है।

क्या है केस आरसी- 48 ए/96

संयुक्त बिहार के दौरान बहुचर्चित चारा घोटाला हुआ था। तब संयुक्त बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव हुआ करते थे। इस दौरान डोरंडा कोषागार से 36 करोड़ 59 लाख रुपये की अवैध तरीके से निकासी हुई थी। यह निकासी वर्ष 1990 से 1995 के दौरान हुआ था। इस मामले में सीबीआई की विशेष अदालत न्यायधीश विशाल श्रीवास्तव की अदालत में बहस पूरी हो चुकी है। अब आज फैसला सुनाया जाएगा।

डोरंडा कोषागार मामले में 27 साल चली सुनवाई के दौरान सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक रविशंकर ने इस मामले में कुल 616 गवाहों का बयान दर्ज कराया है। इस मामले में तत्कालीन आपूर्तिकर्ता एवं पूर्व विधायक गुलशन लाल आजमानी सहित 125 आरोपी फिलहाल ट्रायल फेस कर रहे हैं। ट्रायल के दौरान 62 आरोपियों का निधन हो

चुका है। मामले में सीबीआई ने कुल 192 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में आने वाले फैसले में 125 आरोपियों के किस्मत का फैसला होगा। चारा घोटाले से जुड़े 53 मामलों की सुनवाई रांची सीबीआई कोर्ट में पूरी की जा चुकी है। 52 मामलों में अलग-अलग विशेष न्यायाधीश अपना फैसला सुना चुके हैं। संभी लंबित मामलों में सबसे पहले आरसी20ए/1996 में तत्कालीन स्पेशल जज पीके सिंह ने फैसला सुनाया है। 28 अगस्त को आने वाले फैसले के लिए सभी 125 आरोपियों को कोर्ट में हाजिर होने को कहा गया है।

इनके भाग्य का होगा फैसला

इन आरोपियों में से 38 लोक सेवक रहे हैं। जिनमे से आठ कोषागार पदाधिकारी हैं। 86 आपूर्तिकर्ता मामले में आरोपी है। आरोपियों में 16 महिलाएं भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोपियों में सबसे उम्रदराज 90 वर्षीय तत्कालीन जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ गौरी शंकर प्रसाद भी शामिल हैं। आरोपियों में 12 से अधिक ऐसे भी हैं जिनकी उम्र 80 वर्ष या इससे ज्यादा है।

छत्तीसगढ़ में मानसून पर ब्रेक, 5 डिग्री चढ़ा पारा

धमतरी में 35 .2 डिग्री रहा टेंपरेचर, सभी जिलों में बढ़ेगा तापमान, बस्तर में होगी बारिश

रायपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बारिश थमने से गर्मी बढ़ने लगी है। अधिकतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक ज्यादा है। नमी तेजी से घट रही है और उमस बढ़ रही है। आज भी मौसम ऐसा ही रहेगा। हालांकि बस्तर संभाग में कहीं-कहीं पर बारिश की संभावना जताई गई है। बाकी जिलों में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

रायपुर सहित कई जगहों पर रविवार को दिन भर धूप खिली रही। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान होते रहे। रविवार को प्रदेश में धमतरी का तापमान सबसे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है। यहां टेंपरेचर 35.2 डिग्री सेल्सियस था। रायपुर का अधिकतम तापमान 33.2, माना एयरपोर्ट में 32, बिलासपुर में 33.2, पेण्ड्रारोड में 32.3, अंबिकापुर में 29.6, जगदलपुर में 30.5, दुर्ग में 32.9 और राजनांदगांव में 33 डिग्री सेल्सियस था।

राजनांदगांव का अधिकतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस और रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रविवार को दिनभर धूप खिली रही। नमी 82 - 61 प्रतिशत के बीच रही। बीती रात रायपुर का न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को बस्तर के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक ओरछा में 5 सेंटीमीटर, छिंदगढ़, बस्तर, गीदम, जगदलपुर में 3-3 सेंटीमीटर, कोंटा, भैरमगढ़, बकावंड और भोपालपट्नम में 2-2 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। छत्तीसगढ़ में मानसूनी द्रोणिका का पश्चिमी छोर हिमालय की तराई में बना हुआ है और पूर्वी छोर मध्य समुद्र तल पर गोरखपुर, दरभंगा, बालूरघाट और उसके बाद पूर्व की ओर मणिपुर तक स्थित है। प्रदेश में आज एक-दो जगहों में हल्की से मध्यम वर्षा होने या फिर गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। कुछ जगहों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। राज्य में अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी होगी। यहां सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग के जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

विष्णु अग्रवाल की याचिका पर 11 सितंबर को सुनवाई

पीएमएलए कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश, जमानत के लिए लगायी है अर्जी

रांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। आर्मी लैंड स्कैम मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए और स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए कारोबारी विष्णु अग्रवाल ने पीएलएमए की स्पेशल कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर रखी है। आज दायर इस याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कारोबारी विष्णु अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने पक्ष रखा। जहां उन्होंने कोर्ट को बताया कि जिस जमीन स्कैम मामले में मुझे दोषी बताया जा रहा है, उसमें मैं संलिप्त ही नहीं हूं। वहीं स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत देने की अपील की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अब कोर्ट विष्णु अग्रवाल की जमानत याचिका पर 11 सितंबर को सुनवाई करेगा। 31 जुलाई को झारखंड के बड़े व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को रांची में जमीन घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार करने के बाद में उनसे लंबी पूछताछ की गई। पूछताछ खत्म होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था, लेकिन जेल जाने के बाद विष्णु अग्रवाल के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट हो रही है। जिसे देखते हुए जेल प्रबंधन की तरफ से उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स के कैदी वार्ड में भेज दिया गया है। फिलहाल विष्णु अग्रवाल रिम्स के कैदी वार्ड में एडमिट हैं और उनका वहां इलाज चल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जमानत याचिका की गुहार कोर्ट में लगा रहे हैं। कारोबारी विष्णु अग्रवाल पर अवैध तरीके से जमीन खरीदने का आरोप है। इन पर बरियातू स्थित प्लॉट, सिरम टोली और पूंगडू स्थित एक जमीन भी गलत तरीके से खरीदने का आरोप लगाया गया है। ईडी की टीम ने रिमांड अवधि के दौरान कारोबारी विष्णु अग्रवाल से जमीन के मामले में कड़ी पूछताछ की थी। जिसमें उनके ऊपर लगे आरोप को ईडी के द्वारा सही बताया गया था। भूमि घोटाला मामले में अब तक ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल, न्यूक्लियस मॉल के मालिक और कारोबारी बिष्णु अग्रवाल और बड़गाई अंचल सीओ भानुप्रसाद सहित कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस के संकल्प शिविर में पहुंचे सीएम बघेल

पीसीसी अध्यक्ष बैज ने कहा- बस्तर को जलता हुआ छोड़ दी थी भाजपा, कांग्रेस ने आदिवासियों को दिया अधिकार

बिलासपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो दिनी संकल्प शिविर में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस नेता पहुंच गए हैं। बिल्हा में आयोजित शिविर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने अपने 15 साल के कार्यकाल में बस्तर को जलता हुआ छोड़ दिया था। राज्य में कांग्रेस की सरकार आने के बाद बस्तर में नए स्कूल खुल रहे हैं, औद्योगिक विकास हो रहा है। बस्तर का कपड़ा विदेश जा रही है और आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन का अधिकार दिया गया है। इस शिविर में बिल्हा विधानसभा के तीन हजार से अधिक कार्यकर्ताओं की भीड़ है, जिन्हें कांग्रेस नेता चुनाव में हर बूथ में जाकर कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को बताने और केंद्र सरकार की विफलता को सामने

लाने की नसीहत दे रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गुटबाजी से उपर उठकर प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करने और प्रदेश में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए संकल्प दिला रहे हैं। शिविर में कांग्रेस के छत्तीसगढ़ सह प्रभारी डॉ. चंदन यादव, विजय जांगिड़ के साथ ही प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू मौजूद हैं। इस दौरान बूथ कमेटी के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण जरूरी टिप्स भी दे रहे हैं। शिविर में बूथ प्रबंधन के साथ ही गठित कमेटियों और कामकाज को लेकर बूथ कमेटी के पदाधिकारियों से दिग्गज कांग्रेसी नेता अपनी बात रख रहे हैं।

ब्लॉक अध्यक्षों प्रत्येक पोलिंग बूथ से कम से कम 10 सदस्य शिविर में उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र का शिविर व्यापार विहार त्रिवेणी सभा भवन परिसर में दोपहर दो बजे से आयोजित होगा।

दो करोड़ की अवैध शराब बरामद

12 हजार लीटर स्प्रिट हुई जब्त, कई राज्य में फैला था अवैध शराब को धंधा

पलामू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई हुई है। दो करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध शराब बरामद की गयी है। इंजीनियरिंग वर्क्स नाम की दुकान पर लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार चल रहा था। इस अभियान के बाद पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है।

रविवार को उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार के नेतृत्व में उत्पाद विभाग की टीम ने छतरपुर के कऊल गांव में छापेमारी की। इस छापेमारी में 2.1 करोड़ रूपये की अवैध शराब जब्त की। गुप्त सूचना के आधार पर विभाग की ओर से यह कार्रवाई की गयी। इस दौरान कुल 12 हज़ार लीटर अवैध स्प्रिट जब्त किया गया। इसका इस्तेमाल कर अवैध शराब बनाई जा रही थी और इसकी सप्लाई आसपास के राज्यों में की जा रही थी। सूत्र बताते हैं कि इस अवैध शराब की खपत बिहार में ज्यादा होती थी।

रूस के जंगी जहाज 13,000 किमी की पेट्रोलिंग कर लौटे

जापान- अमेरिका के पास से गुजरे, चीनी वेसल्स के साथ प्रशांत महासागर में गश्त की

मॉस्को, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी नौसेना के जंगी जहाज चीनी युद्धपोतों के साथ प्रशांत महासागर में 21 दिन से ज्यादा की पेट्रोलिंग के बाद वापस लौट आए हैं। पैसिफिक ओशेन यानी प्रशांत महासागर में गश्त के दौरान जंगी जहाजों के बेड़े ने 13,000 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान ये जहाज अमेरिका के पश्चिमी तट के करीब तक पहुंच गए थे।

इंटरफैक्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के युद्धपोतों ने, चीनी नौसेना के जहाजों की एक टुकड़ी के साथ, जापान सागर, ओखोत्स्क सागर, बेरिंग सागर और प्रशांत महासागर का गश्त किया।

जापान के नजदीक से गुजरे जंगी जहाज

गश्त के दौरान, रूसी-चीनी टुकड़ी उत्तरी जापानी द्वीप होक्काइडो के पास से गुजरी। होक्काइडो एक ऐसा क्षेत्र है जिसे रूस में कुरिल और जापान में उत्तरी क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। ये द्वीप दोनों पड़ोसी देशों के बीच दशकों से तनाव का कारण रहा है। रूसी-चीनी युद्धपोतों ने अलेउतियन द्वीपसमूह के हिस्से का भी चक्कर लगाया। अधिकांश अलेउतियन द्वीप अमेरिकी राज्य अलास्का के हिस्से है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अगस्त की शुरुआत में रिपोर्ट दी थी कि 11 रूसी और चीनी जहाज अलेउतियन द्वीप समूह के करीब पहुंचे हैं, जो अमेरिकी तटों तक पहुंचने वाला इस तरह का सबसे बड़ा बेड़ा था। अखबार ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि जहाज कभी भी अमेरिकी जलक्षेत्र में नहीं घुसे।

पेट्रोलिंग में एक्सरसाइज की गई, नकली मिसाइल भी दागे

इंटरफैक्स ने बताया कि रूसी प्रशांत बेड़े के कुछ सबसे बड़े युद्धपोतों ने पेट्रोलिंग में भाग लिया। गश्त के दौरान, संयुक्त एंटी सबमरीन और एंटी एयरक्राफ्ट अभ्यास किया गया। दोनों ओर से हेलीकॉप्टरों और नौसैनिक विमानों का इस्तेमाल कर दुश्मन की पनडुब्बियों की खोज की मॉक एक्सरसाइज की गई। जहाजों की एक टुकड़ी पर नकली मिसाइल फायरिंग की गई। सितंबर में, चीन ने रूस के साथ संयुक्त अभ्यास में भाग लेने के लिए 300 सैन्य वाहनों, 21 लड़ाकू विमानों और तीन युद्धपोतों के साथ 2,000 से अधिक सैनिकों को भेजा।

पिछले साल दोनों देशों ने किया था युद्धाभ्यास

रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 2022 में रूस और चीन के बीच हुए युद्धाभ्यास में 50,000 से अधिक सैनिक और 5,000 हथियार यूनिट शामिल थीं। इनमें 140 विमान और 60 युद्धपोत शामिल थे।

इस युद्धाभ्यास को वोस्तोक नाम दिया गया था। यह अभ्यास रूस के सुदूर पूर्व और जापान सागर में अलग-अलग जगहों पर हुआ था।

इंटरनेशनल वॉर गेम में भारत का मिग-29 शामिल

मिस्र में 21 दिन तक चलेगा ब्राइट स्टार युद्धाभ्यास, अमेरिका, सऊदी, ग्रीस भी शामिल

काहिरा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के 5 मिग-29 लड़ाकू विमान मिस्र में हो रहे इंटरनेशनल वॉर गेम में हिस्सा ले रहे हैं। 21 दिन तक होने वाले तीनों सेनाओं के संयुक्त युद्धाभ्यास को ब्राइट स्टार नाम दिया गया है। मिग-29 के अलावा भारत के 6 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और 150 स्पेशल फोर्सेस के जवानों का ग्रुप मिस्र की राजधानी काहिरा में हो रहे युद्धाभ्यास में शामिल हुआ है।

भारत पहली बार इस ट्राइ सर्विस एक्सरसाइज में हिस्सा ले रहा है। मेजबान देश मिस्र और भारत के अलावा इस एक्सरसाइज में अमेरिका, सऊदी, ग्रीस और कतर भी शामिल हैं। वायुसेना ने बताया है कि भारत की तरफ से युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट में 2 आईएल-78, 2 सी-130 और 2 सी-17 एयरक्राफ्ट भी शामिल हैं।

मिस्र के पायलटों को ट्रेनिंग दे रही भारतीय वायुसेना

भारतीय वायुसेना ने बताया कि इस युद्धाभ्यास का मकसद जॉइंट ऑपरेशन को प्लान करना और लागू करने की प्रैक्टिस करना है। इससे अलग-अलग देशों के बीच रणनीतिक संबंध मजबूत होते हैं।

दोनों देश मिलकर एयरो-इंजन का विकास कर रहे हैं। साथ ही भारतीय वायुसेना मिस्र के पायलटों को ट्रेनिंग भी दे रही है। कुछ समय पहले मिस्र के राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए थे और बीते दिनों पीएम मोदी ने भी मिस्र का दौरा किया था।

भारत और मिस्र की सेनाओं पहली बार इस साल जनवरी में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज की थी। मिस्र ने भारत से तेजस एयरक्राफ्ट और दूसरे मिलिट्री हेलिकॉप्टर खरीदने में दिलचस्पी जाहिर की है। इंडियन एयरफोर्स ने 15 अगस्त से पहले श्रीनगर एयरबेस पर भी मिग-29 फाइटर जेट के स्क्वाड्रन को तैनात किया था। डिफेंडर ऑफ द नॉर्थ कहा जाने वाले इस स्क्वाड्रन ने मिग-21 फाइटर जेट के स्क्वाड्रन की जगह ली है। श्रीनगर एयरबेस चीन और पाकिस्तान के करीब है, इसलिए यहां मिग-29 की तैनाती अहम है। ये फाइटर जेट अब पाकिस्तान और चीन से आने वाले खतरों का जवाब देंगे।

श्रीनगर में तैनात किए गए मिग-29 अपग्रेड किए गए हैं और मॉर्डन फीचर्स से लैस हैं। इनमें लंबी दूरी की एयर-टु-एयर मिसाइलें, नाइट विजन, एयर-टु-एयर रीफ्यूलिंग समेत कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं।

इमरान खान की बिगड़ती सेहत से डरी पाकिस्तान सरकार

जेल में बढ़ाईं सुविधाएं

इस्लामाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में कई सुविधाएं दी जा रही हैं। इसके तहत इमरान खान के लिए जेल में आधुनिक शौचालय बनाया गया है। रविवार को पंजाब के आईजी जेल मियां फारुख नजीर ने अटक जेल का दौरा किया। इमरान खान अटक जेल में ही बंद है। मियां फारुख नजीर ने बताया कि इमरान खान ने भी उन्हें जेल में मिल रहीं सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया है।

इमरान खान की जेल कोठरी में बनवाया गया नया शौचालय

जेल अधिकारियों के अनुसार, इमरान खान की जेल के बाहर लगे सिक्योरिटी कैमरे की भी जगह बदलने की समीक्षा की जा रही है। बता दें कि इमरान खान ने आरोप लगाया था कि सिक्योरिटी कैमरे की वजह से उनकी निजता का उल्लंघन हो रहा है क्योंकि उनके शौचालय की दीवार बहुत छोटी है और सिक्योरिटी कैमरे से जेल के भीतर का सब दिखता है। इसके बाद इमरान खान की जेल कोठरी में एक आधुनिक शौचालय बनवाया गया और कैमरे को भी उस जगह से हटाने के लिए समीक्षा हो रही है।

इसके अलावा इमरान खान को जेल नियमों के मुताबिक एक गद्दा, तकिया, चादर, कुर्सी और एक कूलर दिया गया है। इनके अलावा इमरान खान को एक पंखा, दुआ के लिए कमरा, पवित्र कुरान की प्रति और किताबों के साथ ही अखबार, खजूर, शहद, टिश्यू पेपर और परफ्यूम भी दिए गए हैं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, इमरान खान ने उन्हें जेल में मिल रहीं सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया है।

पत्नी बुशरा बीबी ने दिया था हलफनामा

बता दें कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा था कि उनके पति की जेल में हालत बिगड़ रही है, जिससे उनकी सेहत के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में ध्यान देने की अपील की गई थी। जेल अधिकारियों ने बताया कि इमरान खान की सेहत पर नजर रखने के लिए पांच डॉक्टरों की टीम तैनात की गई है, जिनमें से हर डॉक्टर आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में तैनात रहता है। पीटीआई चीफ को आईजी जेल की अनुमति के बाद विशेष खाना भी दिया जा रहा है। इमरान खान को दिए जा रहे खाने को डॉक्टरों की एक विशेष टीम द्वारा जांचा जाता है। उल्लेखनीय है कि इमरान खान की पत्नी ने जेल में उन्हें जहर दिए जाने की आशंका व्यक्त की थी। बता दें कि तोशाखाना मामले में दोषी पाए जाने के बाद इमरान खान पंजाब की अटक जेल में तीन साल की सजा काट रहे हैं। साथ ही उन्हें पांच साल के लिए राजनीति से भी अयोग्य घोषित किया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे फॉक्सकॉन कंपनी के फाउंडर

टेरी गौ बोले- ताइवान को यूक्रेन नहीं बनने दूंगा, जीता तो 50 साल शांति रहेगी

ताइवान, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन के फाउंडर टेरी गौ ताइवान का राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव लड़ेंगे। सोमवार को उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपनी दावेदारी पेश की है। ये राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर उनकी दूसरी बिड है।

इससे पहले उन्होंने साल 2019 में फॉक्सकॉन के चीफ पद छोड़कर ताइवान की विपक्षी पार्टी केएमटी का राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की पेशकश की थी। हालांकि, पार्टी ने उनकी बजाय किसी और को चुना। ताइवान में केएमटी को चीन की करीबी पार्टी माना जाता है।

2 नवंबर तक 3 लाख वोटरों के सिग्नेचर की जरूरत

गौ को निर्दलीय उम्मीदवार बनने के लिए 2 नवंबर तक 3 लाख वोटरों के सिग्नेचर की जरूरत होगी। गौ कुछ हफ्तों से ताइवान के दौरे पर हैं। कैंपेन के दौरान उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के रूल में ताइवान जंग की तरफ बढ़ता जा रहा है। इनकी पॉलिसी गलतियों से भरी पड़ी है।

गौ ने लोगों से कहा- मुझे 4 साल दीजिए मैं ताइवान में 50 साल के लिए शांति ला दूंगा। ताइवान को यूक्रेन नहीं बनने दूंगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक गौ का चुनावी कैंपेन चीन से रिश्ते सुधारने और देश को जंग के मुहाने पर ले जाने से बचाने का है।

सत्ताधारी पार्टी की पसंद चीन के ट्रबल मेकर विलियम लाई

ताइवान की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी उप- राष्ट्रपति विलियम लाई को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना सकती है। चीन इन्हें खासतौर पर नापसंद करता है। हाल ही में अमेरिका की यात्रा पर जाने पर चीन ने उन्हें ट्रबल मेकर यानी मुसीबतें खड़ी करने वाला कहा था।

वहीं, जब गौ से पूछा गया कि उनके पास फॉक्सकॉन कंपनी के सबसे ज्यादा शेयर हैं ऐसे में उनके राष्ट्रपति बनने से कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट की सिचुएशन बन सकती है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वो देश की सेवा करने के लिए अपनी संपत्ति त्यागने को तैयार हैं। चीन का समर्थक होने के आरोपों को गौ ने झूठ बताया। उन्होंने कहा- मैं कभी चीन के प्रभाव में नहीं रहा हूं। मैं उनके इशारों पर नहीं चलता।

गौ की कंपनी फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर चिप बनाती है। एपल के फोन में भी इसी कंपनी की एसेंबल की गई सेमीकंडक्टर चिप का इस्तेमाल होता है। सेमीकंडक्टर चिप इलेक्ट्रॉनिक आइटम को ऑटोमैटिकली ऑपरेट करने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, स्मार्ट वॉशिंग मशीन में कपड़े पूरी तरह धुलने के बाद ऑटोमैटिक मशीन बंद हो जाती है। इसी तरह कार में जब आप सीट बेल्ट लगाना भूल जाते हैं, तो कार आपको अलर्ट देती है। ये सेमीकंडक्टर की मदद से ही होता है। सेमीकंडक्टर चिप सिलिकॉन से बनी होती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में दुनिया का हर देश इलेक्ट्रानिक सेमीकंडक्टर चिप्स के बाजार को कंट्रोल करना चाहता है। इस ताकत को समझते हुए ही भारत में भी सरकार ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री स्थापित करने के लिए नई योजनाएं शुरू की हैं।

चीन ने पूरी दुनिया को सस्ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरण दिए हैं। इस बाजार पर उसका अभी दबदबा कायम है। मगर इसे बनाए रखने के लिए उसे बड़ी मात्रा में सेमीकंडक्टर चिप्स की जरूरत है। ताइवान दुनिया में सबसे ज्यादा सेमीकंडक्टर निर्माता है। ऐसे में चीन उसे पूरी तरह काबू करना चाहता है।

सूर्य और चांद लगाते हैं पृथ्वी के चक्कर

पाकिस्तानी युवक के बयान पर लोटपोट हुए लोग, कर दिया ट्रोल

करांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हमें बचपन से ही पढ़ाया जाता है कि पृथ्वी सूर्य के चारो ओर घूमती है, लेकिन पाकिस्तान के एक व्यक्ति ने एक ऐसा तर्क दिया, जिसने विज्ञान के नियमों को गलत साबित कर दिया है।

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक पाकिस्तानी युवक से चंद्रयान 3 की सफलता पर पूछा गया तो उसने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे सभी हैरान रह गए।

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक यूजर ने वीडियो को शेयर किया, जिसमें एक पाकिस्तानी एंकर ने युवक से पूछा कि पृथ्वी गोल है या चपटी?

इसका जवाब देते हुए युवक ने दावा किया कि पृथ्वी अटकी हुई है। यह स्थिर रहता है और बिलकुल भी नहीं हिलता है।

इसके बाद एंकर ने उससे चंद्र ग्रहण के बारे में पूछा, इस पर युवक ने कहा, 'चंद्रमा ही पृथ्वी के चारो तरफ चक्कर लगाया है, चंद्रमा की तरह सूर्य भी पृथ्वी के चारों तरफ घूमता है, जिस वजह से यहां दिन और रात होता है और मौसम भी बदलते रहते हैं।'

इस वीडियो को अबतक 552.7के से अधिक लोगों द्वारा देखा जा चुका है और 10.3के लोगों ने लाइक भी किया है।

कई यूजर ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है तो कई ने उन्हें ट्रोल भी किया है।

चीन में अब जा सकेंगे बिना कोविड-19 की जांच रिपोर्ट दिखाए

चार साल बाद क्यों लिया फैसला

बीजिंग, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने आखिरकार कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों को मात दे ही दी। हालात में सुधार देखकर चीन ने साल 2019 की शुरुआत में लगाए प्रतिबंधों को हटाने का फैसला लिया है। अब बुधवार से यहां आने वाले यात्रियों को कोविड-19 की निगेटिव रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

जीरो-कोविड नीति दिसंबर में ही खत्म

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चीन ने अपनी जीरो-कोविड नीति दिसंबर में ही खत्म कर दी थी। हालांकि, चीन में आने वाले लोगों के लिए सख्ती जारी थी। इसके तहत यहां आने वाले लोगों को एक सप्ताह के लिए क्वारंटाइन में रहना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि ऐसे ही प्रतिबंधों ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को धीमा कर दिया, जिससे यहां बेरोजगारी बढ़ गई। वहीं, अपराध में भी इजाफा हुआ। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वर्तमान हालातों को देखकर फैसला लिया गया है कि चीन आने वालों को कोविड की परीक्षण रिपोर्ट नहीं दिखानी होगी।

पाकिस्तान के ईसाई समुदाय ने की खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर से मुलाकात

करांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ईसाई समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने जरनवाला घटना पर खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर हाजी गुलाम अली से मुलाकात की। जरनवाला घटना में भीड़ ने 19 चर्च और कई घरों को जला दिया था।

इस मुलाकात में खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर हाजी गुलाम ने इस समस्याओं का हल करने के लिए अपना पूरा सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने इस प्रांत में शिक्षा क्षेत्र के विकास में ईसाई समुदाय की भूमिका को भी माना है। पाकिस्तान के एक मीडिया ने भी जरनवाला घटना पर खेद व्यक्त करते हुए ईसाई समुदाय को अपना समर्थन दिया है। ह्यूमन राइट्स फोकस पाकिस्तान (एचआरएफपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में फैसलाबाद के जरनवाला में ईसाई समुदाय को निशाना बनाकर उनपर हमला किया गया। इस हिंसा में कुल 19 चर्च पूरी तरह से नष्ट हो गए और 89 ईसाईयों के घर भी जला दिए गए थे।

यह हिंसा 19 अगस्त को हुई थी, जिसमें ईसाईयों के कई प्रार्थना घर और सामुदायिक हॉल भी नष्ट हो गए थे। हिंसा से बचने के लिए करीब 10,000 से अधिक ईसाई गन्ने और अन्य खेतों में छिपे थे।

भारतीय मूल के युवक की हत्या के मामले में चार पर आरोप तय

लंदन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में पुलिस ने भारतीय मूल के चार युवकों पर भारतीय मूल के ही एक अन्य युवक की हत्या के मामले में आरोप तय किए हैं। मृतक एक डिलीवरी ड्राइवर था और बीते सोमवार को आरोपियों ने उस पर हमला किया था। हत्या की वजह अभी तक साफ नहीं है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि पश्चिमी इंग्लैंड के श्रुबुरी इलाके में 23 साल के ओरमान सिंह पर हमला हुआ था। इस हमले में ओरमान की मौत हो गई थी। ओरमान एक डिलीवरी ड्राइवर था। जांच के दौरान पुलिस ने शक के आधार पर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अर्शदीप सिंह (24), शिवदीप सिंह (26), जगदीप सिंह (22), मनजोत सिंह (24) के नाम शामिल हैं। एक पांचवें आरोपी पर एक आरोपी की मदद का आरोप था लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि वह मामले की जांच कर रहे हैं और हत्या की वजह का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि हम जानते हैं कि ओरमान सिंह एक डिलीवरी ड्राइवर था लेकिन हमें नहीं लगता कि हत्या की वजह ये थी, डकैती के एंगल से भी जांच नहीं की जा रही है।

फ्रांस के स्कूलों में फुल बुर्के पर बैन लगेगा

फ्रांसीसी शिक्षा मंत्री बोले- क्लासरूम में कपड़ों से न हो धर्म की पहचान, मुस्लिम समुदाय नाराज

पेरिस, 28 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस ने सरकारी स्कूलों में लड़कियों के अबाया पहनने पर बैन लगाने का फैसला किया है। फ्रांस के शिक्षा मंत्री गैब्रियल एटॉल ने टीवी चैनल टीएफ1 को दिए एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि हमने यह तय किया है कि सरकारी स्कूलों में अबाया नहीं पहना जाएगा। अबाया एक तरह का फुल बुर्का होता है।

उन्होंने कहा कि जब आप क्लासरूम में जाएं तो आपके धार्मिक पहचान कपड़े देखकर तय नहीं होनी चाहिए। यह कदम फ्रांसीसी स्कूलों में अबाया पहनने पर महीनों की बहस के बाद आया है, जहां महिलाओं के हिजाब पहनने पर लंबे समय से प्रतिबंध लगा हुआ है।

2010 में नकाब पर बैन लगाया था

फ्रांस ने 2004 में स्कूलों में हेडस्कार्फ पहनने पर और 2010 में सार्वजनिक रूप से पूरे चेहरे के नकाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे फ्रांस में रहने वाली 50 लाख मुस्लिम लोगों में अब तक नाराजगी है। फ्रांस के सरकारी स्कूलों में बड़े क्रॉस, यहूदी किप्पा और इस्लामी हेडस्कार्फ पहनने की अनुमति भी नहीं हैं।

दक्षिणपंथियों के दबाव में आकर लिया फैसला

फ्रांस के दक्षिणपंथी और धुर दक्षिणपंथी लोगों ने अबाया पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार पर दबाव डाला था, जबकि वामपंथियों का तर्क था कि इससे लोगों की स्वतंत्रता का हनन होगा। हेडस्कार्फ से हटकर अबाया ऐसी चीज थी जिस पर अब तक किसी भी तरह का प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।

कई मुस्लिम संगठनों वाली एक राष्ट्रीय संस्था, फ्रेंच काउंसिल ऑफ मुस्लिम फेथ (सीएफसीएम) ने कहा है कि अकेले कपड़े से किसी की धार्मिक पहचान नहीं होती है। धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करना फ्रांस में एक नारा है पूरी देश की राजनीति इसके इर्द-गिर्द घूमती है।

सऊदी अरब भी लगा चुका है एग्जाम हॉल में अबाया पर बैन

पिछले साल सऊदी अरब के एजुकेशन डिपार्टमेंट ने गर्ल्स स्टूडेंट से जुड़ा एक अहम कदम उठाया था। सऊदी एजुकेशन एंड ट्रेनिंग एवेल्यूशन कमीशन (ईटीईसी) ने फैसला किया कि लड़कियां एग्जाम हॉल में अबाया नहीं पहन सकेंगी। यह सऊदी अरब की महिलाओं का पारंपरिक लिबास है।

आदेश में साफ कहा गया है कि एग्जाम हॉल में उन्हीं स्टूडेंट्स को एंट्री दी जाएगी जो स्कूल या कॉलेज द्वारा तय की गई यूनिफॉर्म पहनेंगी। यह यूनिफॉर्म सरकार द्वारा तय नियमों के हिसाब से होनी चाहिए और यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि इसे पब्लिक प्लेसेज यानी सार्वजनिक जगहों पर पहनने में दिक्कत न हो।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुना गया, तो एलन मस्क को बनाना चाहूंगा सलाहकार

विवेक रामास्वामी का बड़ा ऐलान

वॉशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारी के भारतीय-अमेरिकी दावेदार विवेक रामास्वामी ने संकेत दिया है कि यदि वह 2024 में राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह अरबपति कारोबारी एलन मस्क को अपने प्रशासन का सलाहकार बनाना चाहेंगे। 'एनबीसी न्यूज' के अनुसार, रामास्वामी (38) से शुक्रवार को आयोवा में 'टाउन हॉल' के दौरान जब पूछा गया कि यदि वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह किसे अपना सलाहकार बनाना चाहेंगे, उन्होंने जवाब में मस्क का नाम लिया। रामास्वामी पिछले साल ट्विटर (अब 'एक्स') के मालिक बनने के बाद मस्क द्वारा बड़े पैमाने पर की गई छंटनी के प्रशंसक हैं। बॉयोटेक उद्यमी रामास्वामी ने कहा कि वह ऐसे नए विचारों के लोगों को चाहते हैं, जो सरकार 'के भीतर से नहीं आते।' 'एनबीसी न्यूज' ने रामास्वामी के हवाले से कहा, ''मुझे हाल में एलन मस्क को और बेहतर तरीके से जानकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि वह मेरे एक दिलचस्प सलाहकार होंगे, क्योंकि उन्होंने ट्विटर के 75 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की।' भारतीय अमेरिकी ने कहा, 'और इसके बाद प्रभावशीलता वास्तव में बढ़ गई।' मस्क (52) 'स्पेसएक्स', 'टेस्ला' और 'एक्स' के मालिक हैं। इससे पहले भी रामास्वामी ने सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के प्रबंधन को लेकर मस्क की सराहना करते हुए कहा था कि वह उसी तरह सरकार चलाएंगे, जैसे मस्क कंपनी चलाते हैं। एनबीसी रिपोर्ट में कहा गया है कि रामास्वामी शिक्षा विभाग, संघीय जांच ब्यूरो और मद्य, तंबाकू, आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक ब्यूरो को बंद करने की अपनी इच्छा के बारे में मुखर रहे हैं। रामास्वामी 40 साल से कम आयु के सबसे अमीर अमेरिकियों में शामिल हैं। उन्होंने 'हार्वर्ड यूनिवर्सिटी' से जीव विज्ञान का अध्ययन किया।

पाकिस्तान में घर चलाना हुआ मुश्किल

इस्लामाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई को लेकर आम आदमी में गुस्सा है। बढ़ते बिजली बिलों और सरकार द्वारा लगाए गए उच्च करों के खिलाफ विरोध करने के लिए पूरे पाकिस्तान में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। सरकार की ऊंची बिजली दरों और करों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने हजारों बिजली बिल जला डाले। बढ़े हुए बिजली बिलों के खिलाफ नागरिकों ने सोमवार को भी देश के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बिजली बिलों को लेकर देश की जनता शनिवार से बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरी है। आक्रोश की वजह से अंतरिम प्रधानमंत्री अनवारुल हक को नोटिस लेने और मुद्दे पर चर्चा के लिए रविवार को इमरजेंसी मीटिंग बुलानी पड़ी थी।

रावलपिंडी में एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'इस सरकार ने बुनियादी जरूरत की हर चीज के दाम बढ़ाकर छोटे परिवार वाले आम आदमी के लिए घर का खर्च चलाना असंभव कर दिया है। अब, वे हमें ऊंचे टैरिफ और करों वाले बिल भेजते हैं। एक ऐसे घर की कल्पना करें जिसमें दो पंखे और तीन लाइटें हैं, लेकिन बिल 20000 पाकिस्तान रुपयों से अधिक है। यह अस्वीकार्य है और हम तब तक विरोध करेंगे जब तक लोगों का खून चूसने का यह जानबूझकर किया गया प्रयास बंद नहीं हो जाता।'

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'एक तरफ न नौकरियां हैं, न कारोबार, सब कुछ महंगा है। और इसके अलावा, वे हमें ऐसे बिल भेजकर जमीन में और भी अधिक दफनाने की कोशिश करते हैं जिनका हम भुगतान नहीं कर सकते। हम इन बिलों, टैरिफों और करों को अस्वीकार करते हैं। हम उन्हें बिल्कुल भी भुगतान नहीं करेंगे और न ही अधिकारियों को हमारी बिजली काटने और हमारे मीटर ले जाने देंगे।'

जोधपुर में शेखावत बोले- आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश के खोये गौरव को लौटाने का है

जोधपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं में जोश का संचार किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मात्र सत्ता हस्तांतरण का चुनाव नहीं, बल्कि प्रदेश के खोए गौरव को लौटाने का चुनाव है। महिलाओं के आत्मसम्मान को लौटाने का चुनाव है।

महिला कार्यकर्ताओं के जोधपुर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में हजारों लोगों ने बलिदान किया। हजारों लोगों ने शारीरिक यातनाएं सही, तब जाकर देश आजाद हुआ। आजादी के बाद देश को जो सरकार मिली। उसने देश की सीमाओं को कमजोर किया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार के रूप में हमें एक सशक्त और विजनरी सरकार मिली है। मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है, विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

शेखावत ने कहा कि भाजपा के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी

और दीनदयाल उपाध्याय ने हमें एक लक्ष्य दिया। भारत के खोये वैभव को लौटाने और विकास के पायदान की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने का। पार्टी के कार्यकर्ता इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जुटे हुए हैं।

हर तरह से पिछड़ गया प्रदेश

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जब राज्य में वसुंधरा राजे की सरकार थी। प्रदेश हर योजना में अव्वल था, लेकिन पिछले चुनाव में हमसे चूक हुई। हम अपने काम को नीचे तक नहीं पहुंचा पाए और सरकार से बाहर हो गए, लेकिन आज जनता खून के आंसू बहा रही है। सरकार बदलने को जनता तैयार है।

नारी शक्ति के अपमान का बदला लेना है

शेखावत ने कहा कि राजस्थान में महिलाओं की स्थितियां खराब हैं, जिस राजस्थान की पहचान त्याग, तपस्या और स्वाभिक्ति से होती थी। आज उस प्रदेश में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। राजस्थान देश भर में रेप केपिटल बन गया। अब हमें संकल्प करना है कि बेटियों की दरिंदगी का हिसाब लेंगे। कुशासन की सरकार को हटाएंगे। नारी शक्ति के अपमान का बदलना लेने का संकल्प लेना है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता हस्तांतरण का चुनाव नहीं है। यह राजस्थान के सम्मान को लौटाने का चुनाव है। यह जय जय राजस्थान करने के संकल्प का चुनाव है।

पर्यावरण जन चेतना यात्रा के समापन कार्यक्रम में लिया भाग

केन्द्रीय मंत्री ने प्रसिद्ध खेजड़ली स्थान पर आयोजित पर्यावरण जन चेतना यात्रा के समापन समारोह में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण की जरूरत है। देश में ग्रीन कवरेज कम हो रहा है। सौ साल पहले जंगल 39 प्रतिशत जमीन पर था, जो घटकर 24 प्रतिशत तक आ गया। पर्यावरण के लिए जल और जंगल, दोनों आवश्यक है।

पिछले कुछ सालों में जिस तरह देश में पर्यावरण के प्रति चेतना जाग्रत हुई है। पिछले दो साल भारत मे ट्री कवरेज 28 सौ वर्ग किमी आ गया। निश्चित रूप से इस चेतना को जाग्रत करने में विश्नोई समाज का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पेड़ लगाने मात्र की यात्रा ही नहीं है, यह एक प्रकार से पेड़ लगाने की संकल्पना की शुरुआत है। लोगों के मन में पर्यावरण चेतना का भाव बढ़ाना है। जल जमीन जंगल और जानवर की रक्षा का संकल्प लेना होगा।

मानहानि केस में गहलोत हुए कोर्ट में पेश

कहा- शिकायतकर्ता तीन पेशी से नहीं हो रहे कोर्ट में उपस्थित, ऐसे में किया जाए बरी

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह द्वारा किए गए मानहानि के केस में आज एक बार फिर सीएम अशोक गहलोत दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। आज कोर्ट में गहलोत की ओर से प्रार्थना पत्र पेश करके कहा गया कि मामले में शिकायतकर्ता तीन पेशियों से उपस्थित नहीं हो रहे है। ऐसे में उन्हें इस मामले से बरी किया जाए।

इसे लेकर उनके वकीलों ने अन्य अदालतों के फैसले भी कोर्ट के सामने रखें। उन्होंने कहा- मानहानि के केस में शिकायकर्ता का भी उपस्थित रहना जरूरी है। गजेन्द्र सिंह ने कोर्ट में हाजिरी माफी भी नहीं लगा रखी हैं। वहीं, लगातार तीन पेशियों से वह कोर्ट में उपस्थित भी नहीं हो रहे हैं। गहलोत के पार्थना पत्र पर अदालत 6 सितम्बर को सुनवाई करेगी।

गजेन्द्र सिंह की ओर से दिए गए डॉक्यूमेंट्स व सीडी

दरअसल, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत द्वारा संजीवनी घोटाले में उन्हें और उनके परिवार को

आरोपी बताने के मामले में मानहानि का दावा किया था। जिस पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने 6 जुलाई को सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ समन जारी किया था।

इसके खिलाफ गहलोत ने सैशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की थी। उन्हें वहां से राहत नहीं मिली थी। रिवीजन कोर्ट में सीएम गहलोत को केवल वीसी के जरिए पेश होने की छूट दी थी। इसके बाद से गहलोत तीन बार कोर्ट में वीसी के जरिए पेश हो चुके है। आज मामले में शिकायतर्ता गजेन्द्र सिंह की ओर से डॉक्यूमेंट्स व सीडी गहलोत पक्ष को दी गई। अब 6 सितम्बर को मामले की सुनवाई होगी

एसओजी ने जो बताया वो बोला

रिवीज़न कोर्ट में 1 अगस्त को सुनवाई के दौरान सीएम अशोक गहलोत की ओर से कहा गया था कि उनके पास गृह विभाग भी हैं। गृहमंत्री होने के नाते एसओजी उन्हें रिपोर्ट करती हैं। एसओजी ने केस को लेकर जो उन्हें जानकारी दी। उसे सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया के साथ साझा किया। एसओजी को मिली शिकायत में गजेन्द्र सिंह के परिवार का नाम भी है।

वहीं, गजेन्द्र सिंह शेखावत के अधिवक्ताओं ने बहस करते हुए कहा था कि हमारा किसी भी शिकायत में नाम नहीं था। मानहानि का केस दर्ज होने के बाद एसओजी द्वारा इस मामलें में कथित तथ्य जुटाए गए।

करीब 6 माह पहले गहलोत ने दिया था बयान

करीब पांच माह पहले केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया था। गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में उनके परिवार के बारे में दिए गए अशोक गहलोत के बयान को आधार बनाया था। दरअसल, गहलोत ने 21 फरवरी को सचिवालय में बजट की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह के मां-बाप, पत्नी सहित पूरा परिवार शामिल है। इस घटना से पहले भी दोनों नेताओं के बीच लगातार बयानबाजी होती आई है।

केस को लेकर गहलोत ने कहा था, स्वागत है

मानहानि केस को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने भी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह पर हमला बोला था। गहलोत ने कहा था कि पूरा घोटाला कागजों पर है। गजेंद्र सिंह के मानहानि केस का स्वागत है। कम से कम इस बहाने केस आगे तो बढ़ेगा। उन्होंने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्हें गजेन्द्र सिंह को अपने मंत्रिमण्डल से हटाना चाहिए हैं।

सीपी जोशी बोले- सीएम राजेश पायलट को अपना दोस्त बताते

कहा- दोस्त के बेटे को नाकारा, निकम्मा और गद्दार कहते हैं, हार का डर सता रहा

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आज सीएम अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि सीएम गहलोत को अब हार का डर सताने लगा है। इसलिए गहलोत अब इधर-उधर की बात करने लग गए है।

सीएम गहलोत राजेश पायलट को अपना मित्र बताते हैं। तो मित्र का बेटा नाकारा, निकम्मा और गद्दार कब से हो गया।

डाकुओं की तरह लूट रहे सरकारी पैसा

सीपी जोशी ने कहा सरकारी कार्यालयों में काला धन मिलना, सरकार के मंत्री द्वारा सदन में सरकार पर भ्रष्टाचार की लाल डायरी का ज़िक्र करने पर उन्हें रातों रात हटा देना आपकी नियत पर प्रश्न लगाता है। जब आपकी

एजेंसियां भ्रष्टाचार पर काम नहीं कर रही है तो ऐसे में केंद्रीय एजेंसियां क्यों नहीं आएंगी।

आपकी सरकार में जनता के पैसों पर डाका डाला जा रहा है। डाकुओं की तरह सरकारी पैसा लूटा जा रहा है। अन्नपूर्णा पैकेट में मिलावट, बिजली खरीद में भ्रष्टाचार, बच्चों का पोषाहार खा गए। आजादी के बाद पहली ऐसी सरकार आई है, जिसने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

मुख्यमंत्री नैतिक अधिकार खो चुके हैं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी सरकार की कमियां स्वीकार करने की अपेक्षा दूसरों पर आरोप प्रत्यारोप करते हैं। प्रदेश की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लोकतंत्र और सुशासन पर बात करने का अपना नैतिक अधिकार खो चुके हैं।

देश का सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल और महंगी बिजली देने वाले मुख्यमंत्री को महंगाई पर बात करने का नैतिक हक नहीं है। महंगाई को कम करने के लिए केंद्र और अन्य राज्यों की सरकार ने पेट्रोल पर वेट और टैक्स घटाया। लेकिन प्रदेश सरकार ने इसमें कोई कमी नहीं की।

आरयू कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बोले- बिना शर्त लागू करें ओपीएस, चुनाव में नहीं लगाए यूनिवर्सिटी कर्मचारी की ड्यूटी

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर राजस्थान यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने बैठक कर सरकार के खिलाफ आर पार की लड़ाई का ऐलान किया। राजस्थान यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक संघ के अध्यक्ष डॉ संजय कुमार ने बताया- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साल 2022 में यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों की पेंशन का भार राज्य सरकार द्वारा उठाने की घोषणा की थी। लेकिन इसके बावजूद इस घोषणा को लागू नहीं किया गया है। इसकी वजह से पिछले 2 महीने से ओल्ड पेंशन संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले राजस्थान यूनिवर्सिटी, जेसीटीएसएल और जयपुर मेट्रो सहित अनेक संस्थाओं की और से लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

इसके बाद सरकार ने 25 अगस्त को ओपीएस की विसंगतियों को दूर करने का आदेश निकाला। लेकिन उसमें भी 15% राशि कर्मचारियों को जमा करने की शर्त रख दी गई। जिससे कर्मचारियो में भारी नाराजगी है। ऐसे में जब तक सरकार बिना शर्त OPS लागू नहीं करेगी। हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

डॉ संजय कुमार ने बताया कि राजस्थान यूनिवर्सिटी में 863 पद खाली हैं। पिछले लम्बे वक्त से नई भर्ती नहीं हो रही है। बावजूद इनके यूनिवर्सिटी के सैकड़ो कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगा दी जाएगी। जिससे यूनिवर्सिटी के मूल काम प्रभावित होंगे। ऐसे में सरकार राजस्थान यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में नहीं लगाए। इसके साथ ही बिना शर्त ओपीएस लागू करें। तभी हम हमारा आंदोलन खत्म करेंगे।

कोटा छात्र आत्महत्या मामला: मंत्री महेश जोशी बोले- कोचिंग व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए नीति बनाए केंद्र सरकार

कोटा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के एक मंत्री ने कोटा में छात्रों के आत्महत्या बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा, वित्तीय बोझ छात्रों में तनाव के कारणों में से एक है। केंद्र को एक नीति बनानी चाहिए, ताकि अभिभावकों को अपने बच्चों की कोचिंग आदि के लिए कर्ज न लेना पड़े।

गहलोत सरकार में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने जयपुर में संवाददाताओं से कहा, पढ़ाई का दबाव है। इसके अलावा कई छात्रों पर यह दबाव होता है कि उनके माता-पिता ने उनकी पढ़ाई के लिए पैसे उधार लिए हैं। अगर वे कामयाब नहीं हुए तो उनके माता-पिता का क्या होगा।

उन्होंने कहा कि छात्र घर और माता-पिता से दूर रहते हैं और ऐसे सभी कारकों से तनाव व दबाव पैदा होता है, जिसके चलते उनके द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाए जाते हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार को कोचिंग संस्थानों को लेकर एक नीति बनानी चाहिए और ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें अभिभावकों को कर्ज लेने की जरूरत न पड़े। क्योंकि यह भी छात्रों पर दबाव का एक बड़ा कारण है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक छात्र कोटा शहर जाते हैं। शहर में चार घंटे के भीतर दो छात्रों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अधिकारियों के अनुसार, कोटा जिले में साल 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल इस प्रकार के 15 मामले सामने आए थे।

सीकर की प्रियन बनी मिस अर्थ इंडिया

पहली बार राजस्थान को मिला खिताब, अब वियतनाम में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी

सीकर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सीकर की रहने वाली प्रियन ने देशभर में राजस्थान का नाम रोशन किया है। प्रियन ने मिस अर्थ इंडिया 2023 का खिताब अपने नाम किया है। यह खिताब जीतने वाली राजस्थान की पहली लड़की है। इस इवेंट का आयोजन डिवाइन ब्यूटी के दीपक अग्रवाल द्वारा दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ।

16 फाइनलिस्ट के बीच में जीता खिताब

प्रियन ने टॉप 16 फाइनलिस्ट के बीच में यह खिताब जीता है। प्रियन के मेंटोर योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने बताया कि इससे

पहले प्रियन मिस राजस्थान 2022 की फर्स्ट रनर अप रह चुकी है। फिलहाल वह मिस इंडिया की भी तैयारी कर रही है। साथ ही अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा से कर रही है। जब भी प्रियन को मौका मिलता है। वह जयपुर आकर इवेंट्स में पार्टिसिपेट करती है।

गौरतलब है कि डिवाइन ब्यूटी मिस इंटरनेशनल इंडिया, मिस अर्थ इंडिया का आयोजन करवाता है। जिससे इंडिया की गर्ल्स इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर जाकर इंडिया को रिप्रेजेंट करती हैं।

मिस अर्थ इवेंट का आयोजन दिसंबर में वियतनाम में किया जाएगा जिसमें प्रियन सेन मिस अर्थ इंडिया 2023 के रूप में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी। मेंटोर मैटर योगेश मिश्रा ने बताया की प्रियन सीकर की रहने वाली है। प्रियन की मां सरकारी टीचर है। प्रियन ऐसे ही कई इवेंट्स जीत चुकी हैं।

महिला ने 4 बच्चों को दिया जन्म: 8 महीने में करवाई डिलीवरी

5 लाख 71 हजार मामलों में एक केस मिलता है इस तरह का

टोंक, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महिला ने शादी के 4 साल बाद एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया है। मां और चारों नवजात स्वस्थ हैं। इससे परिवार में खुशी का माहौल है। सूचना मिलते ही अस्पताल में बधाई देने वालों का तांता लग गया। मामला टोंक जिले के प्राइवेट हॉस्पिटल का है।

जेल रोड स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल की डॉ. शालिनी अग्रवाल ने बताया- वजीरपुरा की रहने वाली किरण कंवर (28) को शनिवार रात 2 बजे लेबर पेन होने पर परिवार वाले हॉस्पिटल लेकर आए। महिला का ऑपरेशन कर डिलीवरी कराई गई। 2 लड़के और 2 लड़कियां हुईं हैं।

किरण कंवर की खुशी का

ठिकाना नहीं है। बच्चों के पिता मोहन सिंह किसान हैं। परिवार वालों के साथ-साथ उनके गांव में भी खुशी का माहौल है। गांव से लोग मां और बच्चों का हाल जानने के लिए हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं।

डॉक्टर शालिनी अग्रवाल ने बताया- तीन नवजातों का वजन 1 किलो 350 ग्राम और एक नवजात का वजन 1 किलो 650 है। इन बच्चों को विशेष निगरानी की जरूरत है। 1 किलो 350 ग्राम के तीनों बच्चों को सुरक्षा की दृष्टि से जनाना अस्पताल रेफर कर दिया गया है। एक बच्चे को उसकी मां के साथ रखा है। डॉक्टर शालिनी अग्रवाल ने बताया- इस तरह के केस में 5 महीने में ही गर्भ गिरने की संभावना रहती है। प्रेग्नेंसी के चौथे महीने महिला की बच्चेदानी के टांके लगा दिए थे। उससे ये बच्चे 8 महीने बाद पैदा हुए हैं। सभी स्वस्थ हैं।

सुरक्षा की दृष्टि से 3 बच्चों को जनाना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर सुभाष अग्रवाल ने बताया- यह महिला 2 साल से परेशान थी। वह प्रेग्नेंट नहीं हो रही थी। 10 महीने पहले परिजन महिला को लेकर हॉस्पिटल आए थे। डॉक्टर शालिनी अग्रवाल ने इलाज शुरू किया था।

इसके बाद महिला गर्भवती हो गई। गर्भवती होने के करीब 2 महीने बाद महिला की सोनोग्राफी कराई गई। सोनोग्राफी में पता लग गया था कि किरण कंवर के गर्भ में 4 भ्रूण हैं। उसके बाद से हर 15 दिन में इसका चेकअप हुआ। डॉक्टर सुभाष अग्रवाल ने बताया- एक साथ 4 बच्चे बहुत कम होते हैं। साइंस के अनुसार पांच लाख 71 हजार डिलीवरी में ऐसा एक बार होता है।

पुष्कर में अज्ञात वाहन ने कांवड़ियों को कुचला, दो की मौत, चालक फरार

अजमेर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पुष्कर में हादसा हुआ है। हादसे में अज्ञात वाहन के कुचलने से दो कांवड़ियों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके से वाहन चालक फरार हो गया।

अजमेर में स्थित तीर्थ नगरी पुष्कर में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक अज्ञात वाहन ने दो कांवड़ियों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अज्ञात वाहन चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, रात तकरीबन दो बजे पुष्कर सरोवर से जल लेकर थांवला जा रहे थांवला निवासी 25 वर्षीय गणपत और 30 वर्षीय हेमराज को ग्राम तिलोरा में बड़ी घाटी मोड पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे दोनों की ही मौके पर मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पहुंची पुष्कर पुलिस ने दोनों शव को पुष्कर के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद सोमवार सुबह दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

थानाधिकारी राकेश यादव ने बताया कि देर रात को बड़ी घाटी मोड पर अज्ञात वाहन ने पुष्कर सरोवर से जल लेकर थांवला जा रहे दो युवकों को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। घटनास्थल मार्ग पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

हिस्ट्रीशीटर के सिर में गोली मारकर हत्या

बाइक पर आए 3 बदमाश कर दिया शूट; पहले भी कर चुके थे फायरिंग

भरतपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर के अटलबंध थाना इलाके में दिनदहाड़े हिस्ट्रीशीटर अजय झामरी (23) की गोली मार कर हत्या कर दी गई। बाइक से आए 3 बदमाशों में से एक ने उतर कर अजय के सिर में गोली मारी। इसके बाद तीनों फरार हो गए। अजय के खिलाफ कई मामले दर्ज थे।

गैंगवार की आशंका देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया- अटलबंद थाना इलाके में हीरादास बस स्टैंड के पास अजय झामरी को बदमाशों ने 3 गोलियां मारी। एक गोली अजय के सिर के पीछे की तरफ लगी। पुलिस ने घायल अजय को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोली मारने वाले 3 बदमाशों में से 2 की पहचान कर ली गई है। तेजवीर और युवराज नाम के दो आरोपी अजय झामरी की हत्या में शामिल हैं। बाकी के खुलासे जांच के बाद किए जाएंगे। तेजवीर पर पहले ही 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ है।

लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा रहा

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक- अजय बयाना थाना इलाके के झामरी गांव का रहने वाला था। आरोपी कौढेर निवासी तेजवीर और अन्य से उसकी पुरानी रंजिश चल रही थी। अजय पैदल हीरादास चौराहे से काली बगीची की तरफ जा रहा था। इसी दौरान उस पर हमला किया गया।

अजय लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा रहा। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अजय को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया। सिर में गोली लगने के कारण उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके में नाकाबंदी की है।

17 मई को अजय के पैर में गोली मारी थी

इसी साल 17 मई को भी अजय झामरी पर गोली चलाई गई थी। गोली अजय के पैर में लगी थी। वह अपनी पत्नी के साथ किसी से मिलने आरडी गर्ल्स कॉलेज आया था।

इस दौरान तेजवीर कौढेर और हेमू बिनाऊआ ने उस पर फायरिंग कर दी थी। तब पुलिस ने तेजवीर के खिलाफ फायरिंग और जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया था।

आईआईटी हैदराबाद में आईटीआईसी इनक्यूबेटर और एच4एक्सलैब्स ने जॉइंट एक्सेलरेटर शुरू

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंडस-एक्स (भारत-यू.एस.) डिफेंस एक्सेलेरेशन इकोसिस्टम) रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स), रक्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) द्वारा एक रक्षा नवाचार पुल बनाने की एक पहल है।

इंडस-एक्स के तहत एक सहयोग एजेंडे में रक्षा स्टार्ट-अप के लिए एक त्वरक कार्यक्रम शामिल है, जिसे आईआईटी हैदराबाद में आईटीआईसी इनक्यूबेटर और एच4एक्सलैब्स द्वारा संचालित किया जाएगा। उसी पर कार्रवाई करते हुए, आईटीआईसी और एच 4 एक्स द्वारा इंडो-यूएस क्रॉसलिनएक्स एक्सेलेरेटर कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। क्रॉसलिनएक्स एक्सेलेरेटर भारतीय रक्षा स्टार्टअप को अमेरिकी बाजारों में विस्तार करने के लिए तैयार करेगा। एक बार स्टार्टअप तैयार हो जाने के बाद, वे सरकारी अधिकारियों, निवेशकों, रक्षा ठेकेदारों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए 7-10 दिनों के लिए अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। कार्यक्रम के समापन पर, स्टार्टअप भारत में डेमो डे के हिस्से के रूप में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। लॉन्च इवेंट में विभिन्न डोमेन के विशेषज्ञों द्वारा अमेरिकी रक्षा परिदृश्य पर सत्रों की एक श्रृंखला शामिल थी।

इस आयोजन में पूरे भारत से विभिन्न रक्षा स्टार्टअप और एमएसएमई की भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम के साक्षी बनने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डी. एलन जॉनसन (लेफ्टिनेंट कर्नल-यूनाइटेड स्टेट्स एयरफोर्स, डायरेक्टर-डिफेंस कोऑपरेशन इन आर्मामेंट्स डीसीए, अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली), जोनाथन मगरुम (दक्षिण एशिया के लिए नीति सलाहकार, ओएसडी पॉलिसी- इंडो पैसिफिक सिक्योरिटी अफेयर्स), इकोसिस्टम पार्टनर एरिक अजुले (निदेशक और संस्थापक-एसीआईआर), कैप्टन रॉय जोसेफ, प्रोग्राम डायरेक्टर, आईडीईएक्स) और आईडीईएक्स की टीम शामिल थी। एक्सेलेरेटर की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बी एस मूर्ति ने कहा, ''हम आईसीईटी और इडस-एक्स जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग को लेकर आश्वस्त हैं और इस तरह की पहलों के लिए आईआईटीएच के समर्थन का आश्वासन देते हैं। लॉन्च इवेंट में प्रोफेसर सूर्यकुमार एस, डीन आईटीएच, आईआईटीएच ने कहा, " जॉइंट एक्सेलरेटर कार्यक्रम इंडस-एक्स की सहयोगी भावना का एक प्रमाण है और हमें उम्मीद है कि यह वैश्विक उपस्थिति के लिए भारतीय स्टार्टअप को प्रेरित करेगा। कैप्टन रॉय जोसेफ ने इंडस-एक्स और भारत-अमेरिका सहयोग एजेंडे के तहत स्टार्टअप के लिए अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने आईडीईएक्स का अवलोकन भी किया।

पीड़ितों के साथ खड़े रहते हुए शिकायतों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई करें : जिला एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में जनसंबोधन के दौरान जिला एसपी ने जिले के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न मुद्दों पर पीड़ितों से आवेदन प्राप्त किये। इस मौके पर एसपी ने पीड़ितों से मिली शिकायतों पर संबंधित थाने के अधिकारियों से बात की और पुलिस अधिकारियों को पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हर मामले को कानून के दायरे में सुलझाने और न्याय दिलाने में त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया। आश्वासन दिया कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा। साथ ही एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैर कानूनी ढंग से काम करने वालों, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों से सख्ती से निपटें।

जिला पुलिस वाहनों के पुराने पार्ट्स की नीलामी 1 सितंबर

एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में पुलिस विभाग से संबंधित वाहनों के लिए इस्तेमाल किए गए टायर, बैटरी, इंजन ऑयल और इस्तेमाल किए गए स्पेयर पार्ट्स की नीलामी 1 सितंबर, शुक्रवार को सुबह 10 बजे आयोजित की जाएगी। पुलिस मुख्यालय के मोटर वाहन कार्यालय में हूं।

बेगमपेट में सड़क दुर्घटना में पैदल यात्री की मौत

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह बेगमपेट में एक सड़क दुर्घटना में एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पीड़िता, निज़ामपेट निवासी के प्रियंका (31) बेगमपेट में एक निजी स्टोर में कार्यरत थी। सोमवार की सुबह, प्रियंका अपने काम के लिए निज़ामपेट से बेगमपेट पहुंची और प्रकाशनगर मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पार कर रही थी जब एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। घटना में पीड़िता को गंभीर चोटें आईं और उसे गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेगमपेट पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। कार चालक को हिरासत में ले लिया गया।

बस की चपेट में आने से जीएचएमसी के सफाई कर्मचारी की मौत हो गई

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह शहर के रामकोटे में एक बस की चपेट में आने से जीएचएमसी के एक सफाईकर्मी की मौत हो गई। महिला सड़क पर झाड़ू लगा रही थी तभी एक निजी कॉलेज की तेज रफ्तार बस ने उसे टक्कर मार दी। महिला सड़क किनारे गिरी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

बेटी की मौत से दुखी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी बेटी की मौत से दुखी एक व्यक्ति ने रविवार रात खैरताबाद में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। सरकारी रेलवे पुलिस हैदराबाद के एक अधिकारी ने कहा कि खैरताबाद निवासी किशोर कुमार (39) पत्नी और दो बच्चों सहित अपने परिवार के साथ रहते थे। रविवार को उनकी बेटी आराधना की एक अस्पताल में कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मृत्यु हो गई। रात में, किशोर खैरताबाद में रेलवे ट्रैक पर गया और चलती ट्रेन के सामने कूद गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी हैदराबाद ने घटनास्थल का दौरा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज द्वारा श्रावणी उपाकर्म महोत्सव कल

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा एवं राजस्थानी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट द्वारा कल बुधवार 30 अगस्त को प्रात: 10 बजे से श्री वेंकटेश्वरा बालाजी मन्दिर, मामडपल्ली, पहाडी शरीफ, बालापुल मण्डल पर श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन होगा।

प्रातः 9.51 बजे से हरिप्रिया पुष्करणी पर दशविधि स्नान 11.15 बजे पर गायत्री एवं यज्ञोपवीत पूजन, 11.45 बजे पाँचकुण्डीय यज्ञ व नूतन बटुको को यज्ञोपवीत धारण, दोपहर 1.11 बजे से आरती के प्रश्चात भोजन प्रसादी आयोजन होगा। श्रावणी उपाकर्म महोत्सव के सभी अनुष्ठान गायत्री परिवार हैदराबाद द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में पुरोहितों के सानिध्य में सम्पन्न होगा। यह विज्ञप्ति मंत्री रामदेव नागला द्वारा की दी गई। नागला ने बताया कि महोत्सव पर नन्दकिशोर उपाध्याय, हरिनारायण व्यास, शांतिलाल चाण्डा, हुकमीचन्द थानवी, गोकुलचन्द उपाध्याय व मुरलीधर ओझा यजमान होगे। रामनाथ आश्रम से बस व्यवस्था रहेगी। नागला ने सभी विप्र बन्धुओं से अपील की के समय पर पधार कर अनुष्ठान का पूर्ण लाभ लें।

हर व्यक्ति आत्मा से परमात्मा बनने की ताकत : साध्वी मंगलप्रज्ञाजी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकन्दराबाद में चातुर्मासार्थ प्रवासित साध्वी श्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में ज्ञान दर्शन, चारित्र और तप की गंगा नित्य प्रवाहित है। सम्पूर्ण समाज इस गंगा में स्नान कर आनन्द का अनुभव कर रहा है। आज प्रवचन की धारा प्रवाहित करते हुए साध्वीश्रीजी ने कहा कि हर व्यक्ति आत्मा से परमात्मा बनने की ताकत है, पर प्रभु बनकर ही हम प्रभु की पूजा कर सकते हैं. इस शाश्वत सत्य को जीकर परमात्मा बना जा सकता है। साध्वीश्री जी ने कहा- तीन प्रकार की प्रशस्त इच्छाएं होती है, भगवद दर्शन की इच्छा, स्वरूप बोध और सेवाभावना। प्रथम दो इच्छाएं हमें प्राप्त है। उन्हें मात्र अनुभव करना है। यह इच्छा आनंद प्रदायक है। भारतीय अध्यात्म जगत में भक्ति योग, ज्ञान योग और कर्मयोग का विस्तृत वर्णन मिलता है।

भक्तियोग ही परमात्मा दर्शन है। स्वरूप का बोध होना ज्ञान योग और सेवा करना पवित्र कर्मयोग है। भक्ति योग, ज्ञान योग और कर्मयोग के साथ उपरोक्त तीन इच्छाएं जुड़ी हुई हैं। सेवा के संदर्भ में प्रेरणा प्रदान करते हुए साध्वी श्री जी ने कहा कि बिना किसी कामना के निष्काम भाव से सेवा करनी चाहिए। अध्यात्म जगत में सेवा करने का एकमात्र लक्ष्य कर्मों की निर्जरा होना चाहिए। गीता में श्री कृष्ण ने भी कहा है- कर्म करो, फल की इच्छा मत करो। प्रकृति का भी यही नियम है जहां कारण है वहां कार्य अवश्य होगा। व्यवहार जगत में भी यह चिन्तन करना चाहिए, कोई आपके साथ असद् या असभ्य व्यवहार कर रहा है तो उसे उस अनैच्छिक कर्म का फल भी चुकाना पड़ेगा।

भक्ति योग एक ऐसी साधना है जिसमें उत्कृष्ट व्यक्ति की शरण ले ली जाती है तो व्यक्ति सुरक्षित रह सकता है। हम सौभाग्यशाली है जिन्हें भगवान् महावीर की शासन मिला है, शरण मिली है, किसी प्रकार का कोई भय नहीं है। आवश्यकता है जो भी साधना करें उसमें एक लय हो जाएं। भगवद दर्शन की इच्छा प्रबल बने और निरंतर बनी रहे। अपने स्वरूप का हमेशा बोध होता रहे और सेवाभावना भी उत्कृष्ट कोटि की हो।

श्रृंग ऋषि महोत्सव के संदर्भ में की गई बैठक

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन द्वारा श्रृंग ऋषि महोत्सव के संदर्भ में एक विशेष बैठक अध्यक्ष भगवान व्यास की अध्यक्षता में श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना में रखी गई। श्रृंग वंदना के पश्चात महामंत्री श्यामसुन्दर तिवारी ने अभी तक की गई तैयायिों का ब्यौरा दिया। अध्यक्ष भगवान व्यास ने कहा कि वे अपने साथ मंत्री श्यामसुन्दर तिवारी, कन्हैयालाल उपाध्याय, रामदेव तिवारी व जगदीश तिवाड़ी के साथ श्रृंगेरी जाकर सभी यात्रा स्थलों पर आवास-निवास की व्यवस्था पूर्ण कर ली है। व्यास के कहा कि बडे ही गर्व की बात है कि श्रृंगेरी में श्रृंगी वंशज सिखराल समाज द्वारा यह प्रथम महोत्सव जगद्गुरु शंकराचायजी के सान्निध्य में होगा।

विज्ञप्ति में बताया गया कि 31 अगस्त को रेल्वे टिक की बुकिंग प्रारम्भ होगी, इसलिए कथा में चलने वाले इच्छुक सदस्य जल्द से जलद अपना पंजीकरण करा ले, ताकि रेल्वे व आगे की व्यवस्था सुचारु रूप से हो सके।

संस्था के अनुरोध पर जगद्गुरु शंकराचार्यजी महोत्सव के मध्य एक दिन पधारेंगे, उस दिन विशेष कार्यक्रम होगा। ऋषि श्रृंग मंदिर किगा में 25 पंडितों द्वारा महाअभिषेक व प्रजाही का कार्यक्रम होगा। बैठक में भगवान व्यास, श्यामसुन्दर तिवारी, जगदीश तिवारी, रामदेव नागला, कन्हैयालाल उपाध्याय, सुनील व्यास, सम्पत व्यास, नरसिंग जोशी, भगवान तिवाड़ी, रामदेव जोशी, ज्ञानचन्द व्यास, रामनारायण तिवारी, श्याम नागला, श्याम ओझा उपस्थित थे ।

टास्कफोर्स के अधिकारियों ने पकड़ा 2 लाख का देसी दारू, दो हिरासत में

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस के आदेशानुसार टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप और एसआई संदीप कुमार को उनके स्टाफ के साथ कागजनगर शहर के एनजीओ कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया।सीआई राणा प्रताप के विवरण के अनुसार मूल निवासियों के आयात की पुख्ता जानकारी के आधार पर कागजनगर की एनजीओ कॉलोनी में छापेमारी की गई।जब उनसे पूछताछ की गई। उनके पास से 30 देसी दारू के कार्टून बरामद किए गए। उसकी कीमत करीब 2 लाख की बताई जा रही है। महाराष्ट्र से आरोपी सचिन राज अदलाकोंडावर व सुगत संजय रायपुरी ये दोनों एक साथ एनजीओ कॉलोनी के मूल निवासियों को जदी श्रीकांत (तिरंदाज बस्ती, कागजनगर) को सौंपने की प्रक्रिया में वे पकड़े गए। कागजनगर शहर के तीरंदाज बस्ती से संबंधित जदी श्रीकांत नाम का व्यक्ति अवैध रूप से महाराष्ट्र से कागजनगर शहर के केंद्र में कम कीमत पर देसीदारू आयात कर रहा है और इसे कागजनगर और आसपास के गांवों में बेच रहा है। श्रीकांत फरार है।उन्होंने बताया कि उनके पास से देशी शराब और वाहन जब्त कर कागजनगर ग्रामीण पुलिस थाने को सौंप दिया गया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने चेतावनी दी कि युवा बुरी लतों में न पड़ें और देसीदारु, गुडुम्बा, गंजाई जैसे नशीले पदार्थ बेचने या बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इन छापेमारी में टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप, एसआई संदीप कुमार, स्टाफ कांस्टेबल मधु, रमेश व संजीव शामिल रहे।

सोमवार को खैरताबाद के जोनल कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभालने वाले वेंकटेश धोत्रे से मुलाकात कर विभिन्न गोशामहल क्षेत्र की कई समस्याओं के बारे में चर्चा करते हुए स्थानीय नेता एम. आनंद कुमार गौड़, जामबाग डिविजन माइनॉरिटी के अध्यक्ष अहमद, मोहम्मद सलीम व अन्य।

सर्व ब्राह्मण परिषद की सभा आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रृंग ऋषि भवन में आयोजित हुई सर्व ब्राह्मण परिषद की सभा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सभा में बेगम बाजार में स्थित श्री परशुराम मंदिर के निर्माण की योजना और मंदिर को जल्दी से कब्जे से मुक्त करने के लिए आंदोलन की जरूरत का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सदस्यता अभियान का आयोजन कर ब्राह्मण समाज को एक मंच पर लाने का निर्णय और आगामी 29 अक्टूबर को ब्राह्मण दशहरा सम्मेलन करने का निर्णय भी लिया गया, जिसमें ब्राह्मणों की आवाज़ को सरकार तक पहुँचाने का मकसद है। सभी सदस्यों ने इन निर्णयों पर सहमति दी और परशुराम मंदिर को बचाने की मुहिम को जन-जन तक पहुँचाने का भी निर्णय लिया गया और जॉब मेला के सफल होने और सर्व राजस्थानी फाउंडेशन के पदाधिकारी रामदेव नगला और संदीप जायलवाल का सम्मान भी किया। सभा में सर्व ब्राह्मण के अध्यक्ष पवन मिश्रा और महामंत्री विशाल शर्मा के साथ-साथ परामस मण्डल रामदेव नगला, श्रीवल्लभ उपाध्याय, रितेश शर्मा, संदीप जायलवाल, धनंजय मनसबदार, विजय शर्मा, प्रेदुमन मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडेय बंटी तिवारी, आनंद मिश्रा, जुगल किशोर उपाध्याय, संदेश उपाध्याय, अवदेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, विजय ओझा, मनोज तिवारी, पवन कुमार व्यास, रितेश तिवारी, रामेश्वर मिश्रा, आनंद ओझा और अन्य उपस्थित थे।

श्री आईजी गौशाला की कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईजी गौशाला, जवाहरनगर, खापरा मण्डल के आगामी त्रिवार्षिक सत्र हेतु पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी मण्डल के चुनाव गौशाला स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में सम्पन्न हुए। बैठक में सर्वसम्मति से मंगलराम पंवार को अध्यक्ष, कालुराम काग (उप्पल) को उपाध्यक्ष, हुक्माराम सानपुरा को सचिव, डगलाराम सेपटा को सहसचिव, नारायणलाल परिहार को कोषाध्यक्ष तथा सलाहकार के रूप में भवरलाल मुलेवा एवं डायाराम लचेटा को चुना गया। विज्ञप्ति अनुसार इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। निवर्तमान अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़ सहित समस्त निवर्तमान कार्यकारिणी को विदाई दी गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने उपस्थित सभी समाज बन्धुओं को धन्यवाद प्रेषित करते हुए सभी से श्री आईजी गौशाला के विकास एवं प्रगति के लिए सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

सीरवी समाज का वार्षिकोत्सव व दुज महोत्सव 17 को

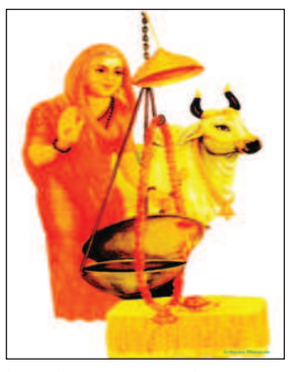

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में श्री आईमाताजी के 608वें अवतरण दिवस व 41वें वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 16 सितम्बर महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व भादवा सुदी दुज रविवार 17 सितम्बर प्रात: वेला में पूजा-अर्चना, भजन व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार 16 सितम्बर प्रात: वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रंगारकर सायं 4.15 बजे से 10 बजे तक महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व रविवार 17 सितम्बर प्रात: 9.15 बजे गणेश वंदना व आईमाँ की पूजा-अर्चना, प्रात: 10.15 बजे भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें रमेश माली माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़ की अध्यक्षता में पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा द्वारा आय व्यय का विवरण, पदाधिकारियों द्वारा अपने विचार व्यक्त करना, सचिव महोदय द्वारा सभा को सम्बोधन, समाज में किये गये विकासशील कार्यों का विवरण एवं धन्यवाद प्रस्ताव, पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी।

अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन भाषण व धन्यवाद प्रस्ताव, महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन होगा। दुज महोत्सव कार्यक्रम में अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, किशनसिंह राठौड़, परसराम बर्फा, सज्जनराज सोलंकी, सीतादेवी सोलंकी, निर्मला देवड़ा, पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ ने निवेदन किया है कि दुज महोत्सव पर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर, समाज बन्धु सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लें।

झुंझुनूं प्रगति संघ, हैदराबाद की मासिक सभा में उपस्थित संघ के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, मानद मंत्री राजकुमार पसारी, कोषाध्यक्ष शंकर लाल तुलसियान, आनंद तुलसियान, संदीप ढेढिया, मनोज जालान और नितिन तुलसियान। उक्त सभा में संघ की भविष्य की गतिविधियों पर चर्चा की गई।

सब्जी दाताओं के साथ बैठक आयोजित

तिरुमला, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुड़वां ब्रह्मोत्सव सितंबर और अक्टूबर में निर्धारित हैं, टीटीडी ईओ श्री एवी धर्म रेड्डी ने दक्षिणी राज्यों के सब्जी दाताओं से जैविक सब्जियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सब्जियों की किस्मों की आपूर्ति करने के लिए कहा है। बैठक सोमवार शाम तिरुमाला के अन्नमय्या भवन में हुई। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु कर्नाटक आदि से लगभग 22 सब्जी दाताओं ने भाग लिया है। पिछले ब्रह्मोत्सव के दौरान 25 किस्मों की कुल 1.14 लाख किलो सब्जियों की आपूर्ति की गई थी। इस वर्ष, हम भक्तों के लिए ब्रह्मोत्सव के दौरान हर दिन एक विशेष मेनू की योजना बना रहे हैं और इसलिए सब्जियों की अधिक किस्मों के साथ आपूर्ति बढ़ाएंगे। जैविक सब्जियों पर ध्यान दें क्योंकि वे न केवल स्वादिष्ट हैं बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी हैं, ईओ ने दानदाताओं से आग्रह किया। बाद में उन्होंने सब्जी दाताओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उन्हें श्रीवारी प्रसादम भेंट किया।

श्रावण सोमवार के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव ने राम मंदिर, गौलीगुडा में जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए अन्नदान किया। उपस्थित हैं रजनी श्रीरामोजू, श्रीनिवास गुप्ता, नंद कुमार अग्रवाल, ठाकुर विकास सिंह, विनीत यादव और अन्य।

गच्चीबोली के विशालतम रेसिडेंशियल कांप्लेक्स विंग में सभी राज्यो के लोगों ने मिलकर ओणम मनाया। कार्यक्रम में म्यूजिकल चेयर, कला प्रतियोगिता, गीत संगीत प्रस्तुति, अन्य खेलों का प्रबंध किया गया था। कार्यक्रम का आनंद लेते हुए आयोजक संदीप, स्मयुक्ता, यमुना, जीना,दीपा और अन्य लोग गौरव गुप्ता , शालू गुप्ता, पुष्प संरचना व अन्य।

कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम समाज बन्धुओं द्वारा सावन मास के पावन अवसर पर मेड़चल बद्रीनाथ मंदिर व ढोला-री-ढाणी में आयोजित सावन की सैर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद व सावन के झूलों का आनन्द लेते हुए संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणाकुमार मालीवाड़, भीयांराम मंगलोडा, नवरत्न एकलिया, पदाधिकारी, समाज बन्धु व महिलाएं।

वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी 4 अक्टूबर को

अहमदाबाद में 'कैप्टंस डे' इवेंट, सभी कप्तान शामिल होंगे

अहमदाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी 4 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगी। ओपनिंग सेरेमनी शहर में कहां होगी, ये अब तक तय नहीं है, लेकिन इसे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही आयोजित कराने की चर्चाएं चल रही हैं।

इसी स्टेडियम में अगले दिन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच ओपनिंग मैच भी खेला जाएगा। दोनों टीमें 2019 के पिछले वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी भिड़ी थीं।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत के 10 शहरों में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग और फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

सभी 10 कप्तान सेरेमनी में हिस्सा लेंगे

इस बार का वर्ल्ड कप पिछली बार की तरह राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी 10 टीमों

के कप्तान ओपनिंग सेरेमनी के दौरान अहमदाबाद में मौजूद रहेंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल 'कैप्टंस डे' इवेंट में सभी कप्तानों का छोटा सा फॉर्मल सेशन भी रखेगी।

ओपनिंग सेरेमनी में आईसीसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड मेंबर्स भी मौजूद रहेंगे। आईसीसी के साथ मेजबान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के भी एग्जीक्यूटिव बोर्ड मेंबर्स ओपनिंग सेरेमनी का हिस्सा बनेंगे।

4 अक्टूबर को सेरेमनी, 3 को 6 टीमों के वॉर्म-अप मैच

ओपनिंग सेरेमनी के दौरान 6 टीमों के कप्तानों को जल्दबाजी में अहमदाबाद पहुंचना होगा क्योंकि 6 टीमें सेरेमनी के एक दिन पहले ही 3 अक्टूबर को किसी और शहर में वॉर्म-अप मैच खेल रही होंगी। ऐसे में इन टीमों के कप्तानों को मैच खत्म होते ही अहमदाबाद के लिए रवाना होना होगा। वहीं बाकी 4 टीमों के कप्तान 4 अक्टूबर की सुबह ही अहमदाबाद पहुंच जाएंगे।

3 अक्टूबर को भारत-नीदरलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम, ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान के बीच हैदराबाद और श्रीलंका-अफगानिस्तान के बीच गुवाहाटी में वॉर्म-अप मैच खेले जाएंगे। यानी भारत से कप्तान रोहित शर्मा, नीदरलैंड से स्कॉट एडवर्ड्स, ऑस्ट्रेलिया से पैट कमिंस, पाकिस्तान से बाबर आजम, श्रीलंका से दसुन शनाका और अफगानिस्तान से हसमतुल्लाह शाहिदी को मैच खत्म होते ही अहमदाबाद पहुंचना होगा।

2011 के दौरान ढाका में हुई थी ओपनिंग सेरेमनी

वनडे वर्ल्ड कप 12 साल बाद एशिया में आयोजित हो रहा है। इससे पहले 2011 में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश की संयुक्त मेजबानी में वर्ल्ड कप हुआ था। तब बांग्लादेश के ढाका शहर में ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की गई थी। एशिया की झलक दिखाने के लिए सभी टीमों के कप्तानों को रिक्शा पर बैठाकर स्टेज तक लाया गया था। इसी तरह का माहौल इस बार भी 4 अक्टूबर के दिन देखने को मिल सकता है।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023: पारुल ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

बुडापेस्ट, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हंगरी में चल रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में भारत की पारुल चौधरी 11वें स्थान पर रहीं। उन्होंने इसमें 9:15.31 के समय के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। हंगरी में चल रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में भारत की पारुल चौधरी 11वें स्थान पर रहीं। उन्होंने इसमें 9:15.31 के समय के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसी के साथ पारुल ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड हासिल कर पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

स्टीपलचेज में ब्रुनेई एथलीट विन्फ्रेड मुटिले यावी ने 8:54.29 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं केन्या की बीट्राइस चेपकोच ने 8:58.98 के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक जीता और केन्या की एक अन्य एथलीट फेथ चेरोटिच

ने 9:00.69 का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल करते हुए कांस्य पदक जीता।

पारुल चौधरी 200 मीटर के स्प्लिट में स्टीपलचेज में सबसे आगे थीं लेकिन उन्होंने अपनी गति खो दी और 11वें स्थान पर रहीं। हालाँकि, 2900 मीटर स्प्लिट तक, भारतीय एथलीट 13वें स्थान पर थी, आखिरी 100 मीटर स्प्लिट में उन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई। इसी के साथ वह 11वां स्थान प्राप्त कर पाईं।

भारतीय टीम ने 400 मीटर रिले रेस में बनाया रिकॉर्ड

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने 400 मीटर रिले रेस के फाइनल में जगह बना ली है, टीम पांचवें स्थान पर रही। मुहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल और राजेश रमेश की भारतीय टीम ने दो मिनट 59.05 सेकेंड में अपनी रेस पूरी की। इससे पहले एशिया की किसी टीम ने सबसे कम समय में दो मिनट 59.51 सेकेंड में 400 मीटर रिले रेस पूरी की थी। जापान की टीम ने यह कारनामा किया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय टीम की इस सफलता पर उन्हें बधाई दी। पीएम ने 400 मीटर रिले रेस का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा ₹विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अविश्वसनीय टीम वर्क! अनस, अमोज, राजेश रमेश और मुहम्मद अजमल ने एम 4X400 मीटर रिले में एक नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। इसे भारतीय एथलेटिक्स के लिए सचमुच ऐतिहासिक, विजयी वापसी के रूप में याद किया जाएगा।

एशियाड के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम का ऐलान

तीसरी बार हिस्सा लेगी टीम, भारत के ग्रुप में चाइना ताइपे और थाईलैंड

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अगले महीने 21 सितंबर से शुरू हो रहे एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम का ऐलान कर दिया है। चीफ कोच थॉमस डेननरबी ने टीम घोषित की। एशियन गेम्स 6 अक्टूबर तक चीन के हांगझू शहर में आयोजित किए जाने हैं। फिफा रैंकिंग में 61वें स्थान पर मौजूद भारतीय महिला टीम को ग्रुप बी में चीनी ताइपे (38वें स्थान) और थाईलैंड (46वें स्थान) के साथ रखा गया है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम तीसरी बार इन खेलों में हिस्सा ले रही है। इससे पहले बैंकॉक-1998 और इंचियोन-2014 में टीम इंडिया एशियाड में हिस्सा ले चुकी है।

चोटिल कप्तान अदिति चौहान नहीं है टीम का हिस्सा

भारतीय महिला टीम की रेग्युलर कप्तान अदिति चौहान इस टीम का हिस्सा नहीं है। उनके घुटने की चोट लगी है और वे रिहैब प्रोसेस से गुजर रही हैं।

सरकार से मिली विशेष अनुमति

एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए दोनों फुटबॉल टीमों को भारत सरकार से विशेष अनुमति मिली है। पहले साई ने फुटबॉल टीमों को चीन भेजने से मना कर दिया था। ऐसे में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के हेड कोच ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खत लिखा था और टीमों को अनुमति देने की मांग की थी।

इससे पहले, भारतीय टीम को 2018 के एशियाड में खेलने की परमिशन नहीं मिली थी। भारतीय टीम ने आखिरी बार टीम ने 2014 के एशियाड में हिस्सा लिया था। खेल मंत्रालय का नियम कहता है कि टीम इवेंट में केवल एशिया टॉप -8 रैंक में शामिल टीमों को ही जाने की अनुमति मिलेगी।

एशियाड में कुल 17 टीमें हिस्सा लेंगी

एशियाड में कुल 17 टीमें हैं। इन्हें पांच ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए, बी और सी में तीन-तीन टीमें हैं, जबकि ग्रुप डी और ई में चार-चार टीमें हैं। पांच ग्रुप विजेता और तीन टॉप दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

एशियन गेम्स में विमेंस फुटबॉल टूर्नामेंट सीनियर टीम के साथ ही जाएगी। इसमें मेंस फुटबॉल की तरह कोई एज रिस्ट्रिक्शन नहीं है।

ये है भारतीय महिला फुटबॉल टीम

गोलकीपरः श्रेया हुडा, सौम्या नारायणसामी, पंथोई चानू।

डिफेंडरः आशालता देवी, स्वीटी देवी, रितु रानी, डालिमा छिब्बर, अस्तम ओरांव, संजू, रंजना चानू।

मिडफील्डरः संगीता बासफोर, प्रियंगका देवी, इंदुमथी कथिरेसन, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, डांगमेई ग्रेस।

फॉरवर्डः प्यारी जाक्सा, ज्योति, रेनू, बाला देवी, मनीषा, संध्या रंगनाथन।

कोचः थॉमस डेननरबी।

भारतीय महिला टीम की 5ए साइड हॉकी में भारत की लगातार तीसरी जीत, थाईलैंड को कड़े मुकाबले में हराया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने जापान पर 7-1 से और मलयेशिया को 7-2 से हराया था। थाईलैंड के खिलाफ भारत की कप्तान नवजोत कौर (पहला मिनट), मोनिका दिपी टोप्पो (पहला और 7वां मिनट), महिमा चौधरी (20वां मिनट) और अजमिना कुजुर (30वें मिनट) ने गोल किए।

भारतीय महिला टीम ने मस्कट में एशियाई हॉकी 5 ए साइड विश्वकप क्वालिफायर में अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए लगातार तीसरी जीत हासिल की। भारत ने थाईलैंड को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराया। इससे पहले भारत ने जापान पर 7-1 से और मलयेशिया को 7-2 से हराया था। थाईलैंड के खिलाफ भारत की कप्तान नवजोत कौर (पहला मिनट), मोनिका दिपी टोप्पो

(पहला और 7वां मिनट), महिमा चौधरी (20वां मिनट) और अजमिना कुजुर (30वें मिनट) ने गोल किए।

थाईलैंड की ओर से पिरसराम (तीसरा मिनट), अनुजई नथाकरन (10वां, 14वां मिनट) और सुवापत कोनथोंग (19वां मिनट) ने गोल किए थे। मैच की शुरुआत में ही भारत ने दबदबा बना लिया था। नवजोत ने शुरुआत में ही टीम का खाता खोल दिया था। तुरंत ही मोनिका ने बढ़त दोगुनी कर दी थी। दो मिनट बाद थाईलैंड की कप्तान ने गोल कर स्कोर 1-2 किया था। मोनिका ने एक गोल और किया और इसी तरह नथाकरन भी अपना दूसरा गोल करने में सफल रहीं। सुवापत ने स्कोर बराबर किया लेकिन महिमा और कुजुर के गोलों से भारत ने जीत तय कर ली।

इससे पहले जापान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और फॉर्म में चल रही महिमा चौधरी ने सातवें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। उन्होंने दूसरा गोल 30वें मिनट में किया। अन्य गोल अक्षता धेकाले ने आठवें, मारियाना कुजूर ने 12वें, ज्योति ने 23वें, मोनिका दिपी टोप्पो ने 27वें और अजमिना कुजूर ने 30वें मिनट में किए।

मिताली राज बोलीं टीम इंडिया ही जीतेगी विश्व कप

बताया किस चीज का मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महिला क्रिकेट टीम की पर्व कप्तान मिताली राज ने टीम इंडिया को विश्वकप जीतने का प्रबल दावेदार बताया है।

टीम इंडिया एशिया कप की तैयारियों में जुट गई है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज होगी और फिर विश्वकप का आयोजन ऐसे में आने वाला समय टीम इंडिया के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इस बीच महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी पुरुष टीम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि टीम इंडिया के पास इस बार विश्वकप जीतने का बड़ा मौका और हमारी टीम प्रबल दावेदार है।

इस चीज का मिलेगा फायदा

एक कार्यक्रम में पूर्व कप्तान

मिताली राज ने कहा कि भारतीय खेल प्रेमी होने के नाते में चाहूंगी कि टीम इंडिया ही विश्वकप का फाइनल खेले। क्योंकि हमारे पास फिर से विश्वकप जीतने का बड़ा मौका है। भारत विश्वकप की मेजबानी कर रहा है और यहां की परिस्थितियां भी हमारे पक्ष में हैं, इसलिए टीम अच्छा प्रदर्शन करें और हमें विश्वकप जीतने का मौका मिले।'

महिला क्रिकेट को रहा फायदा

मिताली राज ने कहा कि अब इंडिया में महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस साल हुई महिला इंडियन प्रीमियर लीग से भी उत्साह बढ़ा है। हमें इस बात की उम्मीद है कि आने वाले कुछ सालों में इंडिया का क्रिकेट और तेजी से आगे आएगा। बता दें कि मिताली राज ने टीम इंडिया की तरफ से 7805 रन बनाए हैं। उन्हें महिला क्रिकेट का सचिन तेंदुलकर भी कहा जाता है।

बता दें कि इस बार वनडे विश्वकप का आयोजन भारत में हो रहा है। पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में 10 टीमें भाग लेगी, जिसमें टीम इंडिया खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड भी इस बार मजबूत टीमें दिख रही है।

नीरज चोपड़ा ने तिरंगे पर ऑटोग्राफ देने से इनकार किया

महिला फैन इंडियन फ्लैग लेकर आई, गोल्डन बॉय बोले- यहां साइन नहीं कर सकता

पानीपत, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर इतिहास रचा। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, लेकिन इस खिताब को जीतने के बाद नीरज चोपड़ा ने तिरंगे पर ऑटोग्राफ ना देकर करोड़ों भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। दरअसल, प्रतियोगिता के बाद उनकी एक महिला फैन भारतीय झंडे पर ऑटोग्राफ लेने आई थी, मगर नीरज ने उन्हें तिरंगे पर ऑटोग्राफ देने बाद से इनकार कर दिया। इसको लेकर ट्विटर पर एक यूजर ने ट्वीट भी किया है।

उन्होंने ट्वीट कर लिखा 'एक बहुत प्यारी हंगरी की महिला (जो वैसे तो बहुत अच्छी हिंदी बोलती थी) नीरज चोपड़ा का ऑटोग्राफ चाहती थी। नीरज ने कहा जरूर,

लेकिन फिर उन्हें एहसास हुआ कि उसका मतलब भारतीय झंडे पर था। नीरज ने उनसे कहा 'वहां नहीं साइन कर सकता। लास्ट में नीरज ने उनकी शर्ट पर ऑटोग्राफ दिए। वह फिर भी बहुत खुश थी।'

नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तान के एथलीट के साथ खिंचवाया फोटो

इसके अलावा नीरज ने पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम के साथ भी फोटो खिंचवाकर खूब सुर्खियां बटोरी। दरअसल, नीरज चोपड़ा तिरंगे के साथ चेक गणराज्य के एथलीट याकूब वालेश के साथ फोटो क्लिक करवा रहे थे। दोनों एथलीट के पास अपने-अपने देश का झंडा था। तभी नीरज की नजरें अरशद पर गईं और उन्हें फोटो क्लिक कराने के लिए बुलाया।

वहीं नीरज चोपड़ा की जीत से उनके घर-गांव में जश्न का माहौल है। 88.17 मीटर भाला फेंक वह विश्व विजेता बने तो उनके गांव खंडरा में लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। देर रात ही पूरा गांव खुशी से झूम उठा। नीरज चोपड़ा का लाइव मैच देखने के लिए लोग उनके घर पहुंचे थे। गोल्ड मेडल जीतते ही लोगों ने ताली और सीटी बजाकर जश्न मनाया। नीरज के चाचा भीम चोपड़ा व पिता सतीश चोपड़ा ने गले लगकर एक दूसरे को बधाई दी। दोनों ने एक सुर में कहा कि देश की उम्मीदों पर सोना सा खरा उतरा निज्जू (नीरज चोपड़ा)। नीरज विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गोल्ड जीतने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं।

कैरेबियन प्रीमियर लीग क्रिकेट में पहली बार दिखा रेड कार्ड

स्लो ओवर रेट थी वजह, कप्तान पोलार्ड ने सुनील नरेन को मैदान के बाहर भेजा

खेल डेस्क, 28 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट में स्लो ओवर रेट की वजह से पहली बार रेड कार्ड दिखाया गया। यह कार्ड कैरेबियन प्रीमियर लीग में आया। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के बीच मुकाबले में राइडर्स को रेड कार्ड मिला। नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए टीम अपने आखिरी तीन ओवरों की शुरुआत में जरूरी ओवर रेट से पीछे थे।

इस वजह से अंपायर ने टीम को रेड कार्ड दिखाया और कप्तान पोलार्ड के कहने पर स्पिनर सुनील नरेन को मैदान से बाहर जाना पड़ा। तब नरेन अपने 4 ओवर पूरे कर चुके थे। आखिरी ओवर में टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही फील्डिंग की।

टीम 20वें यानी आखिरी ओवर के शुरू होने से पहले ओवर रेट से पीछे है तो उसके किसी एक खिलाड़ी को फील्ड से बाहर जाना होगा। खिलाड़ी का निर्णय कप्तान करेगा, और इसके साथ ही उसके छह खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर भी होंगे।

ऐसा नहीं है कि सीपीएल में नियम सिर्फ फील्डिंग कर रही टीम को लेकर ही बने हैं। खेल को तय समय पर कराने की जिम्मेदारी बल्लेबाजी करने वाली टीमों पर भी होगी। अगर बैटिंग कर रही टीम की और से देर की जा रही हो तो, इसके लिए अंपायर की ओर से उन्हें पहली और फाइनल वॉर्निंग दी जाएगी, जिसके बाद उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जाएगा। क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है जब स्लो ओवर रेट की वजह से रेड कार्ड दिखाया गया। इससे पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में अंपायर बिली बोडेन ने एक बार 2005 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच में अंडरआर्म बॉल फेंकने पर ऑस्ट्रेलियाई बॉलर ग्लेन मैक्ग्रा को रेड कार्ड दिखाया था।

नाइट राइडर्स के कप्तान पोलार्ड ने मैच के बाद रेड कार्ड रूल को ₹बिल्कुल हास्यास्पदर कहा। पोलार्ड ने अपने सीमित फील्डिंग ऑप्शन्स को बदलते हुए नरेन को मैदान छोड़ने के लिए कहा, जिन्होंने अपना चार ओवर का स्पैल 24 रन देकर 3 विकेट लेकर पूरा कर लिया था।

एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम का ऐलान

करीम जनत और शराफ़ुद्दीन अशरफ की वापसी, मोमंद-उमरजई चोट के कारण बाहर

काबुल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित कर दी गई है। टीम का पहला मुकाबला 3 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ लाहौर में खेला जाएगा। करीम जनत और शराफ़ुद्दीन अशरफ की वापसी हुई है, वहीं वफादार मोमंद और अजमतुल्लाह उमरजई चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

जनत करीब 6 साल बाद वनडे टीम में वापसी कर रहे हैं, वहीं अशरफ ने जनवरी 2022 से वनडे टीम का हिस्सा नहीं हैं। जनत ने अपना आखिरी वनडे मुकाबला फरवरी 2017 को खेला गया था।

अफगानिस्तान : शाहिदी को सौंपी टीम की कमान

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम की कमान हशमतुल्लाह शाहिदी को सौंपी गई है। आगे पढ़िए पूरी टीम...

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), नजीबुल्लाह जादरान, राशिद खान, इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), करीब जनत, गुलबदन नबी, मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, शराफ़ुद्दीन अशरफ, नूर अहमद, अब्दुल रहमान, मोहम्मद सलीम।

3 दिन बाद शुरू होगा एशिया कप

एशिया कप 30 सितंबर को शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। इसमें 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

श्रीलंका को छोड़कर सभी टीमें घोषित

मेजबान श्रीलंका को छोड़कर

एशिया कप में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों का ऐलान हो चुका है। एक या दो दिन में श्रीलंका टीम का भी ऐलान हो सकता है। आगे पढ़िए अब तक घोषित टीमें...

बांग्लादेश - मोहम्मद नईम, नजमुल हुसैन शान्तो, तंजीद तमीम, तौहीद हृदॉय, लिटन दास (विकेटकीपर), मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), शाकिब अल हसन (कप्तान), अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज, शमीम हुसैन, शेख मेहदी हसन, इबादत हुसैन, हसन महमूद, मुस्ताफिजुर रहमान, नसुम अहमद, शोरिफुल इस्लाम, तस्कीन अहमद।

पाकिस्तान - फखर जमान, इमाम-उल-हक, बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्लाह शफीक, इफ्तिखार अहमद, तैयब ताहिर, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हारिस, शादाब खान (उप कप्तान), आगा अली सलमान, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, उसामा मीर, हारिस रऊफ, नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी।

नेपाल - कुशल भुर्तेल, आरिफ शेख, दीपेंद्र सिंह ऐरी, भीम शारकी, आसिफ शेख, अर्जुन सौद, रोहित पौडेल (कप्तान), करण केसी, कुशल माला, प्रतीश जीसी, सोमपाल कामी, गुलशन झा, संदीप लामीक्षाने, ललित राजबंशी, श्याम धाकल, संदीप जोरा, किशोर महतो।

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृष्णा। बैकअप विकेटकीपर- संजू सैमसन।

पाकिस्तान से वनडे सीरीज में 3-0 से हारी है टीम

एशिया कप से पहले अफगानिस्तान टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम को एशियाई टूर्नामेंट से ठीक पहले 3 मुकाबलों की वनडे सीरीज में 3-0 की पराजय झेलनी पड़ी है।

गणेश नवरात्रि उत्सव को भव्य तरीके से मनाने के लिए सभी उपाय करेगी सरकार : तलसानी

मंत्रियों ने गणेश नवरात्रि उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जानकारी दी कि राज्य सरकार 19 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश नवरात्रि उत्सव को भव्य तरीके से मनाने के लिए सभी उपाय करेगी। तलसानी श्रीनिवास यादव ने मंत्रियों महमूद अली और मल्ला रेड्डी के साथ सोमवार को यहां एमसी एचआरडी में अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की और आगामी गणेश नवरात्रि उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की, जो मुख्य रूप से हैदराबाद में भव्य पैमाने पर मनाया जाता है। एमएलसी प्रभाकर राव और वाणी देवी, विधायक दानम नागेंद्र, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजया लक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता रेड्डी, वित्त विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, एमएयूडी विशेष सीएस अरविंद कुमार, परिवहन सचिव श्रीनिवास राज, जल कार्य एमडी दाना किशोर, टीएसएसपीडीसीएल एमडी रघुमा रेड्डी, कानून एवं व्यवस्था अतिरिक्त महानिदेशक संजय जैन, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक अमर सिंह, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़, हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, हरीश और अमय कुमार, सूचना आयुक्त अशोक रेड्डी, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, साइबराबाद पुलिस बैठक में आयुक्त स्टीफन रवींद्र, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सचिव भगवान राव और बालापुर, खैरताबाद, सिकंदराबाद वाईएमसीए गणेश उत्सव समितियां और विभिन्न गणेश उत्सव मंडल समितियों के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि हैदराबाद का नाम देश में गणेश नवरात्रि उत्सव के भव्य समारोहों के लिए जाना जाता है और लाखों लोग विशेष रूप से सबसे बड़े मूर्ति विसर्जन को देखते हैं जो मुख्य रूप से खैरताबाद में होता है। इसी तरह, यह बालापुर गणेश की शोभा यात्रा के लिए भी जुड़वां शहरों में लोकप्रिय हो गया है। ''तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से, सरकार सभी समुदायों के सार्वजनिक रीति-रिवाजों और परंपराओं का सम्मान करते हुए हर साल बोनालू, श्री रामनवमी, हनुमान जयंती, बथुकम्मा, रमज़ान, बकरीद, क्रिसमस जैसे सभी त्योहारों की व्यवस्था करती रही है।

तलसानी ने कहा, बीआरएस सरकार उन लोगों के रीति-रिवाजों का सम्मान करती है जो विभिन्न राज्यों से आए हैं और हैदराबाद में बस गए हैं। हर साल की तरह, राज्य सरकार इस साल भी गणेश नवरात्रि उत्सव के भव्य उत्सव की व्यवस्था कर रही है। मंत्री ने अधिकारियों को आगामी गणेश नवरात्रि उत्सव की भव्य सफलता के लिए अन्य विभागों के साथ समन्वय करके प्रभावी ढंग से काम करने का निर्देश दिया।

महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की

आग की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष सुरक्षा अभियान चलाया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ जोन भर में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। बैठक के दौरान अरुण कुमार जैन ने ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं की रोकथाम के लिए जोन के सभी छह मंडलों में चलाए गए विशेष सुरक्षा अभियान की विस्तार से समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को यात्रियों द्वारा अनधिकृत वस्तुओं (जैसे ज्वलनशील पदार्थ) की ढुलाई को रोकने के लिए गहन जांच करने की सलाह दी।

उन्होंने दोहराया कि ट्रेन पर मौजूद सभी कर्मचारियों को सतर्क रहने और त्वरित कार्रवाई करने के लिए परामर्श दिया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने स्टाफ सदस्यों को उपकरणों की सुरक्षित कामकाजी स्थिति का सख्ती से पालन करने की सलाह दी और कोचों में धूम्रपान न करने के संकेतों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना भी सुनिश्चित किया। इसके अलावा, अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों को बिना किसी असफलता के सभी कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा अभियान के अलावा नियमित सुरक्षा निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने पर्यवेक्षकों को फील्ड स्तर के कर्मचारियों के लिए परिणामोन्मुख और केंद्रित परामर्श सत्र आयोजित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने लोको पायलटों सहित रनिंग स्टाफ के काम के घंटों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को जहां भी आवश्यक हो, उचित राहत प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने चालू वित्तीय वर्ष यानी 2023-24 के लिए जोन के माल लदान प्रदर्शन पर भी चर्चा की। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान प्रदर्शन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को माल लदान में और सुधार लाने के प्रयास जारी रखने की सलाह दी ताकि माल ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

राष्ट्रपति ने दिवंगत एनटीआर पर स्मारक सिक्का जारी किया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में स्वर्गीय एनटी रामाराव के शताब्दी वर्ष पर स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि दिवंगत एनटी रामा राव ने तेलुगु फिल्मों के माध्यम से भारतीय सिनेमा और संस्कृति को समृद्ध किया है। उन्होंने अपने अभिनय से रामायण और महाभारत के प्रमुख पात्रों में जान फूंक दी। उनके द्वारा निभाए गए भगवान राम और भगवान कृष्ण के किरदार इतने जीवंत हो गए कि लोग एनटीआर की पूजा करने लगे। उन्होंने कहा कि एनटीआर ने अपने अभिनय के माध्यम से आम लोगों के दर्द को भी व्यक्त किया। उन्होंने अपनी एक फिल्म 'मनुशुलता ओक्कटे' के जरिए सामाजिक न्याय और समानता का संदेश फैलाया यानी सभी इंसान एक समान हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एनटीआर की लोकप्रियता एक लोक सेवक और नेता के रूप में भी उतनी ही व्यापक है। उन्होंने अपने असाधारण व्यक्तित्व और कड़ी मेहनत से भारतीय राजनीति में एक अनोखा अध्याय रचा। उन्होंने कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किये, जिन्हें आज भी याद किया जाता है। राष्ट्रपति ने एनटीआर पर स्मारक सिक्का लाने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनटीआर का अद्वितीय व्यक्तित्व हमेशा लोगों, खासकर तेलुगु भाषी लोगों के दिलों में अंकित रहेगा।

आदिबट्ला में भोजनालय में लगी आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के आदिबट्ला में एक भोजनालय में सोमवार दोपहर आग लग गई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग आदिबट्ला में 'द फूड ट्रेन' भोजनालय में लगी। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। हालांकि, आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा रहा है।

राजनीतिक फायदे के लिए झूठे वादे कर रही हैं कांग्रेस व बीजेपी : कविता

कामारेड्डी, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एससी और एसटी घोषणापत्र जारी करके दलितों को एक बार फिर धोखा देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने इसे महज राजनीतिक दिखावा करार दिया और याद दिलाया कि देश और राज्य में सबसे लंबे समय तक शासन करने का रिकॉर्ड रखने वाली कांग्रेस ने अपने शासनकाल में हाशिये पर पड़े वर्ग के उत्थान के लिए बहुत कम काम किया है।

सोमवार को कामारेड्डी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कविता ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तेलंगाना यात्रा पर निशाना साधा, जिसके दौरान उन्होंने तेलंगाना में दलितों और आदिवासियों के लिए एससी और एसटी घोषणापत्र जारी किया था। उन्होंने इसे एक अच्छी तरह से लिखा गया नाटक बताया और अतीत में एससी और एसटी के साथ कांग्रेस के व्यवहार पर सवाल उठाया, जिसने उन्हें कई वर्षों तक गरीबी में रखा। बीआरएस एमएलसी ने तर्क दिया कि कांग्रेस के कार्य दलितों और आदिवासियों के लिए वास्तविक चिंता के बजाय राजनीतिक लाभ से प्रेरित है, जो कांग्रेस के शासन के दौरान इन समुदायों के लिए पर्याप्त प्रगति की कमी को उजागर करता है। उन्होंने कई कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने और वित्तीय स्थिति का बहाना बनाकर कर्नाटक में अपने चुनावी वादों को लागू नहीं करने के लिए कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया।

कविता ने कृषि मुद्दों, विशेषकर कृषि कनेक्शनों पर बिजली मीटर लगाने के प्रस्ताव पर भाजपा के दृष्टिकोण की भी आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना एकमात्र राज्य है जो वास्तव में दलितों के कल्याण के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पीएम-किसान लागू किया, जो तेलंगाना में शुरू की गई सफल रैतु बंधु योजना का एक कमजोर संस्करण है, लेकिन यह इच्छित प्राप्तकर्ताओं के केवल एक अंश तक ही पहुंच पाया।

पीएम-किसान, जो 13 करोड़ किसानों के साथ शुरू किया गया था, अब केवल 2.5 करोड़ लोगों को धन प्रदान कर रहा है। हालाँकि, तेलंगाना में, सभी किसानों को बिना किसी भेदभाव और प्रतिबंध के रायथु बंधु वित्तीय सहायता मिल रही है। कविता ने कहा कि तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न तो कांग्रेस और न ही भाजपा के पास विश्वसनीय उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव कल्याण और विकास कार्यक्रम लागू कर रहे हैं, जिससे जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिल रहा है।

चंद्रबाबू नायुडू का जीवन साजिशों से भरा : जगन

नागरी, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उनका जीवन पीठ में छुरा घोंपने, साजिशों और झूठ से भरा है। नायुडू ने पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. की स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 100 रुपये के सिक्के के विमोचन में भाग लिया। रामा राव की जयंती पर जगन ने उन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह बेशर्मी से इस कार्यक्रम में शामिल हुए, हालांकि उन्होंने सत्ता हथियाने के लिए टीडीपी संस्थापक की पीठ में छुरा घोंपा था। चित्तूर जिले के नगरी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, जगन ने कहा कि यह बेतुका है कि जिस व्यक्ति ने एनटीआर की पीठ में छुरा घोंपा और उनसे सत्ता छीन ली, वह राजनीतिक लाभ के लिए बेशर्मी से उनके चित्र पर माला डाल रहा है। नायडू को पाखंडी करार देते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उन्होंने सत्ता हासिल करने के लिए अपने ससुर एनटीआर की पीठ में छुरा घोंपा, दिवंगत नेता द्वारा स्थापित पार्टी को हाईजैक कर लिया और यहां तक कि उनकी मौत के लिए भी जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि आज, उन्होंने बेशर्मी से एनटीआर की जयंती के उपलक्ष्य में 100 रुपये का सिक्का जारी करने के कार्यक्रम में भाग लिया। यह कहते हुए कि नायडू का इतिहास धोखे, विश्वासघात, पीठ में छुरा घोंपने और साजिशों से भरा है, उन्होंने कहा कि टीडीपी नेता ने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए। जगन ने कहा कि नायडू को अपनी ताकत और अपने बेटे पर विश्वास नहीं है और इसलिए उन्होंने 'पालक पुत्र' पवन कल्याण को शामिल किया।

उन्होंने कहा कि जब हम तीन बार मुख्यमंत्री बने नायडू के शासन के बारे में सोचते हैं तो एक भी योजना हमारे दिमाग में नहीं आती है। उन्होंने कहा कि टीडीपी प्रमुख सत्ता में आने के लिए झूठ, साजिश और पीठ में छुरा घोंपने पर निर्भर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंद्रबाबू नायुडू, जिन्होंने चुनाव से पहले लोगों को स्वर्ग का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें नरक की ओर धकेल दिया, उन्हें अपनी ही पार्टी या अपने बेटे पर विश्वास नहीं है।

आंध्र में समुद्र तट रेत परियोजना को मंजूरी निलंबित करने की याचिका

विशाखापट्टणम, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस सरमा ने केंद्र से एपी में श्रीकाकुलम जिले के वत्सवलासा गांव के पास ट्राइमेक्स कंपनी द्वारा संचालित किए जाने वाले समुद्र तट रेत पृथक्करण संयंत्र के लिए एपी राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (एसईआईएए) द्वारा दी गई अनियमित पर्यावरण मंजूरी को निलंबित करने का आग्रह किया है। सोमवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमईएफसीसी) के सचिव लीला नंदन को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा कि एपीएसईआईएए ने केंद्रीय खान मंत्रालय से परामर्श किए बिना ट्राइमेक्स कंपनी के पक्ष में पर्यावरण मंजूरी जारी कर दी है। और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), जैसा कि एनजीटी की दक्षिणी पीठ के फैसले के तहत एक मामले में डीएई द्वारा दायर एक हलफनामे से स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि डीएई ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य की पुष्टि की है कि एपीएसईआईएए द्वारा डीएई से परामर्श किए बिना ट्राइमेक्स के बीच सैंड सेपरेशन प्लांट के लिए मंजूरी जारी करने का निर्णय प्रथम दृष्टया अनियमित है। जिस तरह से एपीएसईआईएए ने सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया पर जोर दिए बिना सारांश मंजूरी जारी करने का विकल्प चुना, उससे स्थानीय लोगों के वैध लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ। इससे न केवल वैधता के मुद्दे उठते हैं बल्कि एपीएसईआईएए के निर्णय की औचित्य के बारे में भी चिंताएं पैदा होती हैं।

लोकसभा चुनाव : चंद्रबाबू या जगनमोहन, आंध्र में किसे साथ लेगी बीजेपी?

नई दिल्ली/हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जहां सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं, लेकिन इन सबके बीच आंध्र प्रदेश की राजनीति में कुछ अलग होता नजर आ रहा है। आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के बीच गठबंधन की संभावना खत्म होती दिख रही है, जिसकी सबसे बड़ी वजह जगन मोहन की पार्टी है। भाजपा जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के साथ गठबंधन करने की इच्छुक नजर आ रही है।

भाजपा के सूत्रों ने कहा कि टीडीपी के साथ संभावित गठबंधन या किसी चुनावी समझौते पर अंतिम फैसला राजनीतिक स्थिति के गहन मूल्यांकन के बाद किया लिया जाएगा। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के चीफ चंद्रबाबू नायडू इस वक्त दिल्ली में हैं, लेकिन उनके किसी भी भाजपा नेता से मिलने की संभावना नहीं है, जैसा कि जून महीने में हुआ था। उस वक्त नायडू ने देर शाम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक की थी। उन बैठकों ने आगामी चुनावों – आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले पूर्व सहयोगियों के बीच संभावित गठबंधन के बारे में चर्चा शुरू कर दी थी। सोमवार को नायडू ने अपनी पार्टी के नेताओं के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात कर आंध्र प्रदेश की मतदाता सूची में कथित तौर पर बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं को शामिल करने की शिकायत की।

25 में से 22 लोकसभा सीटें वाईएसआर के पास

जबकि नायडू भाजपा नेतृत्व से सकारात्मक बातचीत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा ने राज्य में वर्तमान राजनीतिक हालात का जायजा लिया है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने आंध्र प्रदेश में राजनीतिक स्थिति का प्रारंभिक आकलन किया है। इस लिहाज से बीजेपी जगनमोहन की पार्टी वाईएसआरसीपी के साथ मधुर संबंध रखने की इच्छुक है। बीजेपी को लगता है कि 25 लोकसभा सीटों वाले राज्य आंध्र प्रदेश से उसे जगनमोहन की पार्टी से फायदा हो सकता है, क्योंकि वाईएसआरसीपी का राज्य में अच्छा दबदबा माना जा रहा है। साथ ही उसने 2019 के लोकसभा चुनावों 22 सीटों पर जीत हासिल की थी।

बीजेपी क्यों कर रही विचार?

भाजपा नेताओं ने कहा कि वाईएसआरसीपी चुनावी तौर पर अच्छी स्थिति में दिख रही है। रेड्डी की कल्याणकारी योजनाएं लोकप्रिय साबित हो रही हैं, जबकि टीडीपी पिछले साढ़े चार वर्षों में जमीन पर सरकार विरोधी वोटों को मजबूत करने में विफल रही है। रेड्डी ने हाल ही में घोषणा की है कि उनकी सरकार ने दिसंबर 2022 और जुलाई 2023 के बीच विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों से छूट गए 2,62,169 लाभार्थियों को 216.34 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। भाजपा के एक नेता ने कहा, "जगनन्ना सुरक्षा प्रोग्राम इस नई योजना के साथ, जिसे उन्होंने अपने नाम पर रखा है। उन्होंने इस योजना में अपने पिता के शुरुआती अक्षर वाईएसआर को हटा दिया है, जिसका उपयोग योजनाओं को ब्रांड करने के लिए बड़े पैमाने पर किया गया है। यह योजना राज्य में गरीबों की पूरी आबादी को कवर करने के लिए है। इससे उन्हें चुनावी परिदृश्य में काफी फायदा मिलने की संभावना है।'

भाजपा के सूत्रों ने कहा, "वाईएसआरसीपी की राज्य में अच्छी स्थिति भाजपा को टीडीपी के प्रति अपने प्रस्तावों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में लौटने के लिए बेताब है। वहीं रेड्डी ने अब तक औपचारिक रूप से एनडीए में शामिल होने के लिए भाजपा के दबाव का विरोध किया है, लेकिन हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.